@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार 02 नवंबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 349 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव

डबल इंजन सरकार में राज्य नई ऊंचाइयों को छू रहा है : मोदी

● देश होगा माओ आतंक से मुत, घड़ियाली आंसू वालों ने नहीं की चिंता : मोदी

एजेंसी

नवा रायपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव समारोह में भाग लिया। उन्होंने राज्यवासियों को बधाई देते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में छत्तीसगढ़ विकास की नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में शामिल होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। जय जोहार।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में प्रदेश के विकास यात्रा की चर्चा करते हुए कहा कि जब छत्तीसगढ़ बना था, तब गांवों तक पहुंचना बेहद कठिन था। उस समय बहुत सारे गांवों में सड़कों का नामो-निशान तक नहीं था। आज छत्तीसगढ़ के गांवों में सड़कों का नेटवर्क 40 हजार किलोमीटर तक पहुंच चुका है। बीते 11 वर्षों में नेशनल हाइवे का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। आज छत्तीसगढ़ में वंदे भारत जैसी तेज गति की ट्रेनें दौड़ रही हैं। कभी

छत्तीसगढ़ सिर्फ कच्चे माल के निर्यात के लिए जाना जाता था। आज यह एक इंडस्ट्रियल स्टेट के रूप में नई पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है क्योंकि छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर, नया विधानसभा भवन प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर उन्हें आदिवासी संग्रहालय का लोकार्पण करने का भी अवसर मिला है। इसके अलावा, इस मंच से लगभग 14 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया। उन्होंने कहा, 'इन विकास कार्यों के लिए मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूं।

उन्होंने आगे कहा कि 25 साल का यह कालखंड पूरा हुआ है और आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है। 25 वर्ष पहले अटल जी की सरकार ने आपके सपनों का छत्तीसगढ़ आपको सौंपा था। उन्होंने यह संकल्प भी लिया था कि छत्तीसगढ़ विकास की नई बुलंदी छुएगा। आज यह राज्य उसी दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती के इस समारोह में शामिल होना उनके लिए गर्व का क्षण है। मैंने भाजपा कार्यकर्ता के रूप में राज्य गठन से पहले का दौर भी देखा है और इन 25 वर्षों की विकास यात्रा का साक्षी भी रहा हूं। इसलिए इस गौरवशाली पल का हिस्सा बनना मेरे लिए अद्भुत अनुभूति है।उन्होंने गरीब कल्याण योजनाओं पर कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा गरीब की दवाई, कमाई, पढ़ाई और सिंचाई पर फोकस किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो नवंबर से उत्तराखंड दौरे पर

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 2 नवंबर से 4 नवंबर तक उत्तराखंड के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान राष्ट्रपति उत्तराखंड राज्य के रजत जयंती पर देहरादून में विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी। इसके साथ ही हरिद्वार और नैनीताल जनपद के दौरे के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी। उनके आगमन को लेकर सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। दो नवंबर को राष्ट्रपति हरिद्वार में पतंजलि विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके बाद तीन नवंबर को राष्ट्रपति रजत जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी। उसी दिन वह नैनीताल में राजभवन की स्थापना के 125 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में शामिल होंगी। चार नवंबर को राष्ट्रपति कैंची धाम स्थित नीम करोली बाबा आश्रम जाएंगी। नई दिल्ली लौटने से पहले राष्ट्रपति नैनीताल में कुमाऊं विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी।

खड़गे को संघ का करारा जवाब, बोले होसबाले-

प्रतिबंध की धमकी से नहीं डरते

● *होसबाले ने कहा कि कांग्रेस पहले भी संघ पर तीन बार प्रतिबंध लगाने का प्रयास कर चुकी है, अब चाहे तो चौथी बार भी कोशिश कर ले।*

एजेंसी

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संघ पर प्रतिबंध लगाने की बात कहे जाने के बाद कड़ा जवाब दिया है। होसबाले ने कहा कि कांग्रेस पहले भी संघ पर तीन बार प्रतिबंध लगाने का प्रयास कर चुकी है, अब चाहे तो चौथी बार भी कोशिश कर ले। उन्होंने कहा कि किसी संगठन पर प्रतिबंध लगाने के लिए कारण होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लगातार राष्ट्र निर्माण में जुटा है और जनता ने उसे स्वीकार किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सभी पार्टियों का है।सरकार्यवाह होसबाले शनिवार को जबलपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के बाबत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जो संगठन भारत के समाज और राष्ट्रनिर्माण में जुटा है, उस पर प्रतिबंध लगाने की बात कहने वाले नेताओं को पहले के अनुभव से सीख लेनी चाहिए। कांग्रेस ने पहले भी तीन बार संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी। अब वे चाहें तो फिर प्रयास करके देख लें, लेकिन पहले यह भी बताएं कि आखिर संघ पर बैन लगाने की जरूरत क्यों है? होसबाले ने कहा कि संघ को समाज ने स्वीकार किया है और पहले लगाए गए प्रतिबंधों को भी अदालत ने गलत ठहराया था। जब पहले प्रतिबंध लगाया गया था, तब न्यायालय ने क्या कहा था और कांग्रेस को उससे क्या मिला? इतने सबके बावजूद संघ लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष से सवाल किया कि जब संघ देश की सुरक्षा, संस्कृति और विकास के लिए काम कर रहा है, तो ऐसे संगठन पर बैन लगाने की बात कहना किस आधार पर उचित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सभी पार्टियों का है, लेकिन यहां यह सच है कि हमारे संघ में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ज्यादा हैं। सरकार किसी भी पार्टी की हो, लेकिन हम अपने विचार सभी के समक्ष रखते हैं। आज सरकार में संघ के स्वयं

सेवक बैठे हैं, इसलिए हमारे और भाजपा के बीच समन्वय बना हुआ है। आरएसएस का दरवाजा सभी के लिए खुला है, यह भी सच है कि भाजपा में घर के ही लोग हैं। गौरतलब है कि हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संघ पर प्रतिबंध लगाने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वास्तव में सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों का सम्मान करते हैं, तो उन्हें आरएसएस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए जैसे कभी तत्कालीन गृहमंत्री पटेल ने लगाया था।

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़, 10 की मौत

● एकादशी पर ज्यादा भीड़ से रेलिंग टूटी; महिलाएं और बच्चे चिल्लाते रहे, लोग रौंदते गए

एजेंसी

काशीबुग्गा । आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को एकादशी के दौरान भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें 8 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर पहली मंजिल पर है, जिसका आने-जाने का रास्ता एक ही है। आज भारी भीड़ के दौरान रास्ता जाम हो गया। लोगों की धक्का-मुक्की की वजह से रेलिंग टूट गई। इससे भगदड़ मच गई।

पुलिस को जानकारी नहीं दी गई थी: श्रीकाकुलम के एसपी केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि यह मंदिर निजी जमीन पर बना है. मंदिर के संचालक ने प्रशासन या पुलिस को आज के कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं दी थी. अगर पहले बताया जाता तो सुरक्षा के इंतजाम किए जा सकते थे। सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। एसपी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर 'गैर-इरादतन हत्या' (IPC की धारा 304) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

● इस मंदिर का निर्माण हरि मुकुंद पांडा परिवार ने तिरुमला में दर्शन न कर पाने के कारण दस साल पहले 12 एकड़ ज़मीन लगभग 20 करोड़ की लागत से किया था।

मंदिरों में भगदड़ की 5 बड़ी वजह

1. अचानक भीड़ बढ़ना: किसी खास दिन जैसे एकादशी, त्योहार पर श्रद्धालु बहुत बड़ी संख्या में पहुंच जाते हैं। जगह कम होती है।
2. सुरक्षा इंतजाम की कमी: कई मंदिरों में रेलिंग कमजोर होती है, रास्ते संकरे होते हैं और गेट कम होते हैं। अगर लोग एक साथ आगे बढ़ें और कोई गिर जाए।
3. प्रशासन की लापरवाही: पुलिस या वॉलंटियर्स समय पर भीड़ को नियंत्रित नहीं करते। अंदर और बाहर जाने वालों के रास्ते अलग नहीं बनाए जाते।
4. अफवाह: कभी-कभी कोई चिल्ला देता है "कुछ गिर गया" या "करंट लग गया", लोग घबरा जाते हैं और दौड़ने लगते हैं।
5. दर्शन की जल्दबाजी: लोग जल्दी दर्शन करने की कोशिश करते हैं। जब कोई फिसलता है तो बाकी लोग ऊपर से गिर जाते हैं।

सीबीआई ने जापानियों को ठगने वाले द्रिबेंदु मोहरणा को भुवनेश्वर से पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जापान के लोगों को ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह के एक बड़े आरोपित द्रिबेंदु मोहरणा को 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भुवनेश्वर हवाई अड्डे से की गई। सीबीआई ने बताया कि मोहरणा ऑपरेशन चक्र-5 के तहत पकड़ा गया है। वह एक फर्जी कॉल सेंटर चलाता था, जहां से कर्मचारियों को माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनियों के सपोर्ट स्टाफ के रूप में दिखाया जाता था। ये लोग जापान के नागरिकों को तकनीकी मदद के नाम पर झांसा देकर पैसे ठगते थे। जांच में पता चला कि मोहरणा की कंपनी वॉयपकनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड नोएडा में चल रही थी। सीबीआई ने 28 मई को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के 19 ठिकानों पर छापा मारा था, जिसमें छह लोगों को पकड़ा गया था। उस समय मोहरणा भुवनेश्वर से भागकर यूएई चला गया था। अब उसे गिरफ्तार कर दिल्ली लाया गया है और अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। अब तक इस मामले में कुल सात लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और सभी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। सीबीआई ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई जापान की राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी और माइक्रोसॉफ्ट कंपनी की मदद से की गई।

राजद के डीएनए में अभी भी हत्या, डकैती, अपहरण और गुंडागर्दी : जेपी नड्डा

● अगर उजाले का मजा लेना है, तो काले दिन को भी याद रखिएगा।

एजेंसी

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को बिहार के मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जमकर हमला बोला। मुजफ्फरपुर के औराई में आयोजित जनसभा को वर्चुअली संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

औराई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार राम निषाद के पक्ष में चुनावी जनसभा को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि राजद का डीएनए आज भी नहीं बदला, उसके डीएनए में आज भी हत्या, लूट और बलात्कार ही है। जेपी नड्डा ने कहा कि अगर उजाले का

मजा लेना है, तो काले दिन को भी याद रखिएगा। जिस तरह से बिहार को राजद के द्वारा रखा जा रहा था, उसे उजाले में तब्दील करने में राजग सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगवाई में काम की है। उन्होंने कहा कि राजद का डीएनए आज भी नहीं बदला है। राजद वालों के डीएनए में आज भी हत्या, लूट, अपहरण और गुंडागर्दी है। इसका जीता जागता उदाहरण शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देना है। सिवान से सांसद रहे शहाबुद्दीन के बारे में उन्होंने कहा कि एक भाजपा कार्यकर्ता, जो अपने घर पर झंडा लगाया था, उसे मार दिया था। साथ ही चांद बाबू के दोनों बेटों को सिवान में तेजाब से नहलाया गया था। जेपी नड्डा ने कहा कि अभी हाल ही में दो दिन पहले पटना के दानापुर से विधायक रीतलाल यादव को उच्च न्यायालय से जमानत नहीं दिया गया। रीत लाल यादव राजद के विधायक हैं। ऐसे ही लोग गुंडागर्दी कर काला साम्राज्य वाले राजद के सहयोगी है जेपी नड्डा ने बिहार में मेट्रो से लेकर महिलाओं को राज्य सरकार की ओर से दिए जाने वाले 10-10 हजार रुपये वाली योजना और एलिवेटेड रोड का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह सब संभव हुआ है, उजाले वाले राजग सरकार में। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में बिहार आज विकास की नई गाथा लिख रहा है। इसमें आप सभी का सहयोग बिहार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। जेपी नड्डा ने कहा कि जो अभी किसानों को 6000 किसान सम्मान निधि का पैसा साल में मिलता है, 14 नवंबर के बाद हमारी सरकार बनेगी, तो उसे बढ़ाकर 9000 किया जाएगा।

आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल देशों ने भारत की जमकर की सराहना

● *भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मलेशिया के कुआलालंपुर में दूसरी भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक के दौरान आसियान के रक्षा मंत्रियों के साथ मुलाकात की।*

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मलेशिया के कुआलालंपुर में दूसरी भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक के दौरान आसियान के रक्षा मंत्रियों के साथ मुलाकात की। बैठक के दौरान, मंत्रियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और क्षेत्रीय स्तर पर नई दिल्ली के साथ रक्षा सहयोग को गहरा करने की मांग की। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की दूसरी अनौपचारिक बैठक, आसियान के साथ भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी, विशेष रूप से 2026-2030 के लिए आसियान-भारत कार्य योजना के रक्षा और सुरक्षा घटकों को आगे बढ़ाने का एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करती है। रक्षा मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं पर

आसियान-भारत पहल और आसियान-भारत रक्षा थिंक-टैंक संपर्क नाम के दो दूरदर्शी पहलों की घोषणा की। मलेशियाई रक्षा मंत्री ने, एडीएमएम अध्यक्ष के रूप में, राजनाथ सिंह का स्वागत किया और भारत को एक महाशक्ति बताया। उन्होंने कहा कि एक समुदाय के रूप में, आसियान को साइबर और डिजिटल रक्षा के साथ-साथ रक्षा उद्योग एवं नवाचार के क्षेत्र में भारत के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने से लाभ होगा। इसके साथ ही उन्होंने आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग और तकनीकी अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की भारत की क्षमता की सराहना की।

कोलकाता बंदरगाह को मिला 'मैरिटाइम एक्सीलेंस अवार्ड'

कोलकाता। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता (एसएमपीके) को भारत की समुद्री विरासत और विकास में उसके ऐतिहासिक योगदान के लिए 'मैरिटाइम एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित 'इंडिया मैरिटाइम वीक 2025' के दौरान हेरिटेज श्रेणी में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और शांतनु ठाकुर ने एसएमपीके के चेयरमैन रथेंद्र रमन को एक भव्य समारोह में प्रदान किया। इस अवसर पर बंदरगाह के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर इस गौरवशाली क्षण के साक्षी बने और संस्थान की इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया। यह सम्मान एसएमपीके की 155 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा और गौरवशाली यात्रा को नई पहचान देता है।

बिहार में 'सुशासन' बनाम 'जंगलराज' का चुनाव है : शाह

● *यह चुनाव बिहार का भविष्य तय करने का चुनाव है।*

एजेंसी

गोपालगंज । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को बिहार के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी सभाओं को संबोधित करने के लिए जाने वाले थे, लेकिन खराब मौसम होने के कारण वे कहीं नहीं जा पाए। इस दौरान अमित शाह ने गोपालगंज और समस्तीपुर की चुनावी सभाओं को वर्चुअली संबोधित किया। अमित शाह ने चुनावी रैली में आए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव किसी एक प्रत्याशी की जीत-हार का चुनाव नहीं है, बल्कि इस चुनाव से यह तय करना है कि बिहार किसके हाथ में रहेगा। यह बिहार 15 सालों तक जंगलराज फैलाने वाले हाथों में रहेगा, या 20 साल तक सुशासन देने वाले एनडीए के हाथ में रहेगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बिहार का भविष्य तय करने का चुनाव है। ये चुनाव

सुशासन बनाम जंगलराज का चुनाव है। उन्होंने लोगों पर विश्वास जताते हुए कहा कि गोपालगंज वालों ने साल 2002 के बाद कभी भी यहां राजद को नहीं जिताया है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार भी ये रिकॉर्ड को आगे बढ़ाएंगे। अमित शाह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार और पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। एनडीए के पांचों दल पांडव की तरह एक साथ मिलकर इस चुनाव के मैदान में उतरे हैं, जबकि दूसरी ओर महाठगबंधन में इतनी लड़ाई है कि वे हमारे खिलाफ चुनाव लड़ने की जगह अंदर-अंदर ही एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने एनडीए सरकार में कराए गए कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने मिथिला के सम्मान के लिए बहुत सारे काम किए हैं। भाजपा सरकार ने मैथिली भाषा को आठवीं अनुसूची में डाला, मैथिली भाषा में संविधान का अनुवाद कराया, और मधुबनी पेंटिंग को जीआई टैग दिया। यही नहीं, शाश्वत मिथिला महोत्सव गुजरात में शुरू किया।

उन्होंने लोक गायिका शारदा सिन्हा को याद करते हुए कहा कि स्वर्गीय शारदा सिन्हा को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया और मखाना बोर्ड की स्थापना भी मोदी सरकार ने की है। केंद्रीय गृह मंत्री ने घुसपैठियों की चर्चा करते हुए कहा कि कुछ दिन पूर्व राहुल गांधी बिहार आए थे, उन्होंने एक यात्रा निकाली थी, जो घुसपैठिया बचाव यात्रा थी। उन्होंने लोगों से सवाल करते हुए कहा कि आप लोग ही बताइए कि क्या बिहार की मतदाता सूची में घुसपैठिए होने चाहिए? उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा और एनडीए का स्पष्ट मत है कि बिहार की मतदाता सूची से चुन-चुनकर घुसपैठियों को निकालना चाहिए।

मोकामा घटना के बाद चुनाव आयोग ने तीन अधिकारियों का किया तबादला

● आयोग ने 2 नवंबर दोपहर तक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के मोकामा में हिंसा और हत्या की घटना के बाद चुनाव आयोग ने तीन अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया है। आदेश के अनुसार बाढ़ के एसडीओ एवं रिटर्निंग ऑफिसर चंदन कुमार का स्थानांतरण करके उनकी जगह पटना नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त आशीष कुमार की तैनाती की गई है। इसी प्रकार, एसडीपीओ बाढ़-1 राकेश कुमार की जगह आनंद कुमार सिंह और एसडीपीओ बाढ़-2 अभिषेक सिंह की जगह आयुष श्रीवास्तव को पदभार देने का आदेश दिया गया है।आयोग ने तीनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई आरंभ करने के निर्देश भी दिए हैं। अभिषेक सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है। साथ ही आयोग ने पटना ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक

विक्रम सिहाग के स्थानांतरण पर भी विचार करते हुए उनके विकल्प के लिए पैनल मांगा है। आयोग ने 2 नवंबर दोपहर तक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मुंबई हवाई अड्डे पर 47 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, महिला समेत 5 लोग गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बड़े पैमाने पर अवैध सोना, कीमती सामान और ड्रग्स, कोकीन आदि की तस्करी हो रही है। अक्सर कस्टम इस तस्करी को नाकाम कर देती है। इस बीच राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की मुंबई क्षेत्रीय इकाई ने ड्रग्स की तस्करी के खिलाफ एक बड़े अभियान में 47 करोड़ रुपये मूल्य का कोकीन जब्त किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक महिला यात्री से लगभग 4.7 किलोग्राम कोकीन जब्त किया गया है। इस कोकीन का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य 47 करोड़ रुपये आंका गया है। बताया गया है कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई के अधिकारियों ने कोलंबो से मुंबई आई एक महिला यात्री को हवाई अड्डे पर रोका। उसके सामान की जाँच करने पर, कॉफी पाउडर के नौ पैकेटों में सफेद रंग का पदार्थ छिपा हुआ पाया गया। एनडीपीएस फील्ड टेस्ट किट से जाँच करने पर पता चला कि वह कोकीन है। इस कार्रवाई के तुरंत बाद, कोकीन प्राप्त करने वाले व्यक्ति को भी हवाई अड्डे पर जाल बिछाकर गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जाँच के दौरान, इस तस्करी गिरोह में शामिल तीन और लोगों को भी गिरफ्तार किया गया, जो इन ड्रग्स के वित्तपोषण, रसद, संग्रह और वितरण में शामिल थे। इस प्रकार, इस मामले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत कुल पाँच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आगे की जाँच कर रही है।

आवासीय स्कूल में फूड पॉइजनिंग का संदेह... 50 से अधिक छात्र अस्पताल में भर्ती

तेलंगाना (एजेंसी)। तेलंगाना के गडवाल जिले के धर्मावरम में मौजूद स्कूल में 50 से अधिक छात्र भोजन करने के बाद बीमार पड़ गए। जिला प्रशासन के अधिकारियों को फूड पॉइजनिंग (दूषित भोजन) का संदेह है। प्रशासन के अधिकारियों ने बताया शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे छात्रावास में 110 छात्रों ने भोजन किया। भोजन के तुरंत बाद कई छात्रों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई। कुल 52 छात्रों को भोजन विषाक्तता (फूड पॉइजनिंग) का सामना करना पड़ा। उन्हें तुरंत गडवल अस्पताल ले जाया गया। शनिवार सुबह तक, 32 छात्रों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जबकि 20 अन्य छात्र अभी भी डॉक्टरों की निगरानी में हैं। डॉक्टरों के अनुसार, सभी की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं।

जिला स्वास्थ्य अधिकारियों और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने भोजन के दूषित होने के कारणों का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी है। छात्रावास की रसोई से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए भेजे गए हैं। स्थानीय शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने स्कूल का दौरा किया और स्वच्छता एवं खाना पकाने की स्थिति का जायजा लिया। स्कूल प्रबंधन को सख्त खाद्य सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

जयपुर में स्कूल की 5वीं मंजिल से गिरी छात्रा, मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में नीरजा मोदी स्कूल में 5वीं मंजिल से गिरी छात्रा अमायरा (12) पुत्री विजय कुमार की मौत हुई है। वह छठी क्लास में पढ़ती थी। जानकारी के मुताबिक झाड़ियों में गिरने पर उसका सिर दीवार से टकराया। चीख की आवाज सुनकर स्टाफ पहुंचा। बच्ची जिस जगह से गिरी, वहां सीढ़ियां पर सीसीटीवी भी लगा हुआ है। छात्रा को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित किया। हादसे की सूचना पर अस्पताल पहुंची मां शिबानी और पिता विजय देव का रो-रोकर बुरा हाल है। मां गुस्से में रोते हुए अपनी बच्ची को लौटा देने की बात कह रही हैं। पिता विजय खामोश है। डॉक्टर्स ने उन्हें रुलाने की कोशिश की, लेकिन वे बेसुध है। वहीं स्कूल प्रशासन ने घटना के बाद वहां सफाई करवा दी, खून के धब्बे साफ करवा दिए। घटना के बाद घटना स्थल पर सबूत सुरक्षित रखना कानूनन जरूरी होता है, लेकिन स्कूल प्रशासन ने सबूत मिटा दिए।

पाकिस्तान को फोटो और गोपनीय जानकारी भेजने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

-कपूरथला पुलिस ने केंद्रीय जांच एजेंसियों की मदद से की कार्रवाई

कपूरथला (एजेंसी)। पंजाब के कपूरथला में पुलिस ने रक्षा क्षेत्र की फोटो और गोपनीय जानकारी भेजने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी गुरनाम सिंह पर पहले ही एनडीपीएस के कई दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से छह मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल कपूरथला के आर्मी कैंट इलाके की गुप्त सूचनाएं पाकिस्तान भेजने के लिए होता था।

पुलिस अधीक्षक प्रभजोत सिंह ने बताया कि, मामले के मुख्य आरोपी का सीधे संबंध पाकिस्तान से हैं। आरोपी को फिरोजपुर से गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि, आरोपी गुरनाम से कड़ी पूछताछ की जा रही हैं, इसमें कई और लोगों के शामिल होने की संभावना है।

एसपी ने बताया कि, बीते महीने 28 अक्टूबर को गोपनीय सूचना पर कपूरथला पुलिस ने कांजली के पास कपूरथला निवासी राजा नामक युवक को गिरफ्तार किया था। वह डिफेंस एरिया में सफाई कर्मचारी के तौर पर काम करता था। उसने अपने साथियों की मदद से सैन्य क्षेत्र की तस्वीरें और गोपनीय दस्तावेज पाकिस्तान भेजे थे। इसके बाद आरोपी राजा के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कर पुलिस रिमांड लिया गया।

एसपी सिंह ने बताया कि, पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी राजा की पहचान पर एक अन्य आरोपी जसकरण सिंह निवासी धर्मकोट को गिरफ्तार किया है। जसकरण सिंह की गिरफ्तारी के बाद मुख्य आरोपी गुरनाम सिंह निवासी फिरोजपुर को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों से 6 मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। इन्हीं फोन के जरिए आरोपी सैन्य क्षेत्र की तस्वीरें और गोपनीय दस्तावेज पाकिस्तान भेजते थे। मामले में फिरोजपुर निवासी गुरनाम सिंह मुख्य आरोपी है।

उन्होंने कहा कि, मामला बेहद संवेदनशील है, इसलिए मीडिया में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की जा सकती। इस पूरे ऑपरेशन और गिरफ्तारियों के दौरान केंद्रीय एजेंसियों ने कपूरथला पुलिस और पंजाब की अन्य एजेंसियों का पूरा सहयोग किया। संयुक्त प्रयासों से मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

जाति जनगणना का पहला चरण शुरू, मकान व परिवार की देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाति जनगणना पर देश की तमाम राजनीतिक दलों की नजरें हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होने जा रहे जाति आधारित जनगणना की दिशा में शनिवार को एक बड़ा कदम उठाया। सरकार इस जनगणना के पहले चरण यानी हाउसलिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस (एचएलओ) के लिए तैयार किए गए सेल्फ एन्यूमरेशन मॉड्यूल का परीक्षण शुरू करेगी। इस दौरान चुनिंदा इलाकों में एन्यूमरेटर (गणनाकर्मी) प्रमुख नागरिकों के घर जाकर वेबसाइट पर डिटेल भरने में उनकी मदद करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह ट्रायल दो चरणों में होगा। 1 से 7 नवंबर तक वेबसाइट के जरिये सेल्फ एन्यूमरेशन की प्रक्रिया चलेगी, जबकि 10 से 30 नवंबर तक एन्यूमरेटर घर-घर जाकर बाकी डेटा जुटाएंगे। यह जनगणना 2027 का पहला चरण होगा, जिसमें मकान और परिवार से जुड़ी बुनियादी जानकारी ली जाएगी। पूरी प्रक्रिया 1 अप्रैल 2026 से 28 फरवरी 2027 के बीच दो चरणों में पूरी की जाएगी।

प्री-टेस्ट में घरों से करीब 30 सवाल पूछे जाएंगे। इनमें मकान नंबर, घर की छत और फर्श की सामग्री, परिवार प्रमुख का नाम और लिंग, परिवार में रहने वाले लोगों की संख्या, पीने के पानी का स्रोत, बिजली और शौचालय की सुविधा, खाना बनाने में उपयोग होने वाला ईंधन, टीवी, लैपटॉप, कंप्यूटर, कार, मोबाइल जैसी सुविधाओं की जानकारी शामिल होगी।

आरजीसीसीआई के मुताबिक इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। जनगणना कर्मियों को एक डिजिटल जिला नक्शा दिया जाएगा। जो लोग 1 से 7 नवंबर के बीच खुद वेबसाइट पर फॉर्म भरेंगे, उनकी जानकारी एन्यूमरेटर को एक ऐप पर दिखाई देगी। बाकी घरों की जानकारी एन्यूमरेटर ऐप के ज़रिये दर्ज करेंगे। सभी डेटा सेंसर मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम से जुड़ा रहेगा, जो जनगणना की निगरानी और प्रबंधन करेगा।

बता दें यह जनगणना 2021 में ही शुरू होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। अब इसे जनगणना 2027 के रूप में शुरू किया जा रहा है। फरवरी 2027 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 2021 की जनगणना में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत सेल्फ एन्यूमरेशन की सुविधा दी गई थी। उस समय नागरिकों को आधार या मोबाइल नंबर देना अनिवार्य था। हालांकि, इस बार सरकार ने लोकसभा में स्पष्ट कर दिया है कि एनपीआर को अपडेट करने का कोई फैसला नहीं लिया गया है। एनपीआर जिसमें वर्तमान में 119 करोड़ निवासियों का डेटा है, 2015-16 में अंतिम बार अपडेट किया गया था।

एनपीआर को नागरिकता नियम, 2003 के तहत राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर की दिशा में पहला कदम माना जाता है। एनपीआर पहली बार 2010 में 2011 की जनगणना के साथ तैयार किया गया था। सरकार की तरफ से 16 अक्टूबर को जारी अधिसूचना के मुताबिक इस बार केवल पहले चरण यानी हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग (एचएलओ) का ही प्री-टेस्ट होगा क्योंकि जाति गणना की पद्धति को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। 2019 में 2021 जनगणना से पहले दोनों चरणों- एचएलओ और जनसंख्या गणना तथा एनपीआर के सवालों का परीक्षण एक साथ किया गया था। उस दौरान देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 76 जिलों में 26 लाख लोगों को कवर किया गया था। संक्षेप में 1 नवंबर से शुरू होने वाला यह प्री-टेस्ट भारत की अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल गणना का पहला कदम होगा। इस जनगणना में न केवल घरों और जनसंख्या से जुड़ी जानकारी ली जाएगी, बल्कि स्वतंत्र भारत में पहली बार जाति का भी डिजिटल स्तर पर रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, जो आने वाले वर्षों में नीति निर्धारण में अहम भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का आरोप... केंद्र हम पर हिंदी थोपने का प्रयास कर रहा

-अंग्रेजी और हिंदी हमारे बच्चों की प्रतिभा को कमजोर कर रही

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र की मोदी सरकार पर कन्नड़ की उपेक्षा करने और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य के लोगों से कन्नड़ विरोधियों का विरोध करने का आव्हान किया। सिद्धारमैया कर्नाटक के स्थापना दिवस पर हुए 70वें राज्योत्सव में कहा कि केंद्र की मोदी सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। मुख्यमंत्री

सिद्धारमैया ने कहा, हम पर हिंदी थोपने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। हिंदी और संस्कृत के विकास के लिए अनुदान मिलता है, जबकि देश की बाकी भाषाओं की उपेक्षा हो रही है। सिद्धारमैया ने कहा अंग्रेजी और हिंदी हमारे बच्चों की प्रतिभा को कमजोर कर रही है। मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने के लिए कानून होना चाहिए। केंद्र को मातृभाषा में ही शिक्षा को अनिवार्य करना चाहिए। सिद्धारमैया अक्सर कन्नड़ को लेकर केंद्र सरकार को निशाना बनाते हैं। सितंबर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से ही पूछ लिया था कि क्या आपको कन्नड़ आती है, मैं कन्नड़ में बात करता हूं। हालांकि राष्ट्रपति ने सिद्धारमैया को जवाब देकर कहा कि मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगी कि कन्नड़ भले ही मेरी मातृभाषा नहीं हैं, लेकिन यह कर्नाटक की भाषा है। मुझे भारत की हर भाषा, संस्कृति और परंपरा से प्यार है। मैं उनका सम्मान करती हूं। इतना ही नहीं राष्ट्रपति ने कहा, सब अपनी भाषा को जीवित रखिए। अपनी संस्कृति और परंपरा को जिंदा रखिए। मैं इसके लिए शुभकामनाएं देती हूं। मैं कन्नड़ भाषा धीरे-धीरे सीखने का कोशिश करूंगी।

दिल्ली में कितने आवारा कुत्ते... सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताएंगे मुख्य सचिव वर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आवारा कुत्तों की स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कड़ा रुख दिखाया। अदालत ने सोमवार को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को रिपोर्ट पेश कर वास्तविकता से अवगत कराने को कह दिया है। पिछली सुनवाई 27 अक्टूबर को हुई थी, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल को छोड़ अन्य किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने अपना पक्ष नहीं रखा था, जिस पर कोर्ट ने कड़ा रुख दिखाकर अन्य राज्यों की तरह दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को पेश होने का निर्देश दिया है।

दिल्ली में कुत्तों की स्थिति को लेकर मुख्य सचिव राजीव वर्मा जिन्होंने कुछ दिन पहले ही कार्यभार संभाला है, उन्होंने एमसीडी कमिश्नर अश्विनी कुमार से रिपोर्ट मांगी है। एमसीडी के पास स्ट्रीट डॉग की संख्या को लेकर कोई भी नई रिपोर्ट नहीं है। साल 2009 में हुई गणना में दिल्ली में करीब 5.6 लाख आवारा कुत्ते थे। विभिन्न अनुमानों और हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, वर्तमान में संख्या करीब 8 से 10 लाख तक हो सकती है। वर्ष 2016 में दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (अब एकीकृत एमसीडी का हिस्सा) द्वारा चार ज़ोन में किए गए सर्वेक्षण में 1,89,285 कुत्तों की गणना की गई थी। इसकी पुष्टि एमसीडी कमिश्नर भी करते हैं, इसके बाद कुत्तों की गणना नहीं हुई।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पास कई सालों से आवारा कुत्तों की कोई आधिकारिक गणना नहीं है। पिछली गणना के बाद, अनुमानित संख्या में काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 2009 में हुई पिछली गणना में दिल्ली में लगभग 5.6 लाख आवारा कुत्ते थे। विभिन्न अनुमानों और हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, वर्तमान में यह संख्या लगभग 8 लाख से 10 लाख तक हो सकती है। स्ट्रीट डॉग को लेकर काम कर रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल भी कोर्ट में बता चुके हैं कि दिल्ली में कम से कम 8 लाख से अधिक स्ट्रीट डॉग हो सकते है।

अत्याधिक गरीबी से मुक्त राज्य बना केरल, सीएम ने की विधानसभा में घोषणा

विपक्ष ने पिनाराई सरकार के दावे को धोखाधड़ी बताया, सदन से किया बॉयकॉट

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को विधानसभा में राज्य ने अत्यधिक गरीबी से मुक्त होने की औपचारिक घोषणा की। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार का दावा है कि केरल ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।

पिनाराई सरकार ने राज्य से अत्यधिक गरीबी हटाने के लिए 2021 में अत्यधिक गरीबी उन्मूलन परियोजना शुरू की थी। इसके तहत 64,006 परिवारों की पहचान की गई थी। सरकार का दावा है कि चार सालों में इन परिवारों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाल लिया गया है। केरल सीएम पिनाराई ने 25 अक्टूबर को एक्स पर कहा था कि राज्य अत्यधिक गरीबी से मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को केरल पिरवी या स्थापना दिवस के अवसर पर विधानसभा के विशेष सत्र में वह इसकी घोषणा करेंगे।

उन्होंने कहा था कि 1,000 करोड़ से ज्यादा के निवेश के साथ, राज्य सरकार ने अत्यधिक गरीबी से जूझ रहे परिवारों को हर रोज खाना, स्वास्थ्य सेवाएं, घर, जरूरी दस्तावेज जैसे राशन कार्ड, आधार, पेंशन और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने पिनाराई सरकार के दावे को धोखाधड़ी करार दिया है। विपक्ष ने सरकार के विरोध में शनिवार को विशेष सत्र का बहिष्कार किया। जैसे ही विधानसभा का विशेष सत्र शुरू हुआ, सभी विपक्षी विधायक सदन से बाहर चले गए। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि नियम 300 के तहत मुख्यमंत्री का बयान गलत और सदन के नियमों के खिलाफ है।

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि हम केवल वही कहते हैं जो हम लागू कर सकते हैं। हमने जो कहा था, उसे लागू किया है। विपक्षी नेता को यही हमारा जवाब है। अत्यधिक गरीब लोगों की आय रोजाना 257 से कम वर्ल्ड बैंक की जून 2025 की परिभाषा के तहत जिन लोगों की आय प्रतिदिन तीन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 257 से कम हैं, उन्हें अत्यधिक गरीब माना जाता है। पहले यह सीमा 2.15 डॉलर करीब 178 प्रतिदिन थी।

वर्ल्ड बैंक की 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पिछले 11 सालों में करीब 269 मिलियन यानी 26.9 करोड़ अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। 2011-12 में देश की अत्यधिक गरीबी दर 27.1फीसदी थी, जो 2022-23 में घटकर सिर्फ 5.3फीसदी रह गई है। 2011-12 में देश में 344.47 मिलियन यानी 34.4 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन यानी 7.5 करोड़ हो गई। ग्रामीण भारत में अत्यधिक गरीबी दर 18.4फीसदी से घटकर 2.8फीसदी हो गई, और शहरी क्षेत्रों में यह 10.7फीसदी से घटकर सिर्फ 1.1फीसदी रह गई।

केरल ने मानवीय गरिमा को गरीबी का आधार बनाया केरल सरकार के मुताबिक, राज्य को अत्यंत गरीबी से बाहर निकालने की शुरुआत 2021 में हुई। सरकार ने इसके लिए भोजन, आय, स्वास्थ्य और आवास को आधार बनाया और इसे 'मानवीय गरिमा' नाम दिया। इसमें सामाजिक संगठनों की मदद ली गई।

राज्य सरकार ने 1300 सर्वेयर की टीम 14 जिलों में उतारीं, जिनके परिवारों के पास भोजन, स्वास्थ्य, आय और आवास नहीं थे, उन्हें चुनने का टास्क दिया गया। वार्डों डिवीजनों से भागीदारी नामांकन, उप-समितियों द्वारा शॉर्ट लिस्टिंग, एक मोबाइल एप का इस्तेमाल करके साक्षात्कार और ग्राम सभाओं द्वारा अंत तक अंतिम सत्यापन किया गया। टीमों ने ग्राम सभाओं, फोकस ग्रुप डिस्कशन में ऐसे 1,03,099 लोगों को खोज निकाला। 81फीसदी ग्रामीण इलाकों में रहते थे। 68फीसदी अकेले जी रहे थे। 24फीसदी को स्वास्थ्य समस्याएं, 21फीसदी को भोजन और 15फीसदी को घर की कमी थी।

सख्त निगरानी के साथ सामाजिक ऑडिट शुरू हुआ। केरल में 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए। शुरुआत कोट्टायम जिले के 978 माइक्रो प्लान से की गई थी। लोगों की जरूरत के मुताबिक उनकी मदद की गई। इसकी सख्त मॉनिटरिंग की गई। हर पैसे और मदद का हिसाब लिया गया।

फेफड़ा फटे, पसलियां टूटीं इंटर्नल ब्लीडिंग हुई दुलारचंद यादव की मौत

पीएम रिपोर्ट से खुलासा, शरीर पर कई जगह मिले गहरे घाव

पटना (एजेंसी)। बिहार के मोकामा में जन सुराज के समर्थक दुलारचंद यादव की मौत से पर्दा उठ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक उनकी मौत फेफड़ा फटने और सीने की कई पसलियां टूटने के कारण हुई। ये चोटें इतनी गंभीर थीं कि इंटर्नल ब्लीडिंग हुई, जिससे उनकी मौत हो गई। दुलारचंद यादव के सीने पर जोरदार प्रहार या भारी दबाव पड़ा, जिससे उनकी पसलियां टूट गईं और फेफड़े में गंभीर चोट पहुंची।

मीडिया रिपोर्ट में पीएम रिपोर्ट के मुताबिक शरीर पर कई जगह गहरे घाव और खून जमने के निशान मिले हैं। फेफड़े फटे हुए मिले, जिससे रक्तस्राव हुआ। छाती की कई पसलियां टूटी पाई गईं, खासकर दाहिनी ओर। रीढ़ की हड्डी के पास भी चोटों के निशान मिले। सिर, घुटने, टखने और पीठ पर गहरे जख्म और चोटें पाई गईं हैं। इसके साथ दाहिने पैर के पास फायरआर्म इंजरी का जिक्र यानी गोली लगने के निशान हैं। कई जगहों पर अब्रेशन और लैसेरेटेड वूंड्स मिले। डॉक्टरों के मुताबिक मौत का कारण कार्डियो-पल्मोनरी फेल्योर विद ब्लंट इंजरी टू चेस्ट एंड हेड, यानी छाती और सिर पर जोरदार चोटों व फेफड़े फटने से हृदय और सांस प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया था। बता दें मोकामा के घोसवरी थाना क्षेत्र के तारतार गांव में जन सुराज समर्थक दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक हमलावरों ने पहले उनके पैर में गोली मारी और फिर उन पर गाड़ी चढ़ा दी। घटना के पीछे चुनावी रंजिश की बात सामने आई है। दुलारचंद यादव पूर्व में मोकामा विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुके थे। दुलारचंद इस बार जन सुराज से जुड़े थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। मृतक के पोते ने जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह पर हत्या की साजिश रचवाने का आरोप लगाया, जबकि अनंत सिंह ने घटना के लिए दूसरे प्रत्याशी सूरजभान सिंह के गुट को जिम्मेदार बताया। दुलारचंद यादव की हत्या और उनकी शव यात्रा में भड़की हिंसा के बाद एफआईआर पंडारक थाने में दर्ज की गई है। यह शिकायत आरजेडी प्रत्याशी वीणा देवी के समर्थकों ने दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि शव यात्रा में पंडारक इलाके में उनके काफिले पर हमला किया गया और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। इस मामले में सुमित, सोनू और गोलू को आरोपी बनाया है। जब दुलारचंद यादव की शव यात्रा गांव से निकल रही थी, तभी पंडारक बाजार के पास माहौल अचानक बिगड़ गया। भीड़ में पत्थरबाज़ी, गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट की स्थिति बन गई। इसी दौरान वीणा देवी के समर्थकों का काफिला निशाना बना, जिसके चलते स्थिति पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद कंट्रोल से बाहर हो गई। मोकामा हत्याकांड को लेकर तीन एफआईआर भदौर थाने में दर्ज हो चुकी है। पहली एफआईआर में मृतक दुलारचंद यादव के पोते नीरज कुमार ने दर्ज कराते हुए अनंत सिंह, उनके भतीजे राजवीर और कर्मवीर, साथ ही छोटन सिंह और कंजय सिंह को नामजद किया।

युवाओं को मोबाइल फोन पर नहीं, बल्कि पढ़ने की आदत डालनी चाहिए: कुमारस्वामी

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि युवाओं को मोबाइल फोन पर ज़्यादा समय बिताने के बजाय पढ़ने की आदत डालनी चाहिए ताकि उसमें पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कर्नाटक सरकार से सार्वजनिक पुस्तकालयों के लिए कन्नड़ पुस्तकों की थोक खरीद को फिर से शुरू करने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने चिंता व्यक्त की कि सरकार ने पिछले चार-पांच सालों से कन्नड़ किताबें थोक में नहीं खरीदी हैं। उन्होंने अधिकारियों से तुरंत कार्यवाही करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक पुस्तकालयों में किताबें साहित्य में रुचि पैदा करने और कन्नड़ भाषा के प्रति गौरव की भावना को बढ़ावा देने में मदद

करती हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सरकार को औपचारिकतावश नहीं, बल्कि भाषा, साहित्य और लेखकों के प्रति सच्चे प्रेम के कारण पुस्तकें खरीदनी चाहिए। उन्होंने कन्नड़ के समृद्ध साहित्यिक इतिहास की प्रशंसा की और टी.आर. सुब्बा राव के उपन्यास दुर्गास्तंभ जैसी कृतियों के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक उन्हें हर बार प्रेरित करती है। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि कन्नड़ में ऐसी अनगिनत कालातीत रचनाएं हैं। सरकार को औपचारिकतावश नहीं, बल्कि हमारी भाषा, साहित्य और लेखकों के प्रति सच्चे प्रेम के कारण पुस्तकें खरीदनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने प्रकाशकों के सामने आज कामकाज जारी रखने में आने वाली चुनौतियों को भी स्वीकार किया।

ढीली निगरानी, नियमों का पालन नहीं और लापरवाही से भारत में बसें हो रही शिकार

-यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में बस सुरक्षा के मानक बहुत सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो दर्दनाक बस अग्निकांड की घटनाओं ने फिर सड़क परिवहन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में 24 अक्टूबर को हुई बस दुर्घटना में 20 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 14 अक्टूबर को राजस्थान के थईयात गांव में 26 यात्री काल के गाल में समा गए थे। इस तरह सिर्फ एक हफ्ते में 41 लोगों की मौत के साथ बस सुरक्षा मानकों की स्थिति पर बहस छिड़ गई है।

जानकारी के मुताबिक 2013 से अब तक भारत में सात बड़ी बस आग की घटनाओं में 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक इन हादसों की वजह न केवल तकनीकी खामियां हैं, बल्कि ढीली निगरानी, कमजोर नियमों का पालन और बस ऑपरेटरों की लापरवाही भी बड़ी जिम्मेदार है। मामूली टक्करें भी बड़ी आग का रूप ले सकती हैं, क्योंकि अधिकांश बसों का रखरखाव बेहद खराब है।

फैक्टरी डिजाइन से छेड़छाड़ करते हुए बसों में चार्जिंग पॉइंट, सजावटी लाइटिंग और इनवर्टर जोड़ दिए जाते हैं, जिससे वायरिंग ओवरलोड होकर जल जाती है। स्लीपर बसों में पर्दे, गद्दे और सिंथेटिक पैनल जैसी सामग्री आग को तेजी से फैलाती है। ज्यादातर बसों में छत के हैच या आपात दरवाजे या तो बंद होते हैं या मौजूद ही नहीं होते। नियमों के मुताबिक अग्निशामक यंत्र जरूरी हैं, लेकिन अक्सर ये खाली होते हैं या चालक दल को उनका उपयोग करना नहीं आता।

रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर निजी बसें एक ही चालक द्वारा रातभर चलाई जाती हैं और इनमें स्पीड गवर्नर नहीं होते। सुरक्षा जोखिमों के बावजूद ज्यादातर यात्री निजी बसों को चुनते हैं क्योंकि सरकारी बस सेवाएं घट रही हैं। 2022 में इंटरसिटी सरकारी बसों की संख्या 1,01,908 थी, जो 2025 में घटकर 97,165 रह गई। इलेक्ट्रिक बसों की डिलीवरी में देरी और पुराने वाहनों की सेवानिवृत्ति ने यह कमी और बढ़ा दी। नतीजतन, निजी क्षेत्र ने यह जगह भर दी है, लेकिन उद्योग बेहद खंडित है। करीब 78 फीसदी ऑपरेटरों के पास पांच से कम बसें हैं।

बता दें यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में बस सुरक्षा के मानक बेहद सख्त हैं। यूरोपीय संघ में लंबी दूरी की बसों में कई आपातकालीन निकास, अग्निरोधी सामग्री और इंजन-कम्पार्टमेंट अग्निशमन प्रणाली अनिवार्य हैं। अमेरिका में हर बस में स्पष्ट लेबलिंग के साथ त्वरित-निकास खिड़कियां और छत के हैच होते हैं जिनका नियमित निरीक्षण किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया में राज्य नियामक हर बस में इंजन-बे अग्निशमन प्रणाली लागू हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में भी आपातकालीन सुरक्षा मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाने की जरूरत है। अग्निरोधी सामग्री, आपातकालीन निकासों की अनिवार्यता और ड्राइवर प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जब तक

सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया जाएगा और नियामक संस्थाएं बस ऑपरेटरों को जवाबदेह नहीं ठहराएंगी, तब तक भारत की सड़कें यात्रियों के लिए 'चलते-फिरते खतरे' बनी रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

फ्लोरिडा में जेटब्लू विमान की आपातकालीन लैंडिंग, कई यात्री अस्पताल में भर्ती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में गुरुवार को एक बड़ा विमान हादसा टल गया। दरअसल, मैक्सिको से अमेरिका जा रहा जेटब्लू एयरलाइंस का विमान ने गुरुवार को उड़ान के दौरान अचानक ऊंचाई से तेज गिरावट का सामना किया। इसके बाद फ्लाइट को अमेरिका के फ्लोरिडा में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान कई यात्री घायल हो गए। इन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया है कि कैंकून से न्यूअर्क जा रहा जेटब्लू का एयरबस ए320 विमान स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब दो बजे टैम्पा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। अमेरिकी विमानन नियामक संस्था एफएए ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अब तक यह साफ नहीं है कि इस घटना में कुल कितने लोग घायल हुए और उनकी चोट कितनी गंभीर है। हालांकि, हवाई यातायात से जुड़े ऑडियो में पायलट को कहते सुना गया, फ्रकम से कम तीन यात्री घायल हैं, एक के सिर पर चोट आई है।फ्र हवाई अड्डे पर ही चिकित्सा अधिकारियों ने यात्रियों और चालक दल का चिकित्सीय परीक्षण किया गया और कुछ लोगों को आगे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जेटब्लू ने इस घटना पर बयान जारी कर कहा कि विमान को सेवा से हटा दिया गया है और गिरावट के कारणों की पूरी जांच की जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यूक्रेनी ऊर्जा ग्रिड पर रूस का हमला, पूरे देश में बिजली गुल

कीव, एजेंसी। रूस ने रातोंरात यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड (ढांचे) पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार कर दी। इससे देश भर में बिजली आपूर्ति बाधित हुई और सात साल की एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 घायल हो गए। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने आरोप लगाया कि कड़ाके की ठंड के मौसम में वह यूक्रेनी लोगों और बिजली आपूर्ति को निशाना बना रहा है। वह बोले, इसका लक्ष्य यूक्रेन को अंधकार में धकेलना है और हमारा लक्ष्य प्रकाश को बचाना है।

नेपाल : अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटक बचाए गए

काठमांडू , एजेंसी। भारी बर्फबारी के कारण नेपाल के अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। ये सभी पर्यटक पिछले सोमवार रात से हुई लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण ट्रेकिंग रूट बंद होने से फंस गए थे। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और नेपाल पुलिस के जवानों की एक बचाव टीम ने स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से 4,190 मीटर की ऊंचाई से इन सभी लोगों को सुरक्षित नीचे अन्नपूर्णा ग्रामीण नगरपालिका तक पहुंचाया। अब ये सभी स्थानीय लॉज में ठहरे हुए हैं और सभी स्वस्थ बताए जा रहे हैं। इनके स्वास्थ्य की जांच की गई है। हालांकि, खराब मौसम के कारण अभी उनका घर लौटना संभव नहीं है।

इस्राइली विदेश मंत्री गिदोन सार 4 नवंबर को आएंगे भारत

येरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया के गाजा में जारी तनाव के बीच इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार 4 नवंबर को दिवसीय दौरे पर भारत आएंगे। इस दौरान गिदोन पीएम नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। जयशंकर और गिदोन के बीच इसी साल फरवरी में म्यूनिख में हुए सुरक्षा सम्मेलन के बाद यह दूसरी मुलाकात होगी। मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी। खासतौर पर हूती विद्रोहियों की ओर से समुद्री व्यापार मार्ग पर हमले से निपटने और इस्राइल में कामगारों की कमी पर बात होगी।

भारत-अमेरिका के बीच ऐतिहासिक समझौता, दोनों देशों में 10 साल के रक्षा सहयोग ढांचे पर बनी सहमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच एक 10 वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों के लिए इसे अहम समझौता बताया जा रहा है। अमेरिका के युद्ध मंत्री ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा कि दोनों देशों के रक्षा संबंध इतने मजबूत कभी नहीं रहे। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनकी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात हुई और एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा।

हिंदू पत्नी को छोड़ देंगे अमेरिकी उपराष्ट्रपति? भारतीय मूल की छात्रा ने उड़ाईं वेंस की धज्जियां, तीखी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के एक साधारण से लगने वाले बयान ने सोशल मीडिया पर बखेड़ा खड़ा कर दिया है। मिसिसिपी विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान, जब एक छात्रा ने उनकी हिंदू पत्नी ऊषा वेंस के धर्म के बारे में सवाल पूछा, तो वेंस ने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि ऊषा एक दिन ईसाई धर्म को अपना लेगी। यह बयान न सिर्फ उनके वैवाहिक जीवन पर सवाल खड़े कर रहा है, बल्कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की राजनीति को भी नया मोड़ दे रहा है। क्या वेंस अपनी महत्वाकांक्षाओं के लिए अपनी पत्नी को त्याग देंगे? यह सवाल अब अमेरिकी मीडिया, सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में गूंज रहा है, जहां धार्मिक असहिष्णुता, नस्लवाद और क्रिश्चियन फर्स्ट लेडी की मांग जैसी बहसें तेज हो गई हैं।

वेंस बोले- उम्मीद है एक दिन उनकी हिंदू पत्नी उषा ईसाई धर्म अपना लेंगी : अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने उम्मीद जताई कि एक दिन उनकी हिंदू पत्नी उषा वेंस कैथोलिक चर्च से प्रभावित होकर ईसाई धर्म अपना लेंगीं। मिसीसिपी के कार्यक्रम में एक भारतवंशी महिला ने उनसे पूछा था कि क्या ऊषा कभी ईसा मसीह के पास आएंगी? इस पर वेंस ने जवाब दिया कि वे अब ज्यादातर रविवार को उनसे साथ चर्च जाती हैं। वे चाहते हैं कि एक दिन उनकी पत्नी भी उसी वजह से चर्च जाएं जिस वजह से वे चर्च जाते हैं। वेंस ने कहा कि वे ईसाई धर्म पर यकीन रखते हैं और उन्हें यकीन है कि उनकी पत्नी भी इस पर यकीन करेंगी। वेंस ने यह भी कहा कि उनकी पत्नी का दूसरे धर्म में यकीन रखना उनके लिए कोई समस्या पैदा नहीं करता। जेडी वेंस ने 2019 में कैथोलिक धर्म अपनाया था। वे इससे पहले खुद को नास्तिक मानते थे। वेंस और उनकी पत्नी की शादी 2014 में हुई थी। वेंस के 3 बच्चें (2 बेटे और 1 बेटी) हैं। इन्हें ईसाई तरीके से पाला गया है। वे एक ईसाई स्कूल में भी पढ़ते हैं।

जेडी वेंस-ऊषा वेंस: एक हिलबिली और हिंदू की प्रेम कहानी : जेडी वेंस और ऊषा चिलुकुरी की मुलाकात 2013 में येल लॉ स्कूल में हुई थी। वेंस हिलबिली एलेजी किताब के लेखक हैं। अमेरिका में हिलबिली शब्द का इस्तेमाल ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्रों के श्वेत लोगों के लिए होता। यह किताब गरीबी और संकटग्रस्त अमेरिकी परिवारों और संस्कृति पर केंद्रित हैं, जिसमें ग्रामीण केंटकी से ओहियो के एक औद्योगीकृत शहर में आए एक परिवार की कहानी बताई गई है। वेंस एक श्वेत अमेरिकी हैं जिनका बचपन ओहियो के गरीबी और अस्थिर परिवार में बीता। वहीं ऊषा की बात करें तो वे कैलिफोर्निया में जन्मी भारतीय-अमेरिकी तेलुगु मूल की हैं। उनके माता-पिता राधाकृष्णा और लक्ष्मी चिलुकुरी भारत से अमेरिका आए थे। ऊषा ने हमेशा अपनी हिंदू जड़ों पर गर्व किया। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरे माता-पिता का हिंदू धर्म उन्हें इतना अच्छा इंसान बनाता है। दोनों ने 2014 में शादी की, जिसमें ईसाई और हिंदू दोनों रस्में शामिल थीं। वेंस ने पहले ऊषा की आस्था को अपनी जिंदगी का संदर्भ बताया था। 2024 के चुनाव अभियान में, उन्होंने कहा कि ऊषा की हिंदू अनुशासन ने उन्हें ईसाई धर्म की ओर लौटने में मदद की। वेंस खुद 2019 में कैथोलिक बने थे, लेकिन ऊषा हमेशा हिंदू रहीं। तीन बच्चों को वे ईसाई परंपराओं में पाल रहे हैं। वेंस के मुताबिक दो बच्चे ईसाई स्कूल में पढ़ते हैं। ऊषा अक्सर वेंस के साथ चर्च जाती हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कहा है, मैं अपनी पारिवारिक आस्था नहीं छोड़ूंगी। ऊषा वेंस अमेरिकी इतिहास की पहली एशियन-अमेरिकी और हिंदू सेकंड लेडी बनीं। जनवरी 2025 में वेंस के उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद, उन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता से सबको प्रभावित किया। एक वकील के रूप में, वे सुप्रीम कोर्ट में क्लर्क रह चुकी हैं। लेकिन राजनीति ने उनके वैवाहिक जीवन को जटिल बना दिया। विवाद का केंद्रः टर्निंग पॉइंट यूएसए इवेंट 29 अक्टूबर को, मिसिसिपी के ऑक्सफोर्ड में टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में वेंस ने चार्ली किर्क की विधवा एरिका किर्क के साथ चर्चा की। चार्ली किर्क टर्निंग पॉइंट यूएसए के संस्थापक थे जिनकी हाल ही में हत्या कर दी गई थी। इस कार्यक्रम के दौरान एक छात्रा ने पूछा, आपकी पत्नी हिंदू हैं, जबकि आप ईसाई। आपके बच्चे ईसाई हैं- क्या आप चाहते हैं कि ऊषा भी धर्म परिवर्तन करें?

इस पर वेंस ने जवाब दिया, जब हम मिले, तो हम दोनों नॉट पर्टिकुलरली रिलिजियस थे। ऊषा का परिवार हिंदू था, लेकिन बहुत धार्मिक नहीं। अब, अधिकांश रविवार को ऊषा मेरे साथ चर्च जाती हैं। मैं आशा करता हूं कि वह भी ईसाई धर्म से प्रभावित हो जाएं, जैसे मैं हुआ। लेकिन अगर नहीं, तो भगवान ने फ्री विल दी है। यह बयान वायरल हो गया। वेंस ने ऊषा को एग्नॉस्टिक बताया, जबकि ऊषा ने खुद को प्रैक्टिसिंग हिंदू कहा है। सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई।

एपस्टीन कांड में घिरे प्रिंस एंड्र्यू से छिन जाएगी शाही उपाधि, क्या है विवाद और कौन से हक छिनेंगे

लंदन, एजेंसी। किंग चार्ल्स तृतीय के छोटे भाई एंड्रयू कई तरह के विवादों में घिरे हैं। एंड्रयू से अब प्रिंस की उपाधि छिन जाएगी और उन्हें विंडसर कैसल परिसर में बने अपने घर रॉयल लॉज से भी बाहर जाना होगा। बकिंघम पैलेस ने गुरुवार को इस बात की घोषणा की। बकिंघम पैलेस की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब कुछ दिन पहले ही एंड्रयू (65 वर्षीय) ने अपनी शाही उपाधि ड्यूक ऑफ यॉर्क और बाकी सभी शाही सम्मान भी छोड़ने का फैसला किया है। यह फैसला किंग चार्ल्स से चर्चा के बाद लिया गया था। एंड्रयू का नाम अमेरिकी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़ने के कारण लगातार विवादों में रहा था। हालांकि, विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा था। ब्रिटेन के सांसदों ने भी हाल ही में इस बात पर बहस की कि एंड्रयू को आम लोगों की तुलना में शाही घर में रहने के लिए बहुत कम किराया देना पड़ता है।

एंड्रयू को अब रॉयल लॉज में रहने की अनुमति नहीं : बकिंघम पैलेस ने अपने बयान में कहा, आज महामहिम ने प्रिंस एंड्रयू की उपाधि, सम्मान और सभी शाही अधिकार औपचारिक रूप से वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब एंड्रयू को एंड्रयू माउंटबेटेन विंडसर के नाम से जाना जाएगा। एंड्रयू को अब रॉयल लॉज में रहने की अनुमति नहीं रही। अब उन्हें वह घर छोड़कर किसी निजी मकान में रहना होगा। पैलेस ने कहा कि यह फैसला जरूरी है, भले ही एंड्रयू अब भी अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को नकारते हैं। बयान में कहा गया कि महामहिम राजा और रानी यह साफ करना चाहते हैं कि उनका पूरा समर्थन और सहानुभूति उन सभी पीड़ितों और जीवित बचे लोगों के साथ है, जिन्होंने किसी भी तरह के अत्याचार का सामना किया है। एंड्रयू पहले ही हिज रॉयल हाइनेस की उपाधि का इस्तेमाल बंद कर चुके हैं और पांच साल पहले ही उन्होंने सार्वजनिक जीवन से दूरी बना ली थी। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने घोषणा की थी कि वह अपनी बाकी सभी शाही उपाधियां भी छोड़ देंगे। हालांकि उन्होंने फिर से सभी आरोपों से इनकार किया। एंड्रयू दिवंगत क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के पुत्र हैं। परंपरागत रूप से उन्हें प्रिंस की उपाधि मिली थी, जैसा कि 1917 में किंग जॉर्ज पंचम की ओर से जारी आदेश में तय किया गया था।

नासा ने सफलतापूर्वक किया सुपरसोनिक विमान का परीक्षण, व्यवसायिक उड़ान उद्योग में आ सकता है बड़ा बदलाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा कम आवाज करने वाला सुपरसोनिक विमान बनाने के और करीब पहुंच गई है। हाल ही में नासा ने सुपरसोनिक जेट विमान का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। ये विमान आवाज की गति से उड़ान भरता है और खास बात ये है कि इसकी आवाज भी आम सुपरसोनिक विमानों से काफी कम है। अगर सबकुछ सही रहता है तो इससे व्यवसायिक उड़ान यात्रा में बड़ा बदलाव हो सकता है। इस सुपरसोनिक विमान का निर्माण नासा और अमेरिकी हथियार और एयरोस्पेस निर्माता कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने मिलकर किया है। बीते मंगलवार को इसकी दक्षिणी कैलिफोर्निया के रेगिस्तान के ऊपर सफल परीक्षण उड़ान हुई। गौरतलब है कि 1940 के दशक से ही विमान सुपरसोनिक गति से उड़ान भरने में सक्षम रहे हैं। लेकिन इन सुपरसोनिक विमानों की बहुत तेज आवाज के चलते व्यवसायिक यात्रा के लिए इन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। दरअसल इन विमानों की तेज आवाज डरावना सोनिक बूम पैदा करती है, जिससे लोग परेशान होते हैं और कई बार लोग डर भी जाते हैं। यही वजह रही कि सुपरसोनिक विमानों को प्रतिबंधित कर दिया गया। ब्रिटिश एयरवेज और एयर फ्रांस के सुपरसोनिक विमान कॉनकॉर्ड ने 1970 के दशक में अटलांटिक के ऊपर उड़ानें शुरू कीं। लेकिन तीन साल पहले हुई एक दुर्घटना के बाद और इसकी महंगी सेवा की मांग कम होने के कारण साल 2003 में उन्हें रोक दिया गया। अगर नासा और लॉकहीड मार्टिन सुपरसोनिक विमानों के शोर को कम करने में सफल हो जाते हैं, तो इन सुपरसोनिक विमानों से न्यूयॉर्क शहर और लॉस एंजिल्स के बीच यात्रा के समय लगभग आधा हो सकता है, जिससे व्यवसायिक हवाई यात्रा उद्योग में बड़े बदलाव होंगे। नासा और लॉकहीड मार्टिन द्वारा बनाया गया सुपरसोनिक विमान एक्स-59 आवाज की गति से भी तेज उड़ने में सक्षम है। लॉ मंगलवार को टेस्ट फ्लाइट में विमान की आवाज काफी धीमी रही। इस उड़ान का मकसद विमान की संरचनात्मक मजबूती का भी परीक्षण करना था। यह विमान परीक्षण उड़ान में लॉस एंजिल्स से लगभग 60 मील उत्तर में पामडेल में लॉकहीड मार्टिन के एक परिसर से उड़ा और रेगिस्तान के ऊपर से गुजरते हुए।

गर्लफ्रेंड की परफॉर्मेंस देखने सरकारी जेट से पहुंचे एफबीआई चीफ काश पटेल, जमकर हो रही आलोचना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल एक बार फिर से विवादों में हैं। इस बार मामला उनकी प्रेमिका से जुड़ा हुआ है। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि पेंनसिल्वेनिया में एक कुश्ती मैच के दौरान अपनी गर्लफ्रेंड की गायकी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए काश पटेल ने सरकारी जेट का उपयोग किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कथित एफबीआई जेट पहले नैशविले गया था, जहां पर पटेल की प्रेमिका रहती हैं। काश पटेल के खिलाफ यह दावा एफबीआई के पूर्व एजेंट काइल सेराफिन ने किया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर लिखा कि पटेल, रियल अमेरिकन फ्री स्टाइल कुश्ती में अपनी प्रेमिका एलेक्सिस विल्किंस की सिंगिंग को देखने के लिए 60 मिलियन डॉलर के

एफबीआई जेट से पहुंचे थे।

आलोचक ने काश पटेल के अंदाज में लिखा पोस्ट : सोशल मीडिया बायो में अपने आप को पूर्व एफबीआई एजेंट बताने वाले सेराफिन ने कहा कि पटेल की यह यात्रा सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का एक हिस्सा है। उन्होंने काश पटेल और उनकी गर्लफ्रेंड की फोटो को पोस्ट करते हुए एफबीआई निदेशक के अंदाज में लिखा, ÷प्रिय एफबीआई कर्मचारियों, मुझे खेद है कि सरकार से धन नहीं मिल रहा है, इसलिए आपको वेतन नहीं मिलेगा। सौभाग्य से, इससे वास्तविक अमेरिकी फ्रीस्टाइल कुश्ती नहीं रुकती! इसलिए मैं एफबीआई जेट से स्टेट कॉलेज, पीए गया, अपनी प्रेमिका के साथ समय बिताया, और फिर नैशविले के लिए उड़ान भरी, जहां वह रहती है, आपका काश! प्रेमिका के साथ सरकारी विमान से घूम रहे थे काश पटेलः रिपोर्ट्स गौरतलब है कि ट्रंप की टीम का हिस्सा भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक और एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल अपनी प्रेमिका के साथ इस कार्यक्रम में मौजूद थे। यहां से उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें भी शेयर की थीं। इस कार्यक्रम की शुरुआत में काश पटेल की प्रेमिका विल्किंस ने एक सिंसिंग प्रस्तुति भी दी थी। द इंडिपेंडेंट के अनुसार, न्याय विभाग में रजिस्टर्ड एक जेट विमान ने 25 अक्तूबर को वर्जीनिया के मानसास क्षेत्रीय हवाई अड्डे से स्टेट कॉलेज क्षेत्रीय हवाई अड्डे तक लगभग 40 मिनट की उड़ान भरी। लगभग ढाई घंटे बाद, जेट विमान स्टेट कॉलेज से नैशविले के लिए रवाना हुआ, जहाँ विल्किंस रहती हैं। एफबीआई नीति के तहत, निदेशक को सुरक्षा कारणों से आधिकारिक विमान का उपयोग करना आवश्यक है, लेकिन किसी भी व्यक्तिगत यात्रा के लिए उसे बाजार के रेट पर सरकार को इसका भुगतान करना होगा।

ट्रंप प्रशासन ने अश्वेतों के आंदोलन पर तेज की जांच, धांधली के आरोपों की पड़ताल कर रहा है न्याय विभाग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का न्याय विभाग जांच कर रहा है कि क्या ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के नेता 2020 में प्रदर्शन के दौरान दान देने वालों से मिले करोड़ों डॉलर का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। आंदोलन से परिचित कई लोगों ने यह जानकारी दी।

कई संगठनों को कानूनी नोटिस और वारंट : पिछले कुछ हफ्तों में संघीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने ब्लैक लाइव्स मैटर ग्लोबल नेटवर्क फाउंडेशन और अन्य ब्लैक-नेतृत्व वाली संस्थाओं के खिलाफ कानूनी नोटिस और एक तलाशी वारंट जारी किया। ये संगठन 2020 में नस्लीय अन्याय के खिलाफ राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल थे। यह स्पष्ट नहीं है कि इस जांच का परिणाम आपराधिक मामला बनकर सामने आएगा या नहीं, लेकिन इसकी वजह से आंदोलन पर फिर से लोगों का ध्यान में आ गया है।

बाइडन प्रशासन में शुरू हुई थी जांच : यह जांच ऐसे समय में हो रही है, जब हाल ही में नागरिक अधिकार समूहों ने चिंता जताई है कि ट्रंप प्रशासन उन प्रगतिशील और वामपंथी समूहों को निशाना बना सकता है, जो उसकी आलोचना करते हैं। इनमें ब्लैक लाइव्स मैटर, ट्रांसजेंडर अधिकार आंदोलन और आईसीई विरोधी प्रदर्शनकारी शामिल हैं। न्याय विभाग के प्रवक्ताओं ने गुरुवार को इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। एक सूत्र ने बताया कि यह जांच बाइडन प्रशासन के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब ट्रंप प्रशासन में इसे नए सिरे से शुरू किया जा रहा है। दूसरे सूत्र ने पुष्टि की कि बाइडन प्रशासन के समय भी आरोपों की समीक्षा की गई थी।

संगठन पर छह मिलियन डॉलर की संपत्ति खरीदने का आरोप : फाउंडेशन ने कहा कि जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद उन्हें 2020 में 90 मिलियन डॉलर से अधिक दान प्राप्त हुआ। आलोचकों ने आरोप लगाया कि संगठन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह रकम कैसे खर्च की गई। आलोचना तब और बढ़ गई जब 2022 में फाउंडेशन के नेताओं ने पुष्टि की कि उन्होंने दान से लॉस एंजिल्स क्षेत्र में छह मिलियन डॉलर का संपत्ति खरीदी, जिसमें छह बेडरूम और बाथरूम वाला घर शामिल है।

इन नेताओं ने पहले किसी गलत काम से इनकार किया और सार्वजनिक रूप से कर दस्तावेज जारी किए। अब फाउंडेशन के नेताओं को कानूनी नोटिस मिले हैं। फाउंडेशन ने बयान में कहा कि वह किसी भी संघीय आपराधिक जांच का निशाना नहीं है। उन्होंने कहा, हम ब्लैक समुदायों के लिए बेहतर भविष्य बनाने में संसाधनों की जिम्मेदार देखभाल, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

नीदरलैंड्स के पीएम बन सकते हैं समलैंगिक रॉब जेटन

एम्सटर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड्स में सेंट्रिस्ट लिबरल डेमोक्रेट्स 66 पार्टी के नेता रॉब जेटन अगले पीएम बन सकते हैं। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, उनकी पार्टी को करीब 30 सीटें मिल सकती हैं, जो कट्टर दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की पार्टी फॉर फ्रीडम के बराबर है। अगर यह एग्जिट पोल असल आंकड़ों में बदलते हैं तो 38 साल के रॉब देश के सबसे युवा और पहले ओपनली गे (खुले तौर पर समलैंगिक) पीएम भी बनेंगे। जेटन की अगले साल उनके मंगेतर निकोलस कीनन से शादी होने वाली है। निकोलस अर्जेंटीना की पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी हैं। यह रिजल्ट गीर्ट वाइल्डर्स के लिए बड़ा झटका होगा। उन्होंने अपना चुनावी कैंपेन मुस्लिम अप्रवासियों, समलैंगिकों और जलवायु परिवर्तन की नीतियों के खिलाफ चलाया था। 2022 में नूपुर शर्मा ने जब पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान दिया था, तब गीर्ट वाइल्डर्स ने खुलकर उनका समर्थन किया था।

टिकटॉक वीडियो वायरल हुआ तो फेमस हुए : साल 2021 में, जेटन और उनके एक साथी डच राजनेता के बीच का एक ब्रोमांस वाला ट्रेंडिंग वीडियो टिकटॉक पर बहुत वायरल हुआ था। इसमें दोनों नेता एक दूसरे के साथ मस्ती करते, हंसते और डांस करते दिखे थे। वीडियो वायरल होने के बाद रॉब जेटन युवाओं के बीच मशहूर हो गए। उसी दौरान जेटन की मुलाकात हॉकी प्लेयर निकोलस कीनन से हुई। कीनन अर्जेंटीना की नेशनल टीम में खेलने के अलावा यूरोपीय लीग में भी खेलते हैं। कीनन ने एक सुपरमार्केट में जेटन को पहचान लिया और वहीं से बातचीत शुरू

हुई। जेटन ने बाद में एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें नहीं पता था कि एक टिकटॉक ट्रेंड से उनकी जिंदगी इतनी बदल जाएगी। पिछले साल नवंबर 2024 में दोनों की सगाई हुई। जेटन ने अपने चुनावी कैंपेन में पॉजिटिव मैसेजिंग पर जोर दिया था। उनका इलेक्शन स्लोगन हां, हम कर सकते हैं काफी फेमस हुआ था। उन्होंने आवास संकट, हेल्थकेयर खर्च, माइग्रेशन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर फोकस किया। जेटन ने कहा- हमने दिखा दिया कि पॉपुलिस्ट और एक्सट्रीम-राइट को हराना संभव है। लाखों डच लोगों ने नेगेटिव पॉलिटिक्स को नकार दिया और आगे बढ़ने का रास्ता चुना। आवास संकट से निपटने के लिए जेटन ने 10 नए शहर बनाने, हर साल 2 अरब यूरो खर्च करने और 1 लाख घर बनाने का वादा किया है। रॉब जेटन का जन्म 1987 में हुआ था। वे डी66 पार्टी के लीडर हैं, जो प्रोग्रेसिव और लिबरल विचारों वाली पार्टी है। जेटन ने अपनी राजनीतिक शुरुआत 2017 में सांसद बनकर की। 2022 से 2024 तक वे जलवायु और ऊर्जा मंत्री रहे। जनवरी 2024 से जुलाई 2024 तक डिप्टी पीएम भी रहे। पहले उन्हें रोबोट जेटन कहा जाता था क्योंकि वे कैमरे के सामने बोलने में थोड़े अटकने लगते थे, लेकिन इस बार उन्होंने इमेज चेंज की और लोगों से कनेक्ट किया।

इस्लामाबाद-काबुल के बीच सुलह की कोशिश, छह नवंबर को फिर होगी उच्च-स्तरीय बैठक

अंकारा, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी तनाव को कम करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता के बाद दोनों देशों ने युद्धविराम बनाए रखने पर सहमति जताई है। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इस समझौते की घोषणा की और कहा कि बातचीत में कतर और तुर्की ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देश 6 नवंबर को फिर से इस्तांबुल में उच्च-स्तरीय बैठक करेंगे, जहां युद्धविराम लागू करने की रूपरेखा पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बयान में कहा गया सभी पक्ष एक निगरानी और सत्यापन तंत्र पर सहमत हुए हैं, जिससे शांति बनाए रखने और उल्लंघन करने वाले पक्ष पर दंड लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

सीमा पर तनाव और वार्ता की पृष्ठभूमि : हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ गया था। दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुई गोलीबारी में दर्जनों सैनिकों और नागरिकों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद तुर्की और कतर ने दोनों पक्षों को बातचीत के लिए एक बार फिर टेबल पर लाने का प्रयास किया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने बताया कि कतर और तुर्की के आग्रह पर पाकिस्तान ने शांति प्रक्रिया को एक और मौका देने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की मुख्य मांग है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए न होने दे।

दोनों देशों के बीच विवाद की जड़ : इस महीने की शुरुआत में काबुल में हुए विस्फोटों के बाद अफगान तालिबान सरकार ने पाकिस्तान पर हवाई हमलों का आरोप लगाया था। अफगान पक्ष का कहना था कि पाकिस्तान ने उसके पूर्वी बाजार पर भी बमबारी की, जिसमें कई नागरिक मारे गए। इसके जवाब में, अफगान बलों ने

पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की और दावा किया कि 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। हालांकि पाकिस्तान ने इस दावे को खारिज किया और कहा कि उसके 23 सैनिक मारे गए और अभियान आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया गया था।

कतर और तुर्की की मध्यस्थता से लौटी उम्मीदें : तनाव बढ़ने के बाद 19 अक्टूबर को कतर में हुई आपात वार्ता के दौरान युद्धविराम की घोषणा की गई थी। इसके बाद इस्तांबुल में चार दिन तक चली वार्ता मंगलवार को बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हुई थी, लेकिन अब दोनों देशों ने फिर से बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने पेशावर में कहा कि पाकिस्तान अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांति चाहता है, लेकिन अफगान धरती से होने वाले आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में संयम बरता है और संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कूटनीतिक और आर्थिक प्रयास किए हैं, लेकिन अफगान तालिबान ने इसके बजाय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को समर्थन दिया है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने गुरुवार को बताया कि बलोचिस्तान में दो अभियानों में 18 आतंकियों को मार गिराया गया, जबकि बाजौर शहर में चार पाकिस्तानी तालिबान लड़ाके मारे गए, जिनमें एक हाई-वैल्यू टारगेट भी शामिल था। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस्तांबुल वार्ता से स्थायी युद्धविराम का ढांचा तैयार हो जाता है, तो यह दक्षिण एशिया में स्थिरता की दिशा में एक बड़ी सफलता साबित होगी।

डंकी रूट से विदेश जाने के चक्कर में बेची भूमि विवाद में जांच, 13 शिकायतों का निपटारा

एजेंसी
सोनीपत। सोनीपत जिला परिषद हॉल में उपायुक्त सुशील सारवान की अध्यक्षता में जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में 16 शिकायतों की सुनवाई की गई, जिनमें से 13 का मौके पर ही समाधान हो गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ममता सिंह सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। तेजबीर, निवासी गांव महमूदपुर माजरा, ने शिकायत की कि उसकी जमीन धोखे से बेची गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसने डंकी रूट से विदेश जाने की प्रक्रिया के दौरान भूमि बेची थी। हालांकि शिकायतकर्ता ने कहा कि परिजनों ने उसकी कम उम्र का फायदा उठाकर सौदा कराया और उसे पैसे नहीं दिए। इस पर पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिए कि पैसे के लेनदेन की जांच कर शीघ्र रिपोर्ट सौंपी जाए। धर्मबीर सिंह निवासी गांव नाहरा ने बताया कि दबंगों ने उसकी खेती योग्य भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है। उपायुक्त ने तहसीलदार को निर्देश दिए कि वे मौके पर जाकर एसएचओ के साथ मिलकर जमीन की सीमांकन रिपोर्ट तैयार करें और समाधान करें। नुपुर बंसल ने सोशल मीडिया पर परेशान किए जाने की शिकायत दी, जिस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारी को जिला न्यायवादी से विचार-विमर्श कर उचित कार्रवाई करने को कहा।

51 करोड़ की लागत से हर घर को मिलेगा स्वच्छ जल

जींद। जुलाना में 51 करोड़ की लागत से पेयजल किल्लत से लोगों को छुटकारा मिलेगा। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा पाईपलाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया। पहले चरण में करीब 6.5 करोड़ की लागत से नई पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू हुआ है। 51 करोड़ की लागत से यह काम अगले कुछ महीनों में पूरा होगा। कार्यक्रम की शुरूआत को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में जुलाना से भाजपा प्रत्याशी रहे कैप्टन योगेश बैरागी ने शिरकत की। कैप्टन योगेश बैरागी ने पाइन लाइन बिछाने के कार्य का शिलान्यास किया। कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि जुलाना की सभी समस्याओं को समाधान किया जा रहा है। कस्बे के लोगों को पेयजल किल्लत से होकर गुजरना पड़ रहा था। नई पाइप लाइन बिछाने से कस्बे के लोगों को बहूत सुविधा मिलेगी और हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचेगा। भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास नीति के तहत हर वर्ग का एक समान विकास करवा रही है। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकारी सुविधा पहुंचाना ही सरकार की प्राथमिकता है। इस मौके पर जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ सतीश कुमार नैन, मार्केट कमेटी चेयरमैन मनोज कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

झज्जर पुलिस ने होटलों की जांच संचालकों को दी हिदायतें

झज्जर। होटलों को अपराधियों की पनाहगाह न बनने देने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चला कर शहर के होटलों में चेकिंग की। पुलिस ने होटल ऑन के रिकॉर्ड की जांच की और होटल प्रबंधकों व कुछ यात्रियों से भी पूछताछ की। कई होटलों में कुछ अनियमितताएं मिली। जिस पर पुलिस ने होटल प्रबंधकों को नियम अनुसार व्यवसाय करने के लिए कड़ी चेतावनी दी। एसीपी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि झज्जर शहर के होटलों की जांच की गई। दूसरे जिलों या राज्य से अपराध करके भागे अपराधी शरण के लिए छोटे गेस्ट हाउस में छिप सकते हैं। यदि यहां सतर्कता बरती जाए जो अपराधियों को पकड़ना आसान हो जाता है। इसलिए संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने के लिए होटलों की जांच की गई। इस दौरान एसीपी सुरेन्द्र कुमार ने सभी होटल संचालकों को कम से कम 30 दिन बैकअप वाले अच्छी क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए कहा। साथ ही आगंतुकों की सही आईडी, मोबाइल नंबर, वाहन का नंबर, साथ आने वालों की सही जानकारी और उनकी आईडी सभी का रिकार्ड रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि किसी होटल में अगर कोई विदेशी आकर रूकता है तो उसके लिए ऑनलाइन सी फॉर्म भरना बहुत जरूरी है। उन्होंने होटल संचालकों को सुरक्षा संबंधी मापदंड पूरे करने के लिए भी कहा है। इस दौरान होटल में काम करने वाले कर्मचारियों की पुलिस वेरिफिकेशन करवाने व रुकने वाले व्यक्तियों का रजिस्टर में पूरा विवरण लिखने बारे निर्देश भी दिए गए।

खारिया में शराब ठेका खोलने का विरोध, महिलाओं ने शुरू किया धरना

हिसार। जिले के गांव खारिया व डोभी गांवों के पास नया शराब ठेका खुलने का विरोध शुरू हो गया है। गांव की महिलाओं ने शराब ठेके के खिलाफ धरना शुरू करते हुए ठेके को तुरंत बंद करने की मांग उठाई। उनका कहना है कि यहां पर शराब ठेका होने से महिलाओं, खासकर विद्यार्थियों व छात्राओं को परेशानी होगी। धरना दे रही महिलाओं संतोष, गुड्डी, लीला और कल्पना आदि ने बताया कि यह शराब ठेका डोभी और खारिया गांवों से लगभग 10 एकड़ की दूरी पर खोला गया है। उनका कहना है कि वर्षों से इस स्थान पर कोई शराब ठेका नहीं था। महिलाओं का आरोप है कि ठेके पर शराब पीने वाले लोग लड़कियों और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं, जिससे आसपास के ढाणी निवासियों और ग्रामीणों को परेशानी होती है। इस मामले में ठेकेदार राजेंद्र का कहना है कि उन्होंने निर्धारित शुल्क जमा करके विभाग से अनुमति लेकर ठेका खोला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह ठेका खारिया गांव की जमीन पर है और डोभी से डेढ़ किलोमीटर दूर है। ठेकेदार ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कोई भी शराबी गलत व्यवहार नहीं करता और यह सब एक साजिश के तहत महिलाओं को आगे करके किया जा रहा है।

खेड़कीदौला टोल पचगांव के पास शिफ्ट करने में आवागमन का ध्यान रखें: राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी
गुरुग्राम। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पंचगांव चौक पर निर्माणाधीन टोल प्लाजा के विषय में एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एनएचएआई के अधिकारी पंचगांव के पास टोल प्लाजा को शिफ्ट करने की प्रक्रिया में स्थानीय ग्रामीणों के सुगम आवागमन और प्रमुख मार्गों पर उनकी सीधी कनेक्टिविटी का विशेष ध्यान रखें। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन और एनएचएआई द्वारा टोल प्लाजा के लिए चिन्हित स्थल का नक्शा भी देखा। राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि सहरावन और पंचगांव के बीच चिन्हित स्थान राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा संवेदनशील क्षेत्र है। जिसको लेकर संबंधित अधिकारियों ने कुछ आपत्तियां दर्ज कराई हैं। उन्होंने एनएचएआई को निर्देश दिया कि इन आपत्तियों पर विचार करते हुए उनके निवारण या

वैकल्पिक स्थान की दिशा में आगे बढ़ा जाए। केंद्रीय मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि इस विषय में विस्तृत खाका तैयार कर मंगलवार तक उनके कार्यालय में प्रस्तुत करें, ताकि केंद्रीय स्तर पर समन्वय बैठक आयोजित की जा सके। बैठक में राव इंद्रजीत सिंह ने सुझाव दिया कि गुरुग्राम-पटौदी-रेवाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग (352डी) के निर्माण पूरा होने के बाद ही फ्लाईओवर निर्माण प्रक्रिया शुरू की जाए। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर यातायात दबाव कम होगा और जनता को असुविधा से राहत मिलेगी। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि किसी भी विकास योजना का उद्देश्य तभी सार्थक माना जाएगा, जब उसका सीधा लाभ स्थानीय नागरिकों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि योजनाएं केवल निर्माण या ढांचे तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें लोगों की सुविधा और क्षेत्र की सुरक्षा का समुचित समावेश होना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी परियोजना पर निर्णय लेने से पहले ग्रामीणों की आवश्यकताओं, यातायात की सहजता और भविष्य में क्षेत्र के औद्योगिक विस्तार पर उसके प्रभाव का संतुलित मूल्यांकन किया जाए। बैठक में प्रधान सलाहकार (शहरी विकास) डी.एस. ढेसी, डीसी अजय कुमार, एसडीएम मानेसर दर्शन यादव, एचएसआईआईडीसी के एजीएम राजीव गोयल, एनएचएआई के प्रोजेक्ट निदेशक तिलक राज सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पलवल में एकता व सामाजिक समरसता के साथ मनाई गई पटेल की जयंती

एजेंसी
पलवल। भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जिला के उपमंडल हथीन में राष्ट्रीय एकता दिवस जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन देशभक्ति की भावना के साथ किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, खेल प्रेमियों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। राष्ट्रीय एकता दौड़ को वरिष्ठ नेता मनोज रावत ने झंडी दिखाई। रन फॉर यूनिटी हथीन चुंगी मोड से शुरू होकर लोक निर्माण विभाग पर जाकर समाप्त हुई।कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ नेता मनोज रावत द्वारा भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संकल्प भी दिलाया गया। मुख्य अतिथि मनोज रावत ने कार्यक्रम में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन करते हुए कहा कि रन फॉर यूनिटी का उद्देश्य देश में एकता, भाईचारे और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करना है। दौड़ के माध्यम से युवाओं को यह संदेश दिया गया कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में एकता और सहयोग की भावना को सशक्त करते हैं। इस अवसर पर डीएमसी मनीषा शर्मा, तहसीलदार प्रेम प्रकाश, मार्केट कमेटी के चेयरमैन देवी सिंह डागर, वाइस चेयरमैन राकेश गर्ग, सूरज पांडे, जय सिंह चौहान, पार्षद मोनू, सुखपाल गोला, हेमंत, इतेंद्र, कपिल, धीरज, गोपी,आईटी सेल के मोनू, हरकेश भारद्वाज उपस्थित रहे।

सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता व अखंडता के पुरोधाः ओमप्रकाश धनगढ़

एजेंसी
झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के सचिव ओमप्रकाश धनगढ़ ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल देश की एकता व अखंडता के पुरोधा हैं। वर्तमान भारत के स्वरूप के शिल्पकार हैं। धनखड़ ने यह बात सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर बादली में आयोजित रन फॉर यूनिटी में भागीदारों को संबोधित करते हुए कही।

धनखड़ ने कहा कि अंग्रेजों ने आजादी देते समय देश को 562 रियासतों में विभाजित कर रखा था। सरदार पटेल ने सभी रियासतों को जोड़कर वर्तमान भारत का स्वरूप बनाया। इसलिए आज पूरा देश सरदार पटेल को भावपूर्ण नमन करते हुए राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संकल्प ले रहा है।

उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को समर्पित अनेक कार्यक्रम होंगे। हर जिला में पदयात्राएं निकाली जाएंगी। धनखड़ ने कहा कि हैदराबाद रियासत को 1948 में भारत में शामिल करने पर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया था। आज भी हैदराबादी लोग सरदार पटेल के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं। प्रधानमंत्री बना दिया। देशभर में आज भी चर्चा होती है कि अगर देश के पहले प्रधानमंत्री पटेल होते तो भारत की तस्वीर ही अलग होती। धनखड़ ने हरियाणा के 60वें स्थापना दिवस की

पीएम मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर सरदार पटेल के सपनों को पूरा करने का काम किया है। धनखड़ ने कहा कि आजादी के बाद देश की जनता चाहती थी कि पटेल देश का प्रधानमंत्री बनें। लेकिन कुछ कांग्रेसियों ने मिलकर देश के लोगों की भावनाओं के खिलाफ जाकर नेहरू को देश का प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि पिछले 60 वर्षों में हरियाणा ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। हरियाणा के लोगों ने हांगे को फोकस करना सीख लिया है। अब हरियाणा और तेजी से प्रगति करेगा। अन्न उत्पादन में हमारे किसान, सीमा पर हमारे जवान, खेल मैदान में हमारे खिलाड़ी अग्रणी हैं।

निगम की ओर से तैयार की गई समग्र सफाई योजना स्वागत योग्य : 'सजग'

एजेंसी
हिसार। सामाजिक संस्था 'सजग' ने नगर निगम हिसार द्वारा तैयार की गई समग्र सफाई योजना का स्वागत किया है। संस्था ने कहा है कि यह पहल शहर को स्वच्छता की नई दिशा देगी और हिसार को प्रदेश का रोल मॉडल शहर बनाने में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही सजग ने कुछ सुझाव देते हुए कहा है कि इस योजना को और अधिक प्रभावी एवं परिणामकारी बनाने के लिए एक समन्वित विशेष अभियान चलाया जाए। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष एवं वास्तु कंसल्टेंट सत्य पाल अग्रवाल के अलावा पदाधिकारी रतन बंसल खेड़ा वाले एवं प्रीति मित्तल ने मेयर प्रवीण पोपली से भेंट करइस विषय पर चर्चा की तथा एक विस्तृत सुझाव पत्र सौंपा। पत्र में कहा गया है कि स्वच्छ और बेहतर शहरी जीवन के लिए निगम को रात्रिकालीन सफाई अभियान, सड़क प्रकाश व्यवस्था में सुधार, पेयजल आपूर्ति, मैनहोल मरम्मत, लीकेज नियंत्रण, और संचारी व वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि वाणिज्यिक बड़े नालों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और अवरुद्ध जल निकासी तंत्र की सफाई जैसे कार्यों पर ध्यान केंद्रितकरें। जहाँ आवश्यकता हो, वहां जेसीबी मशीनों की सहायता से भारी गंदगी वाले

क्षेत्रों में रात्रिकालीन सफाई कार्य प्रारंभ किया जाए ताकि बाजार बंद होने के बाद कचरे का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण और नालियों की सफाई सुनिश्चित की जा सके। इससे दिन के समय यातायात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और सफाई कार्य अधिक व्यवस्थित रूप में संपन्न होंगे। उन्होंने कहा कि दिन के समय निगम टीमें क्षेत्रों की सफाई प्राथमिकता से की जाए। अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार का समन्वित प्रयास निगम की समग्र सफाई योजना को सशक्त बनाएगा और हिसार को स्वच्छ, सुंदर, जलभराव-मुक्त और नागरिक सुविधाओं से युक्त शहर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम सिद्ध होगा।

सरदार पटेल का 'एक भारत' का सपना आज भी हर भारतीय के दिल में धड़कता है : नायब सिंह सैनी

एजेंसी
फतेहाबाद। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर फतेहाबाद में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचायत भवन से हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा की और उन्होंने स्वयं भी दौड़ में शामिल होकर एकता का संदेश दिया। एमएम कॉलेज मैदान तक आयोजित दौड़ में लगभग 30 हजार प्रतिभागी शामिल हुए। युवाओं, महिलाओं, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा शहर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलवाई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमारे राष्ट्र की आत्मा को सशक्त करने का दिन है। आज हम सरदार वल्लभभाई

पटेल जी की 150वीं जयंती मना रहे हैं। लौह पुरुष पटेल ने जिस संकल्प, साहस और दूर दृष्टि से भारत को एक सूत्र में पिरोया, वह आज भी प्रेरणा स्रोत है। मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल को याद करते हुए सभी हरियाणा वासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज की यह दौड़ केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और अनुशासन का प्रतीक है। हरियाणा के सभी जिलों में लाखों नागरिक इस राष्ट्रीय संकल्प का हिस्सा बन रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण अनुशासित, जिम्मेदार और जागरूक नागरिकों से होता है। यह दौड़ हमें सहनशीलता, अनुशासन और सामूहिकता का संदेश देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस संकल्प को सरदार पटेल ने आजादी के बाद शुरू किया था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसे आगे बढ़ाते हुए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त कर एक बार फिर देश की एकता और अखण्डता को सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला सरदार पटेल की भावना के अनुरूप था, एक राष्ट्र, एक संविधान, एक तिरंगा। मुख्यमंत्री ने इस कदम को भारत की एकता को और मजबूत करने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया और कहा कि यह उस 'अखंड भारत' की भावना का प्रतीक है, जिसका सपना सरदार पटेल ने देखा था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फतेहाबाद में कार्यक्रम में उपस्थित हुए लोग इस बात का प्रमाण हैं कि सरदार पटेल का 'एक भारत' का सपना आज भी हर नागरिक के हृदय में जीवित है।

लौह पुरूष ने 562 रियासतों को जोड़कर अखंड भारत बनायाः मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी
सोनीपत। सोनीपत में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ। हजारों स्कूली बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने इस दौड़ में भाग लिया और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। भाजपाप्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम का शुभारंभ किया और जानकीदास स्कूल से हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। इससे पूर्व सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। रन फॉर यूनिटी की शुरुआत पर बड़ौली ने सभी नागरिकों से देश की एकता और अखंडता में भूमिका निभाने का आह्वान किया। देशभक्ति के वातावरण में प्रतिभागियों ने एकता के नारों के साथ दौड़ प्रारंभ की, जिससे

वातावरण एक भारत, श्रेष्ठ भारत के जोश से गूंज उठा। शहरवासियों ने मार्ग में पुष्प वर्षा कर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। रन फॉर यूनिटी को संबोधित करते हुए बड़ौली ने सरदार पटेल की राष्ट्र निर्माण में भूमिका का उल्लेख करते कहा कि उन्होंने 562 रियासतों को जोड़कर भारत को अखंड राष्ट्र बनाया। उन्होंने कहा कि यह दौड़ केवल शारीरिक कसरत नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह द्वारा धारा 370 हटाकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत का लक्ष्य आगे बढ़ाया गया है। बड़ौली ने विजन 2047 की दिशा में देश को अग्रणी बनाने और सभी को एकजुट होकर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का का किया : डा. मिड्ढा

एजेंसी
जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल ने पूरे भारत को एकसुत्र में पिरोने का काम किया था। उसी के अनुरूप हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कार्य कर रहे हैं। उनका 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना अब हर भारतीय नागरिक का सपना बन चुका है। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा स्थानीय पुलिस लाइन मैदान में लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि शिरकत कर युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित करके नमन किया। इसके बाद उन्होंने रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। रन फॉर यूनिटी में डिप्टी स्पीकर, डीसी मोहम्मद इमरान रजा, पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, एडीसी विवेक आर्य व अन्य प्रशासन के अधिकारी युवाओं के साथ दौड़ते नजर आए। रन फॉर यूनिटी स्थानीय

पुलिस लाइन मैदान से शुरू हुई और एकलव्य स्टेडियम में समापन हुआ।

डा. मिड्ढा ने कहा कि गुजरात में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार पटेल की महानता और देश की एकता का प्रतीक है। इस प्रतिमा के निर्माण में पूरे देश के गांव-गांव से लोहा एकत्र किया गया था। जो भारत की एकता और समर्पण की मिसाल है। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि हम सभी को अपने जीवन में कम से कम एक बार जरूर उस महान व्यक्तित्व के स्टेच्यू के दर्शन करने चाहिए। हमारे देश के प्रधानमंत्री सशक्त एवं पावरफुल हैं। जिन्होंने विश्व में अपने देश का लौहा मनवाने का काम किया है। आज बहुत सी ऐसी ताकते हैं, जो भारत को खंड-खंड करना चाहती है लेकिन हमारे देश के प्रधानमंत्री सशक्त हैं। जिन्होंने अपनी ताकत के बल पर हिंदुस्तान को एक अलग रूप देने का काम किया है।

गन्नौर में रन फॉर यूनिटी में 1400 लोगों ने लगाई चार किलोमीटर दौड़

एजेंसी
सोनीपत। : सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर गन्नौर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेंद्र कादियान और रोटेरियन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमिता मेहन्द्रू उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि पूर्वी जोन डीसीपी प्रबीना पी., एसडीएम प्रवेश कादियान, प्रधान आनंद जैन और बीईओ आजाद दहिया रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया और शांति के प्रतीक गुब्बारे आकाश में छोड़े। रन फॉर यूनिटी की शुरुआत जैन कॉलेज से हुई और समापन नगरपालिका रोड स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल पर हुआ। इसमें जैन कॉलेज, रोटरी क्लब ऑफ सेंट्रल और देवा सोशल डेवलपमेंट

सोसायटी का भी सहयोग रहा। लगभग 20 स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर और संस्थाओं के 1400 प्रतिभागियों ने चार किलोमीटर दौड़ लगाई, जिनमें करीब 1000 छात्राएँ और महिलाएँ शामिल थीं। एक भारत श्रेष्ठ भारत के नारों से गन्नौर गूंज उठा। विधायक देवेंद्र कादियान ने मशाल जलाकर दौड़ की अगुवाई की और समापन पर प्रतिभागी संस्थाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विधायक कादियान ने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और राष्ट्रसेवा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा ही देश की असली ताकत हैं और सरदार पटेल के एकता व अखंडता के सपने को साकार करने की जिम्मेदारी उन्हीं पर है। सरकार शिक्षा, खेल और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। रोटेरियन अमिता मेहन्द्रू ने कहा कि रोटरी क्लब समाज में सेवा, एकता और सहयोग की भावना को मजबूत बना रहा है। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी और क्षेत्र के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

गुरुग्राम में सडक़ों से मिट्टी हटाने का चलेगा अभियान, पार्षद करेंगें निगरानी

एजेंसी
गुरुग्राम। प्रदूषण नियंत्रण के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा सडक़ों से मिट्टी उठाने के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान अब और अधिक गति पकड़ेगा। इसके तहत सभी वार्डों में विशेष टीमें गठित की जाएंगी, जो संबंधित वार्ड के निगम पार्षद की निगरानी में कार्य करेंगी। ये टीमें सडक़ों से धूल-मिट्टी उठाने के साथ-साथ घास व झाडियों को हटाने का कार्य भी करेंगी। इसके अतिरिक्त, मुख्य सडक़ों, मेट्रो स्टेशनों, बस क्यू शेल्टरों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की सफाई को और बेहतर बनाया जाएगा। यह निर्णय मेयर राजरानी मल्होत्रा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। नगर निगम कार्यालय में हुई इस बैठक में निगमायुक्त प्रदीप दहिया, अतिरिक्त निगमायुक्त रविन्द्र यादव, मुख्य अभियंता विजय ढाका और पार्षदगण मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि प्रदूषण का प्रमुख कारण सडक़ों पर जमा धूल-मिट्टी को हटाने के लिए निगम ने यह विशेष अभियान शुरू किया है। निगम का लक्ष्य है कि अगले तीन माह में शहर में बेहतर स्वच्छता और स्वच्छ वातावरण स्थापित किया जाए। अभियान के तहत मुख्य सडक़ों से धूल-मिट्टी, कचरा, घास, झाडियां और बागवानी

वेस्ट हटाया जाएगा। आवासीय व बाजार क्षेत्रों में सफाई को और मजबूत किया जाएगा। निगम पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिदिन निगरानी करेंगे। निगम इस अभियान में नागरिकों की सहभागिता को भी बढ़ाएगा। एनएसएस, एनजीओ और सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों को भी इस मुहिम में शामिल किया जाएगा। इससे न केवल प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को भी काफी हद तक दूर किया जा सकेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के दौरान उत्पन्न मलबा, मिट्टी और बागवानी कचरा तुरंत हटाया जाएगा। यदि कार्य करने वाली एजेंसियां ऐसा नहीं करती हैं, तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि कोई भी सोसायटी या आरडब्ल्यूए अपने यहां का बागवानी कचरा ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में न फेंके, बल्कि उसका उचित निस्तारण सुनिश्चित करे।

डेयरी उत्पाद बनाने वाली फैक्ट्री पर खाद्य सुरक्षा विभाग व सीएम उड़नदस्ते ने की छापेमारी

एजेंसी
सोनीपत। गन्नौर खाद्य सुरक्षा विभाग और मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की संयुक्त टीम ने हरिनगर के पास सूरजभान कॉलोनी स्थित एक डेयरी उत्पाद बनाने वाली फैक्ट्री पर छापेमारी की। इस दौरान लगभग 300 किलोग्राम सफेद मक्खन, 40 किलोग्राम मावा और 57.5 किलोग्राम पनीर बरामद हुआ। खाद्य सुरक्षा विभाग ने विभिन्न सामग्रियों के नमूने एकत्र कर सील किए, जिन्हें जांच के लिए करनाल की खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी के दौरान टीम को फैक्ट्री से रिफाइंड तेल और वनस्पति घी के कई टीन भी मिले। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. बीरेंद्र यादव ने बताया कि कम वसा वाले दूध में वसा की मात्रा बढ़ाने के लिए इन वस्तुओं की मिलावट की जा रही होगी। उन्होंने कहा कि यह वस्तुएं खाने योग्य तो हैं, लेकिन इनसे स्वास्थ्य संबंधी खतरे हो सकते हैं। वास्तविक स्थिति जांच रिपोर्ट मिलने पर ही पता चलेगी। यदि नमूने फेल पाए गए तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। डॉ. यादव ने बताया कि यह फैक्ट्री विक्रम नामक व्यक्ति द्वारा चलाई जा रही है, जिसने हाल ही में यह कार्य शुरू किया है। यहां से ढाबों और रेस्तरांओं में डेयरी उत्पादों की सप्लाई की जाती है। इसके लिए एफएसएसएआई लाइसेंस होना आवश्यक है। निरीक्षण के समय फैक्ट्री संचालक मौजूद नहीं था। उसकी धर्मपत्नी ने बताया कि लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया है। विभाग ने उन्हें लाइसेंस आवेदन से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए तीन दिन का नोटिस दिया है। निर्धारित समय में दस्तावेज न मिलने पर नियमानुसार कार्यवाही होगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारी ने सभी खाद्य सामग्रियों का स्वाद लेकर परीक्षण किया और यह सुनिश्चित किया कि कोई सामग्री अत्यधिक खराब न हो। खराब पनीर व मावा को तुरंत नष्ट कर पास में बनी गड्ढी में दबा दिया गया।

स्टारलिंक ने बेंगलुरु में फाइनेंस और अकाउंटिंग पदों के लिए हायरिंग शुरू की

नई दिल्ली एलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सहायक कंपनी स्टारलिंक ने भारत में हायरिंग अभियान शुरू कर दिया है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कंपनी फाइनेंस और अकाउंटिंग विभाग के विभिन्न पदों पर कैंडिडेट्स की तलाश कर रही है। खाली पदों में अकाउंटिंग मैनेजर, पेमेंट्स मैनेजर, सीनियर ट्रेजरी एनालिस्ट और टैक्स मैनेजर शामिल हैं। कंपनी के अनुसार अकाउंटिंग मैनेजर भारत में स्टारलिंक के ऑपरेशंस को सपोर्ट करेगा और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग, अकाउंटिंग तथा वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करेगा। सभी पद केवल बेंगलुरु के ऑफिस के लिए हैं और रिमोट या हाइब्रिड वर्क की अनुमति नहीं है। स्टारलिंक का उद्देश्य लो-लेटेंसी सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विसेज के माध्यम से तेज़ इंटरनेट सेवा देना है।

विमान ईंधन महंगा, दिल्ली में अब 94,543 प्रति किलोलीटर

नई दिल्ली तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतें बढ़ा दी हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में कीमत 777 रुपये बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जबकि अक्टूबर में इसे 3 फीसदी से अधिक बढ़ाया गया था। कोलकाता में कीमत 97,549.18 रुपये प्रति किलोलीटर, मुंबई में 88,447.87 रुपये और चेन्नई में 98,089.68 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इस वृद्धि से एयरलाइन कंपनियों की लागत बढ़ेगी और संभावना है कि हवाई टिकटों की कीमतों में भी असर पड़े। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और सरकारी नीतियों के अनुसार यह रुझान आगे भी जारी रह सकता है।

अनोंदिता मेडिकेयर के शेयरों में तूफानी तेजी

आईपीओ से 300 फीसदी से अधिक उछाल

मुंबई कंडोम निर्माता अनोंदिता मेडिकेयर के शेयरों में हाल के दिनों में जोरदार तेजी देखी जा रही है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को एनएसई पर 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 595.70 रुपए पर पहुंच गए। एनएसई पर शुक्रवार को 2,19,000 शेयर खरीदने के ऑर्डर पेंडिंग थे। 1 सितंबर 2025 को लिस्ट होने वाले शेयर आईपीओ प्राइस 145 रुपए से शुरू होकर केवल दो महीने में 600 रुपए के करीब पहुंच गए हैं। कंपनी का आईपीओ 22 अगस्त से 26 अगस्त 2025 तक खुला था। आईपीओ पर कुल 300.89 गुना दांव लगा। आम निवेशकों का कोटा 286.20 गुना, गैर-संस्थागत निवेशकों में 531.82 गुना और क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 153.03 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। आईपीओ के बाद प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 83.95 फीसदी से घटकर 61.71 फीसदी रह गई। अनोंदिता मेडिकेयर पुरुषों और महिलाओं के लिए फ्लेवर्ड कंडोम बनाती है। कोबरा ब्रांड के तहत कंपनी अपने फ्लैगशिप प्रोडक्ट्स बेचती है। कंपनी सालाना 562 मिलियन कंडोम का उत्पादन करती है और अपने प्रोडक्ट्स को दक्षिणपूर्व एशिया, अफ्रीका और मिडिल ईस्ट सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात करती है।

एमफैसिस का मुनाफा 10.8 फीसदी बढ़ा

मुंबई आईटी कंपनी एमफैसिस ने 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 469 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। कंपनी का परिचालन राजस्व 10.3 प्रतिशत बढ़कर 3,902 करोड़ रुपये हो गया। एमफैसिस के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि एआई में हमारे शुरुआती निवेश से बदलाव चाहने वाले ग्राहकों के लिए कंपनी ने अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत की है। एक और मजबूत तिमाही रही जिसमें 52.8 करोड़ डॉलर के कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) का सौदा मिला। यह हमारे एआई फर्स्ट दृष्टिकोण का प्रमाण है जो विविध उद्योगों में व्यावसायिक परिणाम दे रहा है।

भारत का राजकोषीय घाटा नियंत्रण में, आर्थिक वृद्धि का रास्ता साफ

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-सितंबर में राजकोषीय घाटा 5.73 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया, जो पूरे वर्ष के बजट लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत है। यह घटता राजकोषीय घाटा अर्थव्यवस्था में स्थिरता और विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। अप्रैल-सितंबर में सरकार की कुल प्राप्तियां 17.30 लाख करोड़ रुपए और कुल व्यय 23.03 लाख करोड़ रुपए रही। यह क्रमशः बजट में निर्धारित लक्ष्य का 49.5 प्रतिशत और 45.5 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की समान अवधि में व्यय 21.1 लाख करोड़ रुपए था। कुल राजस्व 16.95 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें कर राजस्व 12.29 लाख करोड़ और गैर-कर राजस्व 4.66 लाख करोड़ रहा।

RBI से 2.69 लाख करोड़ रुपए का लाभांश प्राप्त होने से गैर-कर राजस्व में वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 2.11 लाख करोड़ से अधिक है। सरकार ने राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे परियोजनाओं पर खर्च बढ़ाया, जिससे आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। घटता राजकोषीय घाटा सरकार की उधारी को कम करता है, जिससे बैंकिंग प्रणाली में ऋण उपलब्धता बढ़ती है और उपभोक्ता व कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ावा मिलता है।

अमेरिकी तेल कंपनियों के मुनाफे में भारी गिरावट

न्यूयॉर्क अमेरिका के आर्थिक संकट के दौर में हर तरफ से बुरी खबरें आ रही है। अमेरिका में अभी शटडाउन चल रहा है। लाखों लोग बिना वेतन के काम कर रहे हैं। इसका कोई हल नहीं निकल पाया है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में सभी तरफ से नकारात्मक समाचार सुनने को मिल रहे हैं। हाल ही में अमेरिका की तेल कंपनियां पिछले साल के मुकाबले इस साल कम लाभ देने वाली कंपनियों में पहचान बना रही हैं। अमेरिकी कंपनियों की एस×पी 500 सूचकांक ने 48 फ़ीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं शेवरान, एक्सान मोबिल सहित कई अमेरिकी तेल कंपनियों और गैस कंपनियों ने मात्र 14 फीसदी का रिटर्न दिखाया है। यूरोपीय कंपनियों में बीपी,शेल और टोटल एनजींस का भी यही हाल है। यूक्रेन पर रुसी हमले के बाद तेल और गैस कारोबार को भारी धक्का लगा है। तेल कंपनियों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। कच्चे तेल और गैस के दामों में लगातार कमी देखने को मिल रही है जिसके कारण हालात और भी खराब होती जा रही है।

3 नवंबर से बदले यूपीआई के नियम, अब ट्रांजेक्शन होंगे और तेज़

रिफंड जल्दी मिलेगा, एनपीसीआई ने सेटलमेंट प्रक्रिया में किया बड़ा बदलाव

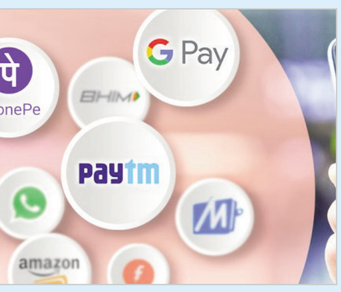

नई दिल्ली 3 नवंबर से यूपीआई ट्रांजेक्शन नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई की सेटलमेंट प्रक्रिया को और तेज़ व पारदर्शी बनाने के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब तक रोजाना 10 आरटीजीएस सेटलमेंट साइकल में ऑथराइज्ड यानी सही और डिस्प्यूट यानी विवादित ट्रांजेक्शन एक साथ प्रोसेस होते थे, जिससे देरी होती थी। अब एनपीसीआई ने इन्हें अलग-अलग साइकल में बाँट दिया है। पहले दस साइकल सिर्फ ऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन के लिए होंगे। वहीं, विवादित ट्रांजेक्शन के लिए दो नए साइकल बनाए गए हैं, डीसी1 (मिडनाइट से दोपहर 4 बजे तक) और डीसी2 (दोपहर 4 से मिडनाइट तक)। फाइल नेमिंग में अब इनका अलग पहचान कोड जोड़ा जाएगा। इस बदलाव से सेटलमेंट प्रोसेस समय पर पूरी होगी, विवादों का समाधान तेज़ी से होगा और ग्राहकों को रिफंड जल्दी मिलेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे डिजिटल पेमेंट सिस्टम अधिक भरोसेमंद बनेगा और फिनटेक कंपनियों को नई सेवाएं जैसे क्रेडिट ऑन यूपीआई, बीएनपीएल और ईएमआई लॉन्च करने में आसानी होगी।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताहभर उतार-चढ़ाव रहा

वैश्विक संकेतों ने निवेशकों को किया प्रभावित

मुंबई

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन देखा, जिसमें सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक वैश्विक आर्थिक संकेतों और विदेशी निवेश प्रवाह से प्रभावित रहे। सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी मुद्रास्फीति रिपोर्ट उम्मीद से कमजोर आई, जिससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं मजबूत हुईं और वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली। सोमवार को सेंसेक्स 84,482.64 अंक पर खुला और 84,778.84 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,880.15 अंक से 25,966.05 अंक पर समाप्त हुआ। मंगलवार को अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते की उम्मीद और फेड की कटौती की संभावनाओं ने बाजार को शुरुआती कारोबार में बढ़त दी, लेकिन अंत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों गिरावट में बंद हुए। बुधवार को फेड की ब्याज दर पर कोई तत्काल निर्णय न होने और विदेशी निवेश प्रवाह से बाजार ने तेजी दिखाई, सेंसेक्स 84,997.13 अंक पर और निफ्टी 26,053.90 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, गुरुवार को विदेशी पूंजी निकासी और फेड के अनिश्चित संकेतों के चलते बाजार में गिरावट आई। सेंसेक्स 84,404.46 अंक पर और निफ्टी 25,877.85 अंक पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत, शुक्रवार को बाजार सपाट रुख के साथ बंद हुआ, जिसमें सेंसेक्स 83,938.71 अंक और निफ्टी 25,722.10 अंक पर समाप्त हुए। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की धारणा वैश्विक संकेतों, ब्याज दरों और विदेशी पूंजी प्रवाह पर निर्भर रही। सप्ताहभर के उतार-चढ़ाव ने यह साफ किया कि बाजार में विदेशी आर्थिक नीतियों और घरेलू निवेश प्रवाह का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। आने वाले सप्ताह में वैश्विक आर्थिक घटनाओं और फेड के संकेतों पर बाजार की नजरें रहेंगी।

एसीसी का मुनाफा बढ़कर 1,119 करोड़ हुआ

मुंबई

अंबुजा सीमेंट की सहायक कंपनी एसीसी का वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में मुनाफा 460.6 प्रतिशत बढ़कर 1,119.23 करोड़ रुपये हो गया। इसमें वृद्धि उच्च प्रीमियम बिक्री और पहले की अवधियों से जुड़े कर समायोजन के कारण हुई। एसीसी ने अदालती फैसलों के बाद इस अवधि में अपनी कर देनदारियों और प्रावधानों का फिर से मूल्यांकन किया। इन फैसलों के आधार पर प्रबंधन ने तय किया कि पिछले वर्षों के कुछ प्रावधानों की अब जरूरत नहीं है और पिछली अवधियों से संबंधित कर समायोजन और बट्चे खाते वाले 658.42 करोड़ रुपये (31 मार्च, 2025 तक 12.36 करोड़ रुपये) फिर से खाते में ले लिए गए। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में एसीसी का कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) सालाना आधार पर 139.2 प्रतिशत बढ़कर 763 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के लिए एसीसी का राजस्व 5,932 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल की तुलना में 23.8 प्रतिशत अधिक है और दूसरी तिमाही में अब तक का सर्वोच्च स्तर है।

एसीसी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में सीमेंट की मांग मध्यम रही और सालाना 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से आर्थिक धारणा में सुधार हुआ है।

विश्लेषकों के 295.4 करोड़ रुपये के अनुमान से कहीं ज्यादा लाभ रहा। राजस्व भी विश्लेषकों के 5,307.7 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक रहा।

नायरा एनर्जी ने रिफाइनरी क्षमता बढ़ाई, रूसी तेल पर निर्भरता जारी

नई दिल्ली रूस समर्थित भारतीय रिफाइनर नायरा एनर्जी ने अपनी वाडिनार रिफाइनरी में कच्चे तेल के प्रसंस्करण को 90-93 फीसदी तक बढ़ा दिया है। यह कदम इस साल की शुरुआत में यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद परिचालन में आई गिरावट के बाद उठाया गया। जुलाई में ईयू प्रतिबंधों के कारण रिफाइनरी क्षमता 70-80 फीसदी तक घट गई थी। प्रतिबंधों से पहले यह संयंत्र अपनी क्षमता का 104 फीसदी तक चला करता था। तेल प्रसंस्करण में गिरावट से नायरा के तेल निर्यात पर असर पड़ा। प्रमुख आपूर्तिकर्ता जैसे इराक और सऊदी अरब ने कंपनी को कच्चे तेल की बिक्री रोक दी। नायरा रिफाइनरी केवल रूसी तेल से संचालित हो रही है। यह तेल रोसनेफ्ट ने उपलब्ध कराया, जिसके पास नायरा में 49.13 फीसदी हिस्सेदारी है। अमेरिका ने रोसनेफ्ट पर भी प्रतिबंध लगाया है। नायरा गैर-स्वीकृत संस्थाओं के माध्यम से रूसी तेल खरीदना जारी रख सकती है, हालांकि भुगतान का तरीका स्पष्ट नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर के दाम पांच रुपए घटे, अब 1,590.50 रुपए प्रति सिलेंडर

नई दरें 1 नवंबर 2025 से लागू

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी का असर अब भारत के ऊर्जा क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। नवंबर 2025 की शुरुआत के साथ ही देश की तीनों सरकारी तेल विपणन कंपनियों–इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 5 रुपए की कटौती की है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,595.50 रुपए से घटकर 1,590.50 रुपए हो गई है।

कोलकाता में यह अब 1,694, मुंबई में 1,542 और चेन्नई में 1,750 रुपए प्रति सिलेंडर हो गई है। सभी महानगरों में 5 प्रति सिलेंडर की समान राहत दी गई है। नई दरें 1 नवंबर 2025 से लागू हो गई हैं।

हालांकि, घरेलू एलपीजी (14.2 किलो सिलेंडर) के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल कंपनियों के अनुसार हाल के हफ्तों में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने के कारण एलपीजी की उत्पादन लागत में कमी आई है। चूंकि एलपीजी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस प्रोसेसिंग का उप-उत्पाद है, इसलिए क्रूड की कीमतों में गिरावट का सीधा असर इस पर पड़ता है। इसीलिए कंपनियों ने होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों को राहत देने के लिए कमर्शियल सिलेंडर सस्ता करने का निर्णय लिया है।

वहीं, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। दिल्ली में घरेलू रसोई गैस का 14.2 किलो वाला सिलेंडर अब भी 853 प्रति यूनिट पर उपलब्ध रहेगा।

दुबई से भारत का चावल महंगे दाम में खरीद रहा बांग्लादेश

राजनीतिक तनाव के चलते ट्रेड मार्ग बदला

ढाका

मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और ढाका के बीच संबंधों में खटास आई। इसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश ने भारत से सीधे चावल आयात को कम कर दिया। सरकार का कहना है कि यह कदम भारत के साथ ट्रेड डेफिसिट को बढ़ने से रोकने के लिए लिया गया। बांग्लादेश फूड मिनिस्ट्री की योजना के अनुसार 100,000 टन चावल आयात किया जाएगा। इसमें 50,000 टन पारबॉयल्ड चावल म्यांमार से और 50,000 टन नॉन-बासमती पारबॉयल्ड चावल दुबई से खरीदा जाएगा। दुबई से खरीद का मूल्य यूएसडी 355.99 प्रति टन है, जबकि म्यांमार से यूएसडी 376.50 प्रति टन। कुल लागत लगभग 323 करोड़ रुपये होगी। विशेषज्ञों के अनुसार दुबई अपना अधिकांश चावल भारत से इम्पोर्ट करता है। बांग्लादेश को भारत से सीधे खरीदने का विकल्प मौजूद होने के बावजूद उसे एक इंटरमीडियरी कंपनी के जरिए दुबई से लेना पड़ रहा है। यह कदम अतिरिक्त खर्च पैदा कर रहा है और जनता के पैसों की बर्बादी माना जा रहा है। खाद्य विभाग के प्रोक्योरमेंट डायरेक्टर मोहम्मद मोनिरुज्जमां का कहना है कि सप्लायर का ऑफिस दुबई में है। चावल का स्रोत भारत है।

मीडिया रिपोर्ट आने पर हम क्या कह सकते हैं। सरकार का तर्क है कि यह कदम ट्रेड डेफिसिट को संतुलित करने और राजनीतिक तनाव कम करने के लिए आवश्यक था।

इस महीने नवंबर में 11 दिन बंद रहेंगे बैंक, जारी रहेंगी ऑनलाइन सेवाएं

रविवार, दूसरा और चौथा शनिवार सहित कुछ राज्य-विशेष

नई दिल्ली

अगर आप इस महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो पहले बैंक हॉलिडे की लिस्ट जरूर देख लें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कैलेंडर के अनुसार इस महीने बैंकों में कुल 11 दिन अवकाश रहेगा। इनमें रविवार, दूसरा और चौथा शनिवार सहित कुछ राज्य-विशेष त्योहारों की छुट्टियां शामिल हैं। हालांकि ये छुट्टियां पूरे देश में एक समान नहीं होंगी। महीने की शुरुआत 1 नवंबर शनिवार से ही छुट्टी के साथ होगी, जब कर्नाटक में राज्योत्सव दिवस और उत्तराखंड में इगास-बगवाल मनाया जाएगा। इसके बाद 2 नवंबर को रविवार का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 5 नवंबर बुधवार को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। 7 नवंबर को मेघालय में वांगला फेस्टिवल के कारण अवकाश रहेगा, जबकि 8 नवंबर दूसरा शनिवार और 9 नवंबर रविवार होगा। 11 नवंबर को सिक्किम में बौद्ध पर्व ल्हाबाब दुचेन के चलते बैंक बंद रहेंगे। महीने के अंत में 16, 23 और 30 नवंबर को रविवार के अवकाश के अलावा 22 नवंबर को चौथे शनिवार का अवकाश रहेगा। बैंक बंद रहने के बावजूद ग्राहकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और एटीएम सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। हालांकि चेक क्लीयरिंग और अन्य ओवर-द-काउंटर सेवाएं इन दिनों प्रभावित रहेंगी। इसलिए, अगर आपको बैंक ब्रांच में जाकर कोई काम निपटाना है, तो अपनी योजना इन छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए बनाएं।

वोल्वो कंपनी 21 जनवरी को पेश करेगी ईएक्स 60 एसयूवी

नई दिल्ली

स्वीडिश कंपनी वोल्वो अपनी इलेक्ट्रिक लाइनअप में नया मॉडल जोड़ने जा रही है। वोल्वो कंपनी 21 जनवरी, 2026 को ईएक्स 60 पेश करेगी, जो कि एक्ससी60 एसयूवी का पूरी तरह इलेक्ट्रिक वर्जन है।

ईएक्स60 के लॉन्च के साथ वोल्वो अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को मजबूत करने की तैयारी कर रही है। यह प्रीमियम मिड-एसयूवी सेगमेंट में वोल्वो के वॉल्यूम गेम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

टीजर इमेज में ईएक्स60 में वोल्वो के सिग्नेचर हेडलैंप और टेल लैंप डिजाइन दिखाए गए हैं। इसकी शेप मौजूदा आईसीई एक्ससी 60 के स्क्वेयर लाइनों के मुकाबले ज्यादा क्रॉसओवर स्टाइल में है, जो कंपनी की भविष्य की एसयूवी डिज़ाइन भाषा का संकेत देती है। यह मॉडल ज्यादातर मार्केट के लिए वोल्वो के टॉर्सलैंडा प्लांट, गोथेनबर्ग के पास, में बनाई जाएगी। हालांकि भारत जैसी जगहों के लिए लोकल असेंबली की भी संभावना है, ताकि लागत और प्रतिस्पर्धी कीमत को संतुलित किया जा सके। भारतीय बाजार में वोल्वो की पकड़ अभी सीमित है, इसलिए कीमत कंपनी के लिए सबसे अहम कारक रहेगी।

ईएक्स60 से पहले, वोल्वो इंडिया 2026 में अपनी फ्लैगशिप ईएक्स90 एसयूवी लॉन्च करेगी। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो क्यू3 2024 में वोल्वो का रेवेन्यू एसईके 86.4 बिलियन रहा, जो पिछले साल रिकॉर्ड किए गए एसईके 92.8 बिलियन से थोड़ा कम है। वहीं, ऑपरेटिंग इनकम पिछले साल के एसईके 5.8 बिलियन से बढ़कर सुधार दिखा, जो एसईके 18 बिलियन के कॉस्ट और कैश एक्शन प्लान के असर को दर्शाता है।

बिहार की रैलियों में मोदी और राहुल का वार-पलटवार

कांतिलाल मांडोत

मोदी और राहुल ने वार पलटवार किया।मोदी ने पलटवार करते हुए कहा कि बिहार में राजद और कांग्रेस के पांच शब्द बिहार की राजनीति में फलफूल रहे है।कट्टा,क्रूरता, कटुता,कुशासन और करप्शन से विपक्ष की पहचान है।मोदी ने कहा कि छठ पूजा का अपमान कभी नही सहेंगे।राहुल ने मुजफ्फरपुर और छपरा की सभा के दौरान अंतराष्ट्रीय मुद्दा उठाते हुए कहा कि मोदी ट्रम्प को जवाब देने से डरते है।डर शब्द का उपयोग, वो भी मोदी के लिए करने के बाद राहुल देश के युवाओ के निशाने पर है।युवा देश की धड़कन है।

बिहार विधानसभा चुनाव की छपरा और मुज्जफरपुर की रैलियों में मोदी ने कहा कि जंगलराज की पहचान पांच शब्दो से होती है।मोदी और राहुल ने वार पलटवार किया।मोदी ने पलटवार करते हुए कहा कि बिहार में राजद और कांग्रेस के पांच शब्द बिहार की राजनीति में फलफूल रहे है।कट्टा,क्रूरता, कटुता,कुशासन और करप्शन से विपक्ष की पहचान है।मोदी ने कहा कि छठ पूजा का अपमान कभी नही सहेंगे।राहुल ने मुजफ्फरपुर और छपरा की सभा के दौरान अंतराष्ट्रीय मुद्दा उठाते हुए कहा कि मोदी ट्रम्प को जवाब देने से डरते है।डर शब्द का उपयोग, वो भी मोदी के लिए करने के बाद राहुल देश के युवाओ के निशाने पर है।युवा देश की धड़कन है।युवाओ की पहली पसंद नरेंद्र मोदी है।मोदी ने कई बार कहा है कि यह छप्पन की छाती है।उसके बाद राहुल मोदी पर डर और भय की बात करके सुर्खिया बटोर रहे है।मोदी ने अपनी सभा मे कहा कि बिहार के नौजवानों का सपना ही मेरा संकल्प है।राहुल अपना ही अध्याय लिखने के लिए तत्पर है।देश मे कांग्रेस की खोई हुई विरासत वापस पुनः प्राप्त करने का जिम्मा राहुल को सौंप रखा है।वे मिशन पर निकल पड़े है।गांधी खानदान की उपलब्धियों से लैस राहुल मैदान में उतरकर विश्व नेता मोदी की काट कर राजनीति के गलियारों तक पहुंचने की भरपूर कोशिश कर रहे है।मोदी पर निशाना साधने से कांग्रेस दिनोंदिन खिसक रही है।कांग्रेस को चाहिए कि लोकसभा का चुनाव न होकर विधानसभा का चुनाव बिहार में हो रहा है।इसलिए कांग्रेस को वार-पलटवार मुख्यमंत्री पर किया जाना चाहिए।लेकिन कांग्रेस की सुषुप्त अवस्था जनाधार खत्म करने के पदपर अग्रसर है।कांग्रेस आरोप लगाती है।लेकिन तथ्यात्मक पहलू पेश नही करती है।इसलिए वे जूठे और फरेबी आरोप होते है।राहुल के जातिविहीन समाज के मुद्दे उठाना और मोदी पर बेबुनियाद आरोपो की झड़ी लगाना राहुल और कांग्रेस की फितरत बन गई है।कांग्रेस ने कभी यह नही सोचा है कि आखिर नरेंद्र मोदी को पूरी दुनिया सम्मान क्यों दे रही है?अगर कांग्रेस के जेहन में यह सबकुछ आ जाता है तो कांग्रेस की खोई हुई ताकत और विरासत को थोड़ा बहुत खाद पानी मिल सकता है।राहुल को पता लगने से पहले ही वे कुछ कुछ ऐसा बोल देते है,जो चुनाव में मुद्दा बन जाता है।कांग्रेस की विरासत थामे राहुल को अपने मन की कहने के लिए गांधी परिवार

के इस वारिस को स्वतः स्फुर्रता की कीमत तो चुकानी ही पड़ेगी।बिहार को शिक्षा का केंद्र मानने वाली कांग्रेस ने सदियों से चली आ रही वैदिक संस्कृति को पाठ्यक्रम से ही गायब कर दिया।कांग्रेस का तुष्टिकरण प्रेम आज जड़ो से अलग करने का कार्य कर रहा है ।राहुल ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में कांग्रेस ने उतार दिया है।कांग्रेस बचाने के लिए राहुल और प्रियंका को केंद्र में रखा जा रहा है।कांग्रेस को गांधी परिवार से उम्मीदे बेहिसाब है।

कांग्रेस ने राहुल को आगे करके कांग्रेस की पतवार थामने का जिम्मा सौंपा है।लेकिन सतारूढ़ उनकी राजनैतिक परिपक्वता पर हर समय अंगुली उठाता आ रहा है।और यह इसलिए सही है कि उनकी रुचि भोजन बनाने,नाश्ता तैयार करने,यात्रा निकालने, जूठे आरोप लगाने और तथ्य बिना भाषण देने जैसे कार्य देश की अनास्था को बढ़ावा दे रहा है।राहुल और कांग्रेस के पास विकास के मुद्दे नही है।कांग्रेस कभी यह नही कहती है कि हम सत्ता में आने के बाद जनता के लिए वो कार्य करेंगे।देश की आलोचना करना और संविधान की किताब जगह जगह प्रदर्शित करना कांग्रेस को पीछे धकेल रही है।उनके कथन मुस्लिम अल्पसंख्यक को लुभाने के लिए पर्याप्त है।देश को साथ लेकर चलने की उनकी नियति कभी सुनने को नही मिली है।राहुल बेहतरीन प्रदर्शन कार्ड है और बिहार को देने के लिए यही सब कुछ है।जहाँ कांग्रेस सब कोई ताकत नही रही है।इनके पुरखो ने आजादी के बाद सबसे ज्यादा शासन किया।जबसे ईवीएम चलन में आया है तब से कांग्रेस पराजय हो रही है।इसलिए कांग्रेस को पुरानी पद्धति से चुनाव कराना ठीक लगता है।क्योंकि बुच कैप्चरिंग और फर्जी वोटो की कहानी हम हर चुनाव के बाद अखबारों में पड़ते थे।जब से निर्वाचन आयोग का गठन हुआ है,तब से चुनाव प्रक्रिया में सुधार हुआ है।अब एक वोट भी फर्जी तरीके से नही डाला जा सकता है।और न कोई फेरफार सम्भव है।कांग्रेस एक ऐसी विरासत थी,जिसका लोकतंत्र में कोई सानी नही था।दरअसल,कांग्रेस को गांवो में हाथ वाली सरकार कहते थे।लेकिन जब से जातिवाद का पंजा फैलने लगा है।उसके बाद तुष्टिकरण की राजनीति में बहुत फर्क आ रहा है।जनता सुशासन चाहती है।

राहुल नरम हिन्दुत्व के साथ पींगे बढ़ाने के लिये माहिर है।मोदी ने अपनी सभा मे राहुल ने शिक्षा पर उठाए गए सवाल पर मोदी ने कहा कि बिहार में हमारी एनडीए सरकार का संकल्प है कि बिहार में पढ़ाई,कमाई,दवाई व सिंचाई के मौके उपलबन्ध हो।राजद पर पांच क का निशाना साधा।मोदी ने कहा कि दोनों युवराज जमानत पर और सत्ता के लालच में दोनो साथ साथ है।चीनी लोग मैड इन बिहार की बात करने वाली कांग्रेस इतने वर्षों तक बिहार और देश के लिए विकास क्यो नही किया?राहुल ने नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने इतने साल सत्ता में रहकर क्या किया।निशाना साधने वाले कभी अपनी सरकार पर नजर डालकर देखे कि देश मे 60 साल शासन करने के बाद भी कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह को विदेश में तवज्जो नही दी जाती थी।आज हमारी प्रखर विदेश नीति के तहत दुनिया झुक रही है।यही तो सुशासन की कड़ी है।

राहुल का मकसद अस्थायी समाधान तलाशना नही है।कभी राहुल मुख्यमंत्री भी बन जाते,लेकिन उनको सीधा प्रधानमंत्री बनना है।उस दौर में बहुत अवसर थे।लेकिन अब कुंडली मार कर बैठे विकास पुरुष की वजह से केंद्र में कांग्रेस के शासन करने का समय बीत चुका है।कांग्रेस के प्रचार में सुस्ती की परत झाड़कर राहुल को तेज बनाने की कोशिश की जा रही है।राहुल के नीरस ब्यौरे तथा भीड़ भी घिसेपिटे डायलॉग से उकता चुकी है।शुरूआत में राहुल का भाषण कॉलेज में वाद विवाद में भाग ले रहे है जैसा लगता था।लेकिन इतने वर्षों के बाद भी भाषण की शैली उस तरह की है जो समझने वाले ही समझ सकते है।उनके भाषण में आज भी वजन नही है।

मंच पर राहुल आज भी पहली बने हुए है।राजनीति के चलते उग्र भाषण पेल देते है।राहुल का कूदना कांग्रेस के लिए जरूरी था।लेकिन कांग्रेस की उम्मीदों पर से उस समय पानी फिर गया,जब सतारूढ़ पार्टी के विकास को राहुल चुनौती नही दे सके।राहुल अब बिहार को अपनी कर्मभूमि बनाने की सोच रहे है तो भी कांग्रेस का केंद्र में राज करने का समय नही है।देश मे विकास का उभार को देखते हुए अब जनता ज्यादा भरोसा नही कर सकती है।सतारूढ़ का विकास और देश की बढ़ती इकोनामी के साथ कानून व्यवस्था आदि पर जनता का भरोसा बढ़ता जा रहा है।कांग्रेस के लिए ठीक है।लेकिन राहुल गांधी अपने पुरखों की समृद्ध की गई पठकथा पढ़ कर सुना रहे है।आज भी देश समझता है कि राहुल नौशिखिया ही है।अपनी दादी ने सिंडीकेट के घाघ बूढो को मात देकर वे उनके साये में निकल आयी।राहुल का स्थान कहा पर है इसका अंदाजा कांग्रेस के सिवा कोई नही लगा सकता है।

संपादकीय

बहुध्रुवीय दुनिया में सहयोग ही बचा रास्ता

आज तेजी से बहुध्रुवीय होती दुनिया में वैसे भी किसी देश के लिए यह संभव नहीं है कि वह लंबे समय तक सिर्फ अपने हित में एकतरफा नीतियां लागू करता रहे और उसे दूसरे देशों को मानने पर मजबूर करे। अब आर्थिक से लेकर राजनीतिक स्तर पर शक्ति किसी खास देश में स्थिर या सीमित नहीं है और पिछले दो-तीन दशकों के दौरान विश्व में तेजी से नए ध्रुव खड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में महाशक्ति होने के बावजूद अमेरिका वैश्विक सहयोग और परस्पर निर्भरता के सिद्धांत को अपनी ओर से कुछ समय के लिए टाल भले दे, लेकिन उसे पूरी तरह खारिज नहीं कर सकता। यही वजह है कि कुछ महीने पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह दूसरे कई देशों से आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगाने की घोषणा की थी, उस पर उन्हें दोबारा विचार करना पड़ रहा है। एक ओर, भारत ने अपने ऊपर रूस से तेल खरीद पर जुमार्ना समेत पचास फीसद तक शुल्क लगाने के बावजूद अपनी नीतियों में कोई बड़ा बदलाव करना जरूरी नहीं समझा, तो दूसरी ओर चीन भी इससे बहुत चिंतित नजर नहीं आया। अब बीते कुछ दिनों से अमेरिका की ओर से जैसे संकेत आ रहे हैं, उससे साफ है कि शुल्क लगाने को लेकर उसके रवैये में थोड़ी नरमी आ रही है। दरअसल, दक्षिण कोरिया के बुसान में आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान गुरुवार को अमेरिका और चीन के राष्ट्रपति के बीच मुलाकात के बाद एक-दूसरे के साथ व्यापार को फिर से पटरी पर लाने पर सहमति बनी। उसके बाद व्यापार युद्ध जैसी स्थिति के खत्म होने की उम्मीद की जा रही है। यों भी, अगर अमेरिका अपने रुख में बदलाव नहीं लाता है, तो व्यापार युद्ध के असर की आंच उस तक भी पहुंच सकती है। इस क्रम में शी जिनपिंग से बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि चीन के साथ अब दुर्लभ खनिज के व्यापार का मुद्दा सुलझा लिया गया है। इसके साथ ही अमेरिका की ओर से चीन पर लगाए गए शुल्क में दस फीसद की कमी कर दी गई। बदले में अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन खरीदने के लिए चीन तैयार हो गया है। गौरतलब है कि दुनिया भर में करीब सत्तर फीसद दुर्लभ खनिजों का खनन चीन में होता है। यही नहीं, इसके प्रसंस्करण और निर्यात के लिए भी दुनिया की नब्बे फीसद निर्भरता चीन पर है। यानी संभव है कि इस मामले में चीन की मजबूत स्थिति को देखते हुए ही अमेरिका के रुख में बदलाव आया हो। हालांकि एक दिन पहले ट्रंप ने भारत को लेकर भी पहले के मुकाबले काफी नरम रवैया दशार्ते हुए कहा था कि भारत के साथ अमेरिका व्यापार समझौता कर रहा है। साथ ही, चाबहार बंदरगाह परियोजना पर भी अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत को छह महीने की छूट देने की घोषणा सामने आई। जाहिर है, दूसरे देशों की आर्थिक नीतियों को प्रभावित या संचालित करने की कोशिश के बाद अब अमेरिका इस वास्तविकता को स्वीकार करता दिख रहा है कि दुनिया में राजनीतिक से लेकर आर्थिक स्तर पर शक्ति के ध्रुव जिस रफ्तार से बदल रहे हैं, उसमें कोई एक देश अपना वर्चस्व सब पर थोप नहीं सकता। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि परस्पर सहयोग के लिए एकतरफा तौर पर तय की गई कसौटियां दबाव की नीति के तहत बहुत लंबे समय तक संचालित नहीं की जा सकतीं।

चिंतन-मनन

विश्वास की ताकत

एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर सफर पर निकला। रास्ते में समुद्र में जोर का तूफान आया। मुसाफिर घबरा उठे। पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया। उसकी पत्नी भी व्याकुल हो गई थी। उसने अपने पति से पूछा-इतना खतरनाक तूफान आया है। सबकी हालत खराब है। पर आप इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं?

यह सुनते ही उस अफसर ने म्यान से तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें डर लग रहा है? पत्नी बोली-मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या खेल कर रहे हैं? अफसर ने फिर पूछा- बताओ, तुम्हें डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पता है आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से ज्यादा चाहते हैं। फिर मैं क्यों डरूं?

इस पर अफसर ने कहा-बिल्कुल सही। जिस तरह तुम्हें मुझ पर भरोसा है उसी तरह मुझे ईश्वर पर भरोसा है। वह हम सब का अभिभावक है। वह हमारा बुरा क्यों चाहेगा? वह तो हमारे पिता के समान है। वह हर संकट में हमारी सहायता ही करेगा। इसलिए तूफान आया है तो वह चला भी जाएगा। जीवन में विश्वास सबसे बड़ी चीज है। इससे हमें बड़ी ताकत मिलती है। हम इसी ताकत के सहारे जीते हैं। इसलिए हमें किसी न किसी के प्रति विश्वास तो रखना ही होगा। वही लोग घबराते हैं या अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं जिनमें विश्वास की कमी होती है। संयोग से उसी समय तूफान थम गया।

विज्ञान लोकप्रियकरण से देश का विकास होगा

संजय गोस्वामी

विज्ञान लोकप्रियकरण का अर्थ है, वैज्ञानिक ज्ञान को आम जनता तक सरल भाषा में पहुँचाना और उनमें वैज्ञानिक सोच व रुचि को बढ़ावा देना। यह विज्ञान और समाज के बीच की खाई को पाटता है, जिससे लोग दैनिक जीवन में हो रहे तकनीकी विकास को समझ सकें और उसका लाभ उठा सकें। -विज्ञान लोकप्रियकरण में हिंदी को बढ़वा देने की आवश्यकता है । वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमीः विज्ञान के प्रति रुचि जगाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने और तार्किक क्षमता विकसित करने पर कम जोर दिया जाता है। समाधान प्रभावी शिक्षणः विज्ञान को सरल और रुचिकर बनाने के लिए प्रभावी शैक्षिक तरीकों का उपयोग करना चाहिए। द्विभाषीवाद को बढ़ावाः हिंदी और अंग्रेजी दोनों के महत्व को समझते हुए, विज्ञान के शिक्षण में द्विभाषी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। लोकप्रिय माध्यमों का उपयोगः विज्ञान को लोकप्रिय संस्कृति और मीडिया के माध्यम से प्रस्तुत करना चाहिए। गलत धारणाएं दूर करनाः विज्ञान केवल तेज बच्चों के लिए है जैसी गलत धारणाओं को दूर करना चाहिए और यह समझाना चाहिए कि विज्ञान से तार्किक क्षमताएं बढ़ती हैं। हिंदी विज्ञान साहित्य ने अपने स्थापना 1968 से 2025 तक हिंदी विज्ञानं के क्षेत्र में 57 वर्ष पुरानी संस्था हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा वैज्ञानिक पत्रिका के माध्यम से विज्ञानं लोकप्रियकरण में देश के विकास में एक मिल का पत्थर साबित हुई है शब्दावली का निर्माण भी इसी संस्था ने की है हिंदी विज्ञानं साहित्य परिषद की मुख्य पत्रिका का 57 वा अंक का ऑनलाइन प्रकाशित हो गई वैज्ञानिक पत्रिका के जुलाई दिसंबर 25 अंक का सफल प्रकाशन 17 अक्टूबर 25 को किया गया जो विज्ञान संचार के लिए दृढ़ संकल्पीत है और वैज्ञानिक ज्ञान से परिपूर्ण है वैज्ञानिक पत्रिका के मुख्य संपादक श्री ब्रजेश कुमार सिन्हा ने कार्यवाहक मुख्य संपादक के रूप में नियुक्त हुए जो पटना के रहने वाले एक वरिष्ठ इंजीनियर है जो एन आर बी, परमाणु ऊर्जा विभाग मुंबई में कार्यरत हैं उन्होंने भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई की है और मुंबई के अखिल भारतीय हिंदी विज्ञान संस्थान विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई में उपाध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण किया हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई की राष्ट्रीय स्तर की पत्रिका वैज्ञानिक वैज्ञानिक के मुख्य संपादक के रूप में अतिरिक्त भार ग्रहण करते हुए वैज्ञानिक के 2 अंक, जुलाई सितम्बर व अक्टूबर - दिसंबर 25 का सफलतापूर्ण संपादन किया इसके साथ ही मुंबई के श्री राज कुमार डाबरा, प्रसार व्यवस्थापक के रूप में पदभार ग्रहण किया जो परिषद के कोषाध्यक्ष भी है वैज्ञानिक का जुलाई दिसंबर -25 का अंक दो अंक को मिलाया गया है जो नियम के अनुसार किया गया है जैसे की किसी भी मासिक पत्रिका साल में एक बार दो अंक एक साथ निकाल सकती है वैसे ही दो साल में कोई भी तिमाही पत्रिका दो साल में एक बार सयुंक्त अंक निकाल सकती है वैज्ञानिक का जुलाई दिसंबर 25 का सयुंक्त अंक देश के भारतीय वायुसेना के शौर्य व पराक्रम के ऊपर केंद्रित है और लेख में स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस को भी शामिल किया गया है देश की वायुसेना का स्थान आज पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर है यह अंक भारत के वायु योद्धाओं के साहस और समर्पण का सम्मान करता है, और वायु सेना की क्षमताओं और ऐतिहासिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला अंक है इस अंक में अन्य वैज्ञानिक विषयो पर भी लेख है जिसमें पर्यावरण, कृषि वैज्ञानिकों के जीवन पर, डॉ कलाम साहब व विज्ञान प्रश्न मंच को भी छात्रों के लिए नियमित रूप से स्थान दिया गया है जिसमें लेखकीय अवदान मुख्य रूप से डॉ सरोज शुक्ला, डॉ संजय कुमार, डॉ संजय रामण,डॉ मनीष मोहन गोरे, डॉ दया शंकर त्रिपाठी, बीएन मिश्र, श्री उत्तम सिंह गहरवार, डॉ मीनाक्षी पाठक, डॉ हेमलता पंत, डॉ ज्योति वर्मा,निधि गुप्ता, आदित्य शर्मा, दीपांशी मिश्रा एवं मनहर कृष्णा ओझा, डॉ दीपक कोहली व डॉ विजय लक्ष्मी गिरि के विज्ञान लेख हैं इस अंक को कई वैज्ञानिक, पूर्व आईपीएस अधिकारी पत्रिका के संपादक व अन्य पाठकों ने विज्ञान के लोकप्रियता हेतु एक सराहनीय कदम बताया है जिसमें पर्यावरण ऊर्जा टाइम के संपादक ने बधाई व शुभकामनायें प्रेषित की है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बेटियों पर कब थमेगा एसिड अटैक का सिलसिला ?

मनोज कुमार अग्रवाल

राजधानी दिल्ली में एसिड अटैक की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। कानून सख्त होने के बावजूद महिलाएं इस जघन्य अपराध का शिकार हो रही हैं। हाल के वर्षों में सामने आए कई मामले से यह साफ हो गया कि एसिड अटैक जैसी घटनाओं पर अभी भी पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है।

पिछले पांच सालों के आंकड़े बताते हैं कि हर साल औसतन करीब दो सौ महिलाएं इस अमानवीय अपराध की शिकार बन रही हैं, जबकि साल 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने खुलेआम एसिड की बिक्री पर रोक लगाने के आदेश जारी किए थे. कोर्ट के इस आदेश के बाद एसिड अटैक के मामले कम भले हुए थे लेकिन पूरी तरह से खत्म नहीं हुए थे. साल 2017 में जहां 244 केस दर्ज हुए, वहीं 2021 में भी 176 घटनाएं सामने आईं थी. हालांकि पिछले तीन सालों से ये आंकड़ा एक बार फिर 200 के पार जा रहा है. कड़ा कानून और सख्ती के बावजूद एसिड अटैक की वारदातों का बढ़ता आंकड़ा भयावह स्थिति को बताता है।

आपको बता दें हाल ही में दिल्ली यूनिवर्सिटी के लक्ष्मीबाई कॉलेज के पास एक छात्रा पर तेजाब से हमले की घटना सामने आई है। पीड़िता नॉन कॉलेजिएट वीमेन्स एजुकेशन बोर्ड के तहत शिक्षा हासिल कर रही है, वह कॉलेज की नियमित छात्रा नहीं है।बीते रविवार को जब वह अपनी कक्षा के लिए जा रही थी, तभी कॉलेज परिसर के बाहर बाइक सवार युवकों ने उस पर तेजाब फेंका, अपने चेहरे को बचाने के लिए छात्रा ने हाथ ढंके तो उसके हाथ बुरी तरह जल गए। पीड़िता को इलाज के लिए राममनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर और खतरे से बाहर है।

पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है, जिसमें मुख्य आरोपी जितेंद्र के बारे में खबर है कि वह करीब एक महीने से छात्रा का पीछा कर रहा था। हालांकि इसमें गंभीर घटना में एक नया मोड़ तब आया, जब आरोपी जितेंद्र की पत्नी ने पीड़िता के पिता पर बलात्कार का इल्जाम लगाकर ब्लैकमेल करने की बात कही। आरोपी की पत्नी ने पुलिस में शिकायत की है, जिसके मुताचिक, वह एसिड अटैक पीड़िता के पिता के पास काम करती थी, जहां पीड़िता के पिता ने उसके साथ जबरन संबंध बनाए और फिर ब्लेकमेल करने लगा। पुलिस ने बलात्कार और ब्लैकमेल को धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अब पुलिस तेजाब के हमले के साथ-साथ आरोपी की पत्नी के लगाए बलात्कार के आरोप के मामले की भी जांच करेगी। इधर पीड़िता ने भी बयान दिया है कि आरोपी जितेंद्र की पत्नी उसे ऐसे कामों को करने के लिए उकसाती है। पीड़िता का कहना है कि उसकी आरोपियों से कुछ दिन पहले बहस हुई थी, क्योंकि उसने आरोपी की पत्नी से छेड़ ?खानी की शिकायत की थी।

बीते अगस्त में पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर इलाके में एक व्यक्ति को अपनी पत्नी पर रासायनिक पदार्थ फेंकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपित और उसकी पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद गुस्से में उसने यह कदम उठाया। महिला को गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, वर्ष 2023 में मध्य दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में 17 वर्षीय किशोरी पर एसिड से हमला किया गया था।पीड़िता अपनी छोटी बहन को स्कूल छोड़ने जा रही थी, तभी बाइक सवार युवक ने उस पर एसिड फेंक दिया। इस हमले में युवती गंभीर रूप से झुलस गई थी। वहीं, 2022 में भी द्वारका में इसी तरह की दर्दनाक घटना हुई थी। यहां दो युवकों ने मोटरसाइकिल से जाते हुए 17 वर्षीय लड़की पर एसिड फेंक दिया था। घटना में युवती का चेहरा और गला बुरी तरह झुलस गया था, साथ ही उसकी आंखों की रोशनी पर भी स्थायी असर पड़ा।

अब ताजा मामला एक तरफ देश में कानून व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर रहा है, वहीं समाज के बिखरते ताने-बाने को भी दिखा रहा है। बलात्कार के बदले के लिए तेजाब फेंकना आंख के बदले आंख वाली निकृष्ट सोच का परिचायक है। अगर एक महिला के साथ बलात्कार जैसा घिनौना कृत्य हुआ है, तो इसकी सजा दोषी को जरूर मिलनी चाहिए, लेकिन उसके परिवार की महिलाओं पर भयावह अत्याचार किसी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं कहा सकता। आरोपी की पत्नी ने पीड़िता पर तेजाब फेंके जाने के बाद खुद के साथ बलात्कार और ब्लैकमेलिंग की घटनाओं की बात क्यों कही, इस बारे में पहले हो अगर शिकायत दर्ज होती ती एक और निर्दोष युवती को तेजाब का शिकार होने से बचाया जा सकता था।

गौरतलब है कि देश में कड़े कानून के बावजूद महिलाओं पर तेजाबी हमलों के मामले रुक नहीं रहे हैं। राज्य बदलते हैं, कारण बदलते हैं, लेकिन महिलाओं के लिए हिंसक सोच और हैवानियत भरे अपराध नहीं थमते।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 124 के तहत अगर किसी भी इंसान पर तेजाब फेंककर, पिलाकर, या किसी भी अन्य तरीके से उसके शरीर को स्थायो या आंशिक नुकसान पहुंचाया जाता है, गंभीर चोट पहुंचाने की कोशिश होती है, इसे तेजाब का हमला माना जाएगा। ऐसे मामलों में आरोपी को 10 साल तक की सजा हो सकती है, और अलग से जुमार्ना लग सकता है। ध्यान देने वाली बात है कि पूरी दुनिया में तेजाब से हमलों के मामले एशियाई देशों में सबसे ज्यादा देखे गए हैं। उसमें भी बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, कोलंबिया और कंबोडिया वो प्रमुख देश हैं जहां सबसे ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों पर गौर किया जाए, तो भारत में पिछले पांच सालों में एसिड अटैक के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। एसिड सर्वाइवर फाउंडेशन के मुताबिक 70 प्रतिशत मामलों में पीड़ित कोई महिला ही होती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नॉलॉजी इन्फर्मेशन ने तेजाब से हमले को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की थी। 2024 में प्रकाशित हुई उस रिपोर्ट में बताया गया कि पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश दो ऐसे राज्य रहे जहां पर सबसे ज्यादा एसिड अटैक के केस सामने आए। वहीं बात जब महानगरों की आती है तो राजधानी दिल्ली इस मामले में शीर्ष पर है। अच्छी बात ये है कि पहले की तुलना में तेजाब फेंकने की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन अगर एक भी ऐसा मामला दर्ज होता है, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता करने की बात है।

महिलाओं पर तेजाब फेंककर बदला लेना असल में पुरुष सत्तात्मक समाज की उस घटिया मानसिकता का परिचायक है जो स्त्री को केवल उपभोग की सामग्री की तरह देखता है। एक इंसान के तौर पर स्त्री की गरिमा और सम्मान का महत्व इस समाज में नहीं होता है। हम बाहरी तौर पर कितने भी आधुनिक दिखाई दें, लेकिन महिलाओं को जकड़ी हुई पुरातन जंजीरों को तोड़ने का काम अब तक नहीं कर पाए हैं। स्त्री अगर किसी भी तरह पुरुष के आगे समर्पण करने से इंकार करे, उसकी बराबरी करे, खुद को दोयम दर्जे का न माने, तो उस पर तरह-तरह के लांछन लगाए जाते हैं, उसके चरित्र पर सवाल उठाए जाते हैं और इसके बावजूद स्त्री को झुकाया न जा सके, तो फिर उसे तेजाब का शिकार बनाया जाता है। तेजाब फेंकने वाले स्त्री को केवल उसकी काया, उसके चेहरे का मोहताज बनाकर रखना चाहते हैं, इसलिए तेजाब से इन्हें विकृत कर वे स्त्री को समाज में उसकी कमजोर स्थिति का एहसास कराते हैं। समाज को जागरूक होकर इन समाजकंटको के खिलाफ खड़े होना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कुछ ऐसी है जोकर की दुनिया

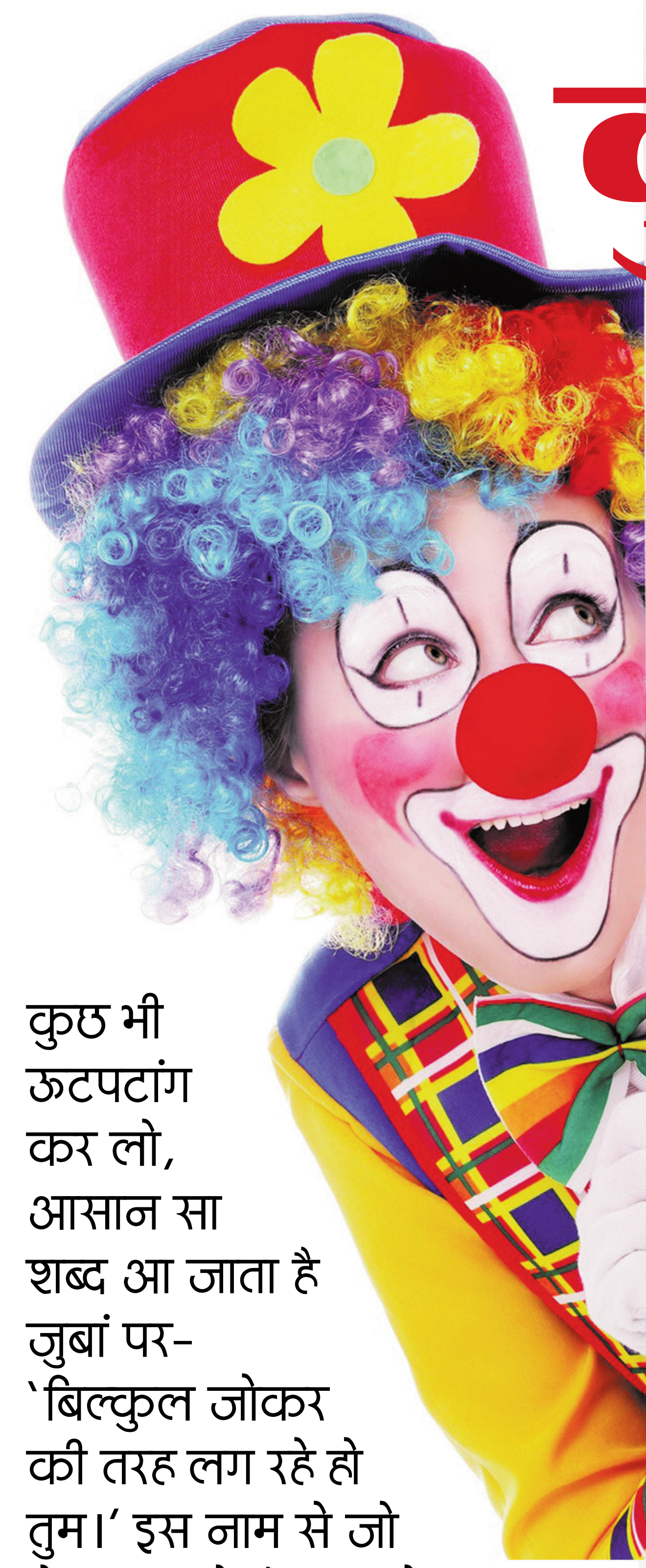

कुछ भी ऊटपटांग कर लो, आसान सा शब्द आ जाता है जुबां पर- 'बिल्कुल जोकर की तरह लग रहे हो तुम।' इस नाम से जो चेहरा आंखों के सामने उभरता है, वो होता है सफेद रंग से पुता हुआ, नाक पर चिपकी लाल रंग की गेंद, कपड़े रंगीन पर अजीब से, पैरों में बड़े साइज के जूते और हमेशा खुद को मूर्ख साबित करता हुआ, पर हंसाता जोकर।

पूरा सप्ताह है जोकर के नाम

बाल दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि न जाने कितने ही दिन हैं, जो किसी न किसी के नाम पर हैं। पर जोकर दिवस है क्या...नहीं, जोकर के लिए एक दिन नहीं पूरा सप्ताह समर्पित है दुनिया में। है ना मजेदार बात! हो भी क्यूं न, वह सबको अपने करतब व वेश-भूषा से हंसाता जो है। तो उसके लिए एक हफ्ते का सेलिब्रेशन तो बनता ही है। हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक क्लाउन वीक मनाया जाता है। यहां तक कि इसके बारे में अमेरिकी कानून भी है, जो राष्ट्रपति निक्सन द्वारा 2 अगस्त, वर्ष 1971 में बनाया गया था।

कहां से आया 'क्लाउन' शब्द

अभी दुनिया में करीब 20,000 जोकर हैं। ऐसा माना जाता है कि जोकर, जिसे अंग्रेजी में हम 'क्लाउन' के नाम से जानते हैं, इस शब्द की उत्पत्ति 'क्लूनी' शब्द से हुई, जो आइसलैंड से आया। इसका अर्थ बेडौल या फूहड़ होता है।

मसखरी करना है काम

जोकर का काम है मसखरी करना और दूसरों को हंसाना। पर यह काम इतना भी आसान नहीं। यदि तुम्हें किसी रोते हुए इंसान को हंसाने को बोला जाए तो तुम क्या करोगे- एक मिनट के लिए सोचो। मसखरी करना एक आर्ट है, जिसमें नाटकीयता, कॉमिक सेंस व शारीरिक क्षमता के साथ-साथ ह्यूमन नेचर समझने की शक्ति भी होनी चाहिए, तभी इसमें माहिर हो सकते हो तुम। मतलब, रंगीले व आकर्षक मेकअप से जोकर नहीं, बल्कि हाव-भाव भी ऐसा ही करना होगा।
जोकर पर कई फिल्में भी बनी हैं। राजकपूर ने 'मेरा नाम जोकर' में जोकर की भूमिका निभाई थी, जिसमें लोगों को हंसाया था। कभी मौका मिले तो जरूर देखना, तब समझोगे तुम।

प्रसिद्ध रहे ये जोकर

चार्ली चैपलिन भी कुछ ऐसे ही थे और हां, तुम्हारा मिस्टर बीन भी तो कुछ ऐसी ही हरकतें करता है। साल 1963 में रोनाल्ड मैकडोनाल्ड को पूरी दुनिया में पॉपुलर जोकर माना गया। वो इतने पसंद किए गए कि लाल घुंघराले बाल व लाल बड़े से जूतों के साथ तुम्हारे पसंदीदा मैकडोनाल्ड रेस्तरां के दरवाजे पर आकर खड़े हो गए। इन्हें आज भी तुम मैक डी के किसी दरवाजे पर पुतले के रूप में देख सकते हो।

कैसे बनोगे जोकर

सबसे पहले उन चीजों को जमा करो, जिस तरह के जोकर दिखना चाहते हो। कलाबाजी दिखाने को कुछ बॉल्स, गुब्बारे, कुछ मैजिक ट्रिक्स। और भी कई चीजें, जिनके आधार पर तुम अपने दर्शकों को हंसा सकते हो। इसके बाद बारी आती है तुम्हारे कपड़ों की। इनमें रंगीन पजामा या फनी सी दिखने वाली चीजें होंगी, जो तुम्हें पहननी हैं। इस कॉस्ट्यूम में बड़े और ढीले से जूते होंगे, जो महंगे होते हैं।

इन बड़े दिखने वाले जूतों को पहन करतब कैसे करोगे तुम...तो सुनो, इसके लिए इनमें कुछ रुई या फिर सॉफ्ट टॉवल डाल देना, जिससे तुम्हारे पांव में ये फिट बैठेंगे। अब आता है फेस मेकअप। आमतौर पर मेकअप खुद को आकर्षक व खूबसूरत बनाने के लिए किया जाता है, पर यहां तुम ऐसा नहीं करोगे। इस मेकअप का मतलब है तुम्हें फनी दिखाना। सफेद पेंट से पुता चेहरा काफी पारंपरिक है और जोकर के नाम से ऐसा ही कुछ उभर कर आता है दिमाग में। ये क्लाउन पेंटिंग भी कई तरह के होते हैं, जैसे अगर तुम पागल से साइंटिस्ट दिखना चाहते हो तो कुछ ऐसा मेकअप ही करोगे। खास बात यह कि जोकर कभी अपने चेहरे पर नीला रंग नहीं लगाते, क्योंकि उनका मानना है कि यह रंग अशुभ है। अपने शो को रोचक बनाने के लिए कुछ मैजिक ट्रिक्स भी सीखने होंगे तुम्हें, जो अकसर तुम सर्कस में देखते होगे। पर हां, कुछ हरकतें करने पर सावधानियां भी बरतनी होंगी तुम्हें, जैसे केले के छिलके पर फिसलना, खुद से गिर जाना, अपने साथी के पीछे भागना, पानी से भरी बाल्टी को अपने सिर पर डालना आदि, क्योंकि ऐसे करतब से दुर्घटनाओं की भी आशंका होती है। तुम्हें यह निश्चित कर लेना चाहिए कि तुम किस तरह के जोकर बनना चाहते हो और किन लोगों के साथ काम करना चाहोगे, क्योंकि इन्हीं आधार पर तुम्हें अपने करतब दिखाने होंगे, जैसे चिल्ड्रंस पार्टी, एडल्ट पार्टी, चिल्ड्रंस हॉस्पिटल या फिर सर्कस। ऑनलाइन क्लाउन ट्रेनिंग ले सकते हो तुम। अगर तुम्हारे पास ये करने का समय नहीं है या फिर तुम्हारे एरिया में ऐसा कोई ट्रेनिंग स्कूल नहीं है तो ऐसी कई सभाएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें तुम कुछ ट्रिक्स आसानी से सीख सकते हो। इसके अलावा कुछ पुराने जोकर से कॉन्टैक्ट कर कुछ गुर भी सीख सकते हो।

क्लाउन सोसाइटी

विश्व की सबसे पुरानी क्लाउन सोसाइटी है क्लाउन्स इंटरनेशनल। यह 1947 में स्थापित की गई। साल 2012 में अमेरिका के क्रिकी को अब तक का सबसे पुराना जोकर माना गया, जो 95 वर्ष की उम्र में भी काम कर रहे थे। उन्होंने कई इंटरनेशनल अवॉर्ड भी जीते। हंसी की इस दुनिया में कई प्रसिद्ध जोकर हुए तथा इन्होंने मेकअप व करतब आदि के मुताबिक रिकॉर्ड भी बनाए।

भारत में भी मना 'क्लाउन फेस्टिवल'

भारत में पहली बार क्लाउन फेस्टिवल वर्ष 2010 में मनाया गया और तब से यह हर साल मनाया जाने लगा। इस फेस्टिवल में स्टेज शो आयोजित किए गए, जिनमें जोकरों के कई करतब दिखाए गए।

घट रहे हैं जोकर

जोकरों की घटती संख्या अमेरिका में चिंता का विषय बन गई है। युवा पीढ़ियों में घटती लोकप्रियता भी इसका कारण है। वर्ल्ड क्लाउन एसोसिएशन के अनुसार, 'वर्ष 2004 से अब तक इसकी सदस्यता 3,500 से घटकर 2,500 पर आ गई है।' वर्ल्डक्लाउन.कॉम एक ऐसी वेबसाइट है, जिस पर जोकर से संबंधित सभी तरह की खबरें अपडेट की जाती रहती हैं। तो तुम जब भी चाहो, इस वेबसाइट पर इस रंगीले कैरेक्टर के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हो।

बड़े होकर बनूंगा जोकर..

बड़े होकर क्या बनोगे- इस सवाल के जवाब में तुम सब कहोगे, डॉक्टर, इंजीनियर आदि। पर क्या कोई कह सकता है कि मैं बड़ा होकर जोकर बनूंगा, नहीं ना! सोच भी नहीं सकते तुम ऐसा। जोकर को बस हंसी का पात्र समझा जाता है। पर क्या तुम्हें पता है, जोकर बनना या कॅरियर की तरह जोकर को अपनाना बुरा नहीं। काफी मुश्किल काम है यह भी। ट्रेनिंग होती है इनकी भी कभी क्लाउन कॉलेज में एडमिशन की बात सोची है तुमने? रिंगलिंग ब्रदर्स, बार्नम एंड बेली सर्कस आदि ऐसी संस्थाएं हैं, जो क्लाउन का कोर्स कराती हैं। और यदि अपने काम से वक्त निकालना मुश्किल है तो अब इंटरनेट पर भी क्लाउन इंस्ट्रक्शन मौजूद हैं। औसतन एक जोकर अमेरिका में 38,000 डॉलर के करीब एक साल में कमा लेता है।

प्यारा और अनूठा माउस डियर

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है।
शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं।
वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है।
एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

ऐसा पक्षी जो उड़ नहीं सकता

शुतुरमुर्ग एक ऐसा पक्षी है जो दौड़ सकता है पर उड़ नहीं सकता। इसका बदन बहुत भारी होता है। गर्दन लम्बी होती है ऊंट की तरह और पंख बहुत खूबसूरत। इस पर जब मुसीबत आती है तो यह भागता तो है पर अपना मुंह धरती में धंसा कर खड़ा हो जाता है और समझता है कि सुरक्षित हो गया है। शुतुरमुर्ग एक साथ बहुत से अंडे देता है। ये अंडे लगभग एक फिट व्यास के होते हैं। इनके ऊपर की परत बहुत मोटी और मजबूत होती है। इस अंडे को न तो शेर तोड़ पाता है और न लोमड़ी और न भेड़िया। मगर गिद्ध इसे तोड़ लेता है। इसे तोड़ने के लिए वह चोंच या पंजे से प्रहार नहीं करता। जिस प्रकार कभी कौए ने घड़े में से पानी पीने के लिए कंकड़ों का सहारा लिया था, वैसे ही गिद्ध बड़ा सा कंकड़ चोंच में पकड़ कर शुतुरमुर्ग के अंडे पर जोर से मारता है। और एक ही स्थान पर ऐसा बार-बार करता है इससे अंडे की परत में गड्ढा हो जाता है और गिद्ध उस गड्ढे में से अपनी चोंच डालकर अपना पेट भर लेता है। है न आश्चर्यजनक बात।

ऑफिस में इन 5 आसान तरीकों से कर सकते हैं वर्कआउट

वजन होगा कम और फिटनेस रहेगी बरकरार

आमतौर पर ज्यादातर वर्किंग लोग समय की कमी के कारण वर्कआउट नहीं कर पाते। ऐसे में डेस्क जॉब होने की वजह से उनका वजन तेजी से बढ़ने लगता है। लेकिन फिट रहने के ऐसे कई उपाय हैं, जिन्हें ऑफिस में भी फॉलो किया जा सकता है। आइए, जानते हैं आप ऑफिस में हल्का-फुल्का वर्कआउट कैसे कर सकते हैं-

हेल्दी ब्रेकफास्ट

आप सुबह ऑफिस जाने से पहले अपना हेल्दी ब्रेकफास्ट रात में ही डिसाइड कर लें कि आप कल क्या ले जाने वाले हैं। आप चीला, ऑमलेट, पोहा, उबले अंडे, वड़ा जैसी हेल्दी चीजें ट्राई कर सकते है। ऑफिस में चिप्स खाना, स्नैक्स खाते रहने से परहेज करना चाहिए।

ड्रिंक का रखें खास ख्याल

लगातार पानी पीते रहना हमारे वजन को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभाता है। इसका मतलब ओवर ड्रिंकिंग से बिल्कुल नहीं है, लेकिन आपको जरूर इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपने दिनभर में कितना पानी पिया। ज्यादा नहीं तो कम से कम हर डेढ़ घंटे में एक ग्लास पानी जरूर पिएं।

फिटनेस फ्रीक सर्कल

आपकी ऑफिस टीम में सभी न सही लेकिन कुछ लोग तो ऐसे होंगे, जो अपनी फिटनेस को लेकर सजग होंगे। उन लोगों को खोजें और उनके साथ अपने ऑफिस जिम या ऑफिस के आस-पास किसी जिम को जॉइन करें।

बैठने के तरीके पर ध्यान दें

आपकी सेहत में आपके बैठने का तरीका बहुत बड़ा रोल अदा करता है। कई घंटे गलत तरीके से बैठने से वेट भी बढ़ता है और शरीर में दर्द संबंधी बीमारियां भी। बीच-बीच में कुर्सी से उठते रहें और कुछ कदम चलते-फिरते रहें।

खाने के बाद 5 मिनट जरूर टहलें

आप खाने के बाद वॉक पर नहीं जाते, जिसका सबसे ज्यादा असर आपकी फिटनेस पर पड़ता है। खाना खाते ही डेस्क पर बैठकर काम करने से आपके पेट की चर्बी बढ़ती है।

लिपस्टिक लगाते वक्त कहीं आप तो नहीं करतीं ये गलतियां

महिलाओं के बैग में मेकअप किट हो या न हो, लेकिन एक लिपस्टिक तो जरूर रहती है। एक लिपस्टिक महिलाओं की खूबसूरती पर चार चांद लगाने का काम करती है. यदि इसे ठीक तरह से होठों पर न लगाया जाए तो यह आपकी खूबसूरती पर ग्रहण भी लगा सकती है। आइए जानते हैं कि लिपस्टिक लगाने का सही तरीका क्या है।

- लिपस्टिक लगाने से पहले ये जांच लें कि आपके होंठ रूखे या फटे न हों वरना दरारों के बीच स्किन कलर आपकी खूबसूरती बिगाड़ देगा। ऐसे में रूखे होंठों पर पहले लिप बाम या ग्लसरीन जरूर लगाएं, उसके बाद ही लिपस्टिक इस्तेमाल करें।
- लिपसटिक लगाने से पहले लिप पेंसिल से गहरे रंग का आउटलाइन या शेड बना लें. इससे होंठों का आकार उभरकर आएगा और फिर आपकी लिपस्टिक ज्यादा आकर्षक दिखेगी।
- लिपस्टिक का केवल एक ही कोट लगाएंगे तो वह जल्दी हल्की पड़ जाएगी। लिपस्टिक के कम से कम दो-तीन कोट तो जरूर लगाएं। दूसरा, लिपस्टिक का इस्तेमाल अपनी स्किल के कलर को ध्यान में रखकर करना भी जरूरी है.
- लिपस्टिक का एक कोट लगाने के बाद होंठों पर उंगलियों से हल्का सा पाउडर लगाएं, ऐसा करने से लिपस्टिक पूरी तरह सेट हो जाएगी. इसके बाद अगर आपको लग रहा हो कि लिपस्टिक हल्की लग गई है, तो एक कोट और लगा सकती हैं।

रेसिपी

रोटी रोल

सामग्री

- बची हुई रोटियां
- उबला आलू
- उबली मटर
- कसा हुआ पनीर
- बारीक कटी हुई शिमला मिर्च
- बारीक कटा एक प्याज और टमाटर
- हरे धनिया की चटनी
- टमैटो सॉस
- जीरा ■ चाट मसाला, मक्खन

विधि

पैन में बटर डालकर जीरे को सुनहरा होने तक भूनें। जीरा भुन जाने के बाद उसी पैन में प्याज भून लें। उसके बाद टमाटर, मटर और शिमला मिर्च भी भून लें। सब्जियों के भुन जाने के बाद उसमें पनीर, स्वादानुसार नमक और चाट मसाला डालें। अब रोटी रोल की फिलिंग तैयार है। अब दूसरे पैन को गर्म करने के बाद उसमें 1 टीस्पून बटर डालें। रोटी पर धनिया की चटनी और टमैटो सॉस फैला लें। उस पर तैयार किया हुआ भरावन रखने के बाद रोटी को धीरे-धीरे रोल कर लें। उसके बाद उस पर धागा या कोई और चीज बांध दें। पैन में रोटी को शैलो फ्राई कर लें। रोटी रोल के हलका गुलाबी होने के बाद उसे प्लेट में निकाल लें। और मजे से स्वाद लेते हुए खाएं।

ऑरेंज रसमलाई

■ फुल क्रीम दूध- 3 लीटर ■ विनिगर- 2 चम्मच ■ फ्रेश ऑरेंज जूस- 1 कप ■ संतरे का कद्दूकस किया छिलका- 1 चम्मच ■ ऑरेंज पल्प- 3 चम्मच ■ अरारोट- 2 चम्मच ■ बेकिंग सोडा- चुटकी भर ■ चीनी- 1-1/2 + 1/2 कप ■ पानी- 5 कप ■ ऑरेंज एसेंस- 4 बूंद ■ ऑरेंज फूड कलर- 1/4 चम्मच
■ बारीक कटे मेवे- गार्निशिंग के लिए

विधि

ऑरेंज रसमलाई बनाने के लिए सबसे पहले पनीर बनाएं। पनीर बनाने के लिए पैन में दो लीटर दूध उबाल लें। जब दूध उबलने लगे तो उसमें ऑरेंज जूस, संतरे का कद्दूकस किया छिलका और विनिगर डालकर मिलाएं। दूध तुरंत फट जाएगा। गैस तुरंत बंद कर दें। तीन से चार मिनट के बाद दूध को सूती कपड़े की मदद से छान लें। कपड़े में पनीर को बांधकर लटका दें ताकि पनीर से सारा पानी निकल जाए। जब पनीर तैयार हो जाए तो एक दूसरे पैन में बचे हुए एक लीटर दूध को मध्यम आंच पर आधा हो जाने तक पकाएं। जब दूध की मात्रा आधी हो जाए तो उसमें आधा कप चीनी, चुटकी भर ऑरेंज कलर और ऑरेंज एसेंस मिलाएं। उसमें अरारोट पाउडर व चुटकी भर ऑरेंज कलर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। पनीर को पंद्रह से बीस मिनट तक अच्छी तरह से गूंद लें। जब पनीर बहुत मुलायम हो जाए तो उससे छोटी-छोटी लोई काट लें और उसे गोल आकार दे दें। प्रेशर कुकर में पानी और डेढ़ कप चीनी डालकर उबालें। जब चीनी घुल जाए तो कुकर में पनीर के तैयार बॉल्स की आधी मात्रा डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। पनीर के बॉल्स को अब कुकर से निकालकर तैयार दूध में डाल दें। अब उसी चाशनी में पनीर के बचे हुए बॉल्स डालें और अब रसमलाई तैयार है। अब इसे फ्रिज में कम-से-कम पांच से छह घंटे तक रखें। बारीक कटे मेवे से सजा कर पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2624

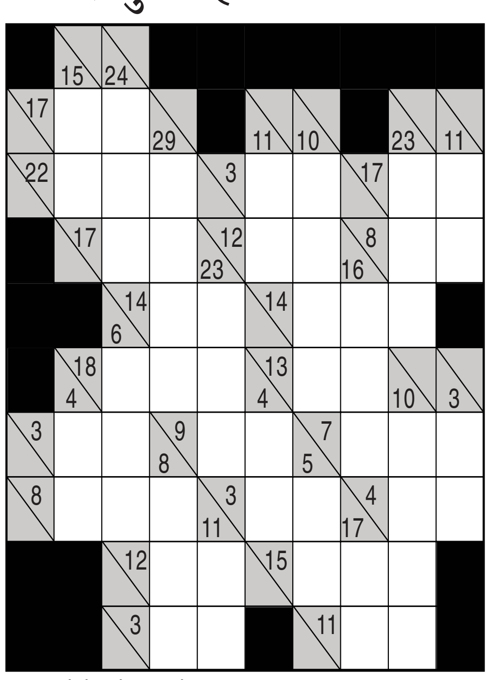

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

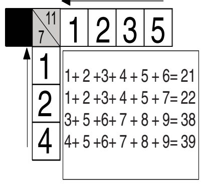

काकुरो - 2623 का हल

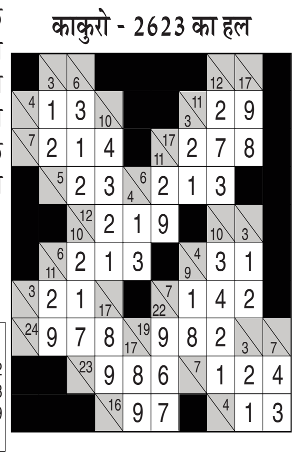

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2624

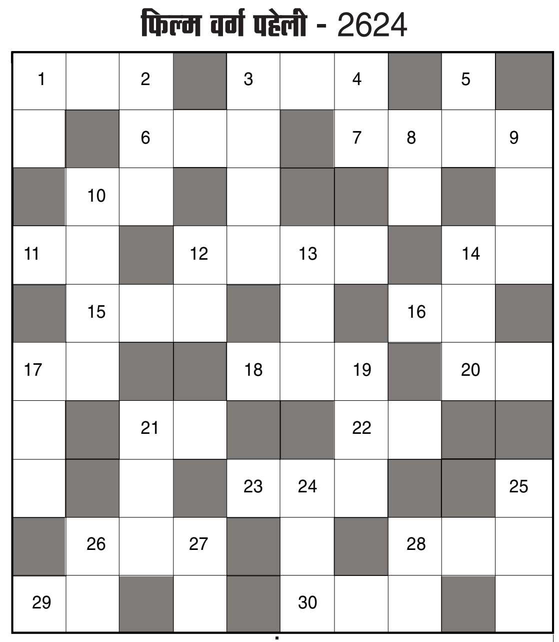

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2623

सं	गी	त	■	भा	भी	■	दी	दा	र
ग्रा	■	ह	स्ती	■	गी	ता	■	स्ता	■
म	ह	ल	■	ही	रा	■	जा	न	म
■	■	का	श	■	त	मि	ल	■	न
शो	ले	■	गु	ड्डू	■	थु	■	■	मौ
र	■	शा	न	■	जा	न	की	बा	जी
■	डॉ	न	■	स	नी	■	■	द	■
क	■	दा	सी	■	दु	■	स	ल	मा
सौ	■	र	■	दु	श्म	न	■	■	चि
टी	ना	■	माँ	■	न	■	पा	र	स

सूडोकु -2624

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2623 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 2624

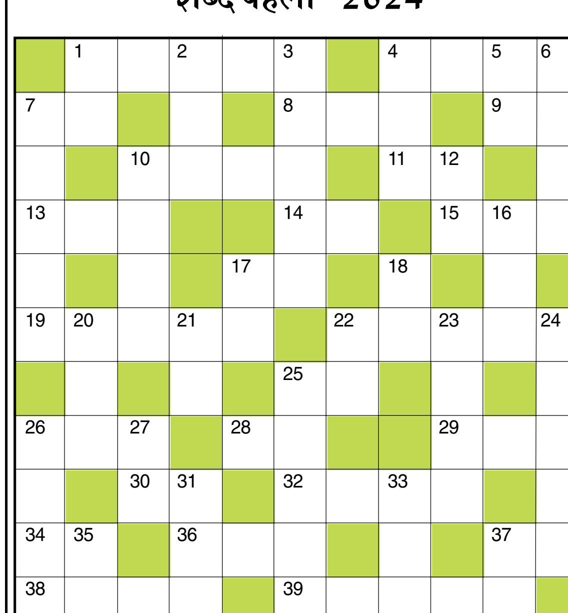

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 2623 का हल

आ	ला	क	मा	न	■	■	क	मी	ज	■
रा	ल	■	न	■	श	प	थ	■	मा	मा
म	■	■	ध	नि	क	■	न	■	■	लि
दे	ह	दा	न	■	■	अ	■	ल	ल	क
ह	■	खि	■	बे	शु	मा	र	■	ह	■
■	सा	ल	■	ल	■	न	■	सु	र	■
■	हि	■	ब	गा	व	त	■	र	■	हा
ज	ल	न	■	म	■	■	अ	भि	मा	नि
ग	■	■	चु	■	रा	ज	न	■	■	का
त	र	■	ना	ह	क	■	ब	■	चा	र
■	ब	हा	व	■	■	म	न	मो	ह	क

एसआईआर के बाद बिहार में लाखों वोट कटेः सांसद बर्क

एजेंसी

संभल। उत्तर प्रदेश के जिला संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा है कि 12 राज्यों में विशेष एकीकृत संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत बिहार में लाखों की संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटने का आरोप लगाया है। उन्होंने चुनाव आयोग से निष्पक्ष काम करने की अपील की। सांसद जियाउर्रहमान बर्क शुक्रवार को अपने आवास पर एक पत्रकार वार्ता में एसआईआर पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। सांसद बर्क ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित 12 राज्यों में एसआईआर लागू किया जा रहा है, जिसका समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। संसद के पिछले मानसून सत्र में भी इस प्रक्रिया के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हुए थे। बर्क ने कहा कि देश-प्रदेश के नागरिकों को संविधान के अनुसार दिए गए मतदान के अधिकार को अनुचित तरीके से नहीं काटा जाना चाहिए। उन्होंने इसे लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने के लिए आवश्यक बताया। सांसद ने कहा कि समाजवादी पार्टी इस मुद्दे पर तैयारी कर रही है। पार्टी ने बूथ लेवल ऑफिसर के साथ-साथ बूथ लेवल एजेंट और पीडीए प्रहरी नियुक्त किए हैं। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सपा और विपक्ष के मतदाताओं के नाम अनावश्यक रूप से न काटे जाएं।

जोधपुर में सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी कार्रवाई, आतंकी संगठन से जुड़े होने के आरोप में मौलवी सहित दो अन्य को पकड़ा

जोधपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी, एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और इंटेलिजेंस ब्यूरो की संयुक्त टीमों ने जोधपुर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सूत्रों के अनुसार, जोधपुर के चोखा क्षेत्र से अयूब पुत्र गफ्फार नामक युवक को हिरासत में लिया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अयूब के आतंकी गतिविधियों और एक अंतरराष्ट्रीय गैंग से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, इस कार्रवाई के तहत पीपाड़ क्षेत्र और सांचोर से भी एक-एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि जांच एजेंसियों को इन सभी के पास से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले है, जिनकी जांच की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हिरासत में लिए गए तीनों व्यक्तियों में से दो मौलवी बताए जा रहे हैं। फिलहाल एजेंसियां संदिग्धों से पूछताछ में जुटी हैं और उनके नेटवर्क तथा संभावित संपर्कों की जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कई स्थानों पर तलाशी अभियान भी तेज कर दिया है चौखा में पकड़ा मौलवी जोधपुर के चोखा क्षेत्र में रहने वाले मौलवी अयूब को संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त होने के शक में शुक्रवार सुबह हिरासत में लिया गया।

किसानों को 30 जून 2026 से पहले कर्जमाफी दी जाएगीः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र के किसानों को 30 जून 2026 से पहले कर्जमाफी का आश्वासन किसान नेताओं को दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्जमाफी के लिए आज ही प्रवीण परदेशी की अध्यक्षता में 9 सदस्यीय समिति गठित की जाएगी। इस समिति की रिपोर्ट अप्रैल 2026 तक राज्य सरकार को सौपने का निर्णय लिया गया है। इस समिति की रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार किसानों को कर्जमाफी का फैसला करेगी। मुख्यमंत्री के इस आश्वासन के बाद पूर्व मंत्री बच्चू कडू ने नागपुर में आयोजित किसानों का आंदोलन वापस लेने का निर्णय लिया है। बच्चू कडू ने मुंबई में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने सरकार से किसानों की कर्जमाफी की तारीख बताने के लिए ही नागपुर में किसानों का आंदोलन किया था। आज मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किसानों की समस्याओं को देखते हुए किसान नेताओं की बैठक आयोजित की थी। इसी बैठक में मुख्यमंत्री ने किसानों को कर्जमाफी देने के लिए प्रवीण परदेशी की अध्यक्षता में 9 सदस्यीय उच्चाधिकार समिति गठित किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि इस उच्चाधिकार समिति की रिपोर्ट अप्रैल 2026 तक रिपोर्ट देने को कहा गया है। उच्चाधिकार समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद राज्य सरकार किसानों की कर्जमाफी का निर्णय 30 जून 2026 तक लेगी।

जिन पर कई मुकदमे दर्ज, राजद ने उन्हें दिया टिकटः उपेंद्र कुशवाहा

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव में सियासी दलों का प्रचार जोर पकड़ चुका है। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों पर कई-कई मुकदमे दर्ज हैं, ऐसे लोगों को उम्मीदवार बनाया गया है। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'बिहार में जंगलराज खत्म हो गया है, लेकिन आरजेडी ऐसे लोगों को प्रत्याशी बनाया है जिनके ऊपर 15-20 मुकदमे दर्ज हैं। इसमें हत्या, लूट और मारपीट सहित कई मुकदमे भी हैं। इसके बाद ये लोग हम पर उंगली उठा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ही बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हम लोगों की सहमति है कि नीतीश कुमार को ही सीएम बनना है। वह अभी सीएम हैं और आगे भी रहेंगे। इसमें किसी को कोई समस्या या शक नहीं है। संकल्प पत्र जारी करने के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के देर तक नहीं रुकने पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि वे चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। उनकी सहमति के बाद ही हम लोगों ने संकल्प पत्र को जारी किया है। उन्होंने मनमुटाव की बात को खारिज करते हुए कहा कि हम लोग एक साथ हैं। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बन रही है।

हिंद महासागर में चीन की हर गतिविधि पर भारत की नजर, दुश्मन को देंगे कड़ा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने फिर दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, हम पूरी तरह तैयार हैं। किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम हिंद महासागर में प्रत्येक चीनी जहाज पर नजर रख रहे हैं। हमें उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी है। मौजूदा स्थिति के कारण हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्र-बाह्य शक्तियों की निरंतर उपस्थिति बनी हुई है। नौसेना उप प्रमुख आज फरवरी में अंतरराष्ट्रीय फ्लीट समीक्षा के साथ-साथ मिलन अभ्यास और आईओएनएस चीफ्स कॉन्क्लेव के आयोजन पर कर्टेन रेजर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। भारतीय नौसेना अगले साल फरवरी में विशाखापत्तनम में अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा का आयोजन करेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 18 फरवरी को बेड़े की

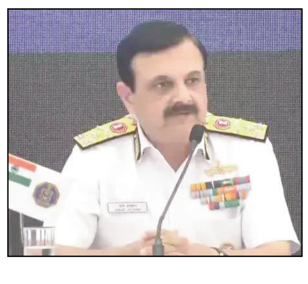

समीक्षा करेंगी। इस कार्यक्रम में पहली बार स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के साथ-साथ कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां भी भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि अमेरिका और रूस दोनों ने अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा और मिलन अभ्यास में भाग लेने की पुष्टि कर दी है। वे अपने जहाज भेजेंगे। कुछ विमानों के भी आने की उम्मीद है।

वाइस एडमिरल ने कहा कि हमने बड़ी संख्या में देशों को निमंत्रण भेजा है और अब तक हमें 55 से ज्यादा देशों से प्रतिक्रिया मिली है, जिन्होंने तीनों कार्यक्रमों में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की है। बहुत बड़ी संख्या में नौसेनाएं अपने जहाज भेजने के अलावा उच्च-स्तरीय समर्पण के माध्यम से भी भाग लेंगी। उप नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत फरवरी के अंत में क्षेत्र में सबसे बड़े समुद्री अभ्यास की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि यह मिलन अभ्यास 20-25 फरवरी को होगा, जिसमें अभी भी चार महीने बाकी हैं, इसलिए जैसे-जैसे और पुष्टियां आती जाएंगी, ये संख्याएं बदलती रहेंगी। भारतीय नौसेना नवंबर में गुआम में मालाबार अभ्यास में भाग लेगी।वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने कहा कि यद्यपि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है, फिर भी विदेशी देशों के साथ हमारी बातचीत, हमारे चल रहे अभ्यासों और हमारी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं है। कोई पूर्ण विराम नहीं है। हम ऑपरेशन सिंदूर के लिए तैनात हैं। किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि क्वजहां तक दुनिया का सवाल है, तो हिंद महासागर माल और तेल के आवागमन का मुख्य स्रोत है। यह नहीं बदलता और इसके साथ ही पारंपरिक और गैर-पारंपरिक मुद्दों से जुड़ी चुनौतियां भी बढ़ती हैं।

बीएसएफ ने पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा

एजेंसी

चंडीगढ़। बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर कार्रवाई करते हुए फिरोजपुर सेक्टर के साथ जलालाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी नागरिक को अवैध रूप से भारतीय सीमा में दाखिल होने के आरोप में काबू किया है। बहिराम पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

बीएसएफ के अनुसार बार्डर आउटपोस्ट डीआरडी पोस्ट नंबर पांच के पास डयूटी पर तैनात हवलदार शेख हामिद तथा कांस्टेबल पवन कुमार ने सतलुज दरिया के किनारे एक पाकिस्तानी नागरिक को संदिग्ध तरीके से भारतीय सीमा में दाखिल होते हुए देखा। बीएसएफ जवानों ने चेतावनी के बाद घेराबंदी करके उसे हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक जांच में पकड़े गए पाक नागरिक ने अपना नाम इमतियाज़ अहमद निवासी गांव परवाल, तहसील नरवाल, जिला शकरगढ़ पाकिस्तान बताया है।

बिहार के लोगों की आस्था को चोट पहुंचाकर महागठबंधन नहीं ले पाएगा वोटः मनोज तिवारी

एजेंसी

पटना । भाजपा नेता मनोज तिवारी ने दावा किया कि बिहार की जनता का रुझान पूरी तरह से एनडीए के पक्ष में है। राज्य में एक बार फिर से राजग की सरकार बनने जा रही है। प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पूरी तरह से हमारे पक्ष में है। उन्होंने छठ को लेकर राहुल गांधी के बयान को लेकर महागठबंधन पर निशाना साधा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मैं खुद देख पा रहा हूं कि लोग एनडीए की कार्यप्रणाली से पूरी तरह से खुश हैं। बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश की जनता का रुझान पूरी तरह से सकारात्मक नजर आ रहा है, हालांकि अभी हमें बारिश की वजह से चुनाव प्रचार में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन इससे लोगों के उत्साह में कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कल बारिश की वजह से मैं अपने प्रचार स्थल पर नहीं जा सका। इसके बाद मैंने फेसबुक से संबोधन देने का फैसला किया। इस संबोधन के बाद मैं पूरी तरह से आश्चर्यचकित हो गया। फेसबुक से संबोधन के दौरान करीब छह लाख से ज्यादा लोग जुड़े। सभी लोग एनडीए सरकार की उपलब्धियों

के बारे में जानने के लिए आतुर नजर आ रहे थे। सभी का उत्साह चरम पर नजर आ रहा है। निश्चित तौर पर इस स्थिति को एनडीए के लिए शुभ संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। मनोज तिवारी ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण का मुद्दा हमारी सरकार की प्राथमिकता की सूची में शीर्ष पर है। हम उनके हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं कर सकते हैं। हमारी सरकार ने महिलाओं को 10 हजार रुपये 'सीड मनी' के रूप में देने का फैसला किया है और महिलाओं के हित में आगे भी इसी तरह से कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा नेता ने कहा कि मैं अपने बिहार के भाइयों और बहनों से यही कहना चाहूंगा कि हम बिहार की कश्ती को तूफान से निकालकर लाए हैं। अभी हमें इसे आगे लेकर जाना है। हम चाहते हैं कि बिहार में चौतरफा विकास से संबंधित काम देखने को मिले।

हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विकास से संबंधित कामों में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं हो। मनोज तिवारी ने महागठबंधन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई भी व्यक्ति किसी की आस्था पर हमला करके कुछ भी अर्जित नहीं कर सकता। मेरा महागठबंधन के सभी लोगों से सवाल है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छठ करने वालों को ड्रामा बताया है। क्या ऐसी स्थिति में तेजस्वी बाबू राहुल गांधी से छुटकारा प्राप्त कर लेंगे? अगर तेजस्वी यादव राहुल गांधी से छुटकारा प्राप्त नहीं करेंगे।

एनडीए के घोषणा पत्र से बहुत खुशी हुई, मैं भी इस व्यवस्था का हिस्सा हूंः मैथिली ठाकुर

एजेंसी

दरभंगा । पटना में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपना साझा घोषणा पत्र जारी किया। राजधानी के होटल मौर्य में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा पत्र को जारी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान, 'हम' प्रमुख जीतनराम मांझी और आरएलएम के उपेंद्र कुशवाहा सहित एनडीए के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। एनडीए के 'संकल्प पत्र' पर अलीनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर ने समाचार एजेंसी बात करते हुए कहा, 'यह वाकई बहुत अच्छी बात है और अब जबकि मैं भी इस व्यवस्था की सदस्य बन गई हूं, मुझे इस घोषणा पर बहुत खुशी है। मैं भी इसे सफल बनाने में सक्रिय योगदान दूंगी।' उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का सम्मान और प्रभाव वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है। उनकी लोकप्रियता अपार है।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में कहा, 'उनके नाम का वाकई बहुत प्रभाव

है। लोग उनका बहुत सम्मान करते हैं, न सिर्फ भारत में, बल्कि विदेशों में भी उनका बहुत सम्मान है। मैंने खुद यह देखा है, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और लंदन जैसे देशों में मेरे कार्यक्रमों के दौरान, उन देशों के लोगों ने भी मुझे बधाई संदेश भेजे हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी से बेहद प्रभावित हैं। मेरे लिए यह स्पष्ट है कि उनका प्रभाव और सम्मान भारत से कहीं आगे तक फैला हुआ है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में दिए गए बयान पर कहा, 'अब मुझे किसी बात से हैरानी नहीं होती। न ही मुझे यह कहने का मन करता है कि 'अरे, वे ऐसा कैसे कह सकते हैं?' विपक्ष का काम है बोलना, अगर वे नहीं बोलेंगे, तो और कौन बोलेगा?' बता दें कि बिहार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने पीएम मोदी पर ड्रामा करने का आरोप लगाया।

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में हुई इंटीग्रेटेड फायर एंड एक्सरसाइज 'सेंटिनल स्ट्राइक'

एजेंसी

बीकानेर। सप्त शक्ति कमान आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कहा है कि काउंटर वॉरफेयर आज की प्राथमिकता है। ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत ने देखा कि शत्रु देश ने ड्रोन के माध्यम से हमले किए, परंतु भारतीय सेना के काउंटर अटैक सिस्टम ने किसी भी प्रकार की हानि नहीं होने दी। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में इंटीग्रेटेड फायर एंड एक्सरसाइज 'सेंटिनल स्ट्राइक' के मौके पर पहुंचे आर्मी कमांडर ने गुरुवार रात्रि पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भारतीय सेना लगातार नई तकनीकों को अपनाकर अपने प्रशिक्षण और युद्धक तैयारियों को बेहतर बना रही है। यह अभ्यास उसी दिशा में एक छोटा-सा डेमोंस्ट्रेशन था, जो दर्शाता है कि सभी सेनाएं मिलकर किसी भी शत्रु आक्रमण का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 70 प्रतिशत युद्धाभ्यास रात्रि में आयोजित किए जा रहे हैं, क्योंकि हाल

फोटोःरामरतन मोदी

के समय में देश की सुरक्षा चुनौतियों का अधिकांश सामना रात के समय हुआ है। वर्तमान में भारतीय सेना के पास सर्विलांस ड्रोन, अटैक ड्रोन और काउंटर ड्रोन – तीनों प्रकार की क्षमताएं हैं, जिनकी तैनाती सभी यूनिट्स में की जा चुकी है। इसके साथ ही 'अशनी प्लाटून', 'दिव्यास्त्र बैटरी' और 'शक्तिमान बटालियन' को भी शामिल किया गया है, जो ड्रोन से मुकाबले में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नार्को-टेररिज्म के विषय में पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने बताया कि भारतीय सेना बीएसएफ के साथ मिलकर सीमावर्ती इलाकों में नशे और आतंक के गठजोड़ को तोड़ने के लिए समन्वित अभियान चला रही है।

इस दिशा में सेना के तीन और बीएसएफ के दो सिस्टम मिलकर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।आर्मी कमांडर ने यह भी कहा कि इस पूरे अभ्यास में इस्तेमाल किये गए अधिकांश सैन्य उपकरण, प्रणाली और तकनीक स्वदेशी हैं। उन्होंने कहा कि भारत न केवल औद्योगिक और वैज्ञानिक क्षेत्रों में, बल्कि रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। साइबर युद्ध के विषय में उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की नीति हमेशा 'डिफेंसिव रोल' की रही है, परंतु साइबर सुरक्षा और सूचना युद्ध की दिशा में सेना लगातार अपने सिस्टम को और सुदृढ़ बना रही है। उन्होंने यह भी बताया कि बेंगलुरु में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केंद्र की स्थापना की गई है, जो भारतीय सेना की तकनीकी क्षमताओं को नई दिशा प्रदान कर रहा है। महिलाओं की भूमिका पर उन्होंने कहा कि अब एनडीए को महिला अधिकारियों के लिए खोल दिया गया है तथा सीएमपी (कार्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस) में भी भर्ती प्रारंभ हो चुकी है। शिक्षण संस्थानों के माध्यम से बालिकाओं को सेना में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

देश के सबसे कम प्रदूषित स्थानों की सूची में झांसी चौथे नंबर पर, रोहतक की स्थिति सबसे खराब

एजेंसी

झांसी। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने देश के 243 शहरों के वायु प्रदूषण की सूची जारी की है। देश के सभी राज्यों में उत्तर प्रदेश का झांसी शहर इस समय देश के सबसे कम प्रदूषित शहरों में चौथे नंबर पर शुमार किया गया है। मोन्था तूफान के कारण हुई बारिश से झांसी का AQI (एयर क्वालिटी इंडेक्स) गिरकर सिर्फ 20 पर आ गया, जिसने इसे शुद्ध हवा वाले शहरों की सूची में चौथा स्थान दिलाया है। ऐसा मानना है कि बारिश की वजह से हवा में मौजूद प्रदूषण के कण साफ हो गए, जिससे शहरवासियों को स्वच्छ हवा में सांस लेने का मौका मिला है। देश में हवा का सबसे शुद्ध व कम AQI छत्तीसगढ़ के कुंजेमुरा (16) का रहा। सूची में बारीपाड़ा (18) दूसरे, ऊंटी (19) तीसरे और गंगटोक व नयागढ़ (21) संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। हरियाणा का रोहतक सबसे ज्यादा प्रदूषित सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने देश के 243 शहरों के वायु प्रदूषण की सूची जारी की। जिसमें सभी शहरों का पिछले 24 घंटे का औसत एक्यूआई जारी किया गया। देश में सबसे प्रदूषण शहरों की सूची में हरियाणा का रोहतक पहले नंबर पर है। जहां का एक्यूआई 426 दर्ज किया गया। दूसरे और तीसरे नंबर पर हरियाणा के धारूहेड़ा (406) और चरखी दादरी (392) रहे। चौथे पर दिल्ली (373) और नोएडा (372) पांचवें स्थान पर रहा। जानें वायु गुणवत्ता सूचकांक वायु गुणवत्ता का अर्थ है कि हवा कितनी साफ या प्रदूषित है। जब हवा साफ होती है तो उसे अच्छी वायु गुणवत्ता माना जाता है यानी हवा हानिकारक पदार्थों से मुक्त है। अगर हवा में हानिकारक प्रदूषक अधिक मात्रा में होते हैं तो उसे खराब वायु गुणवत्ता कहते हैं। जो मनुष्यों, पशुओं और वनस्पतियों के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

मप्र में हुआ चीता पुनर्स्थापन का ऐतिहासिक कार्य, जल्द नौरादेही अभयारण्य में भी छोड़े जाएंगे चीते

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जो चीता पूरे एशिया से गायब हो गया था, उन चीतों के पुनर्स्थापन का प्रयास विश्व में कई जगह हुआ, लेकिन हमें खुशी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से मध्य प्रदेश में चीता पुनर्स्थापन का ऐतिहासिक कार्य हुआ। यह पुनर्स्थापना पहले पालपुर कूनो और बाद में राज्य के अंदर ही गांधी सागर में हुआ है। बहुत जल्द नौरादेही एक और अभयारण्य बनने वाला है। इसमें अफ्रीका, नामीबिया से चीते लाकर छोड़े जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को खण्डवा में मां नर्मदा के तट पर मगरमच्छ छोड़ने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश नदियों का मायका है। मध्य प्रदेश में ईश्वर के आशीर्वाद से थलचर, जलचर और नभचर सभी प्रकार के जीव स्वच्छंद रूप से अपना जीवन यापन करते हैं। आज ओंकारेश्वर में मां नर्मदा के निर्जन स्थान पर मगरमच्छ प्राकृतिक आवास पर छोड़े गए हैं। मां नर्मदा के वाहन मगरमच्छ हैं, जो मध्य प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मां नर्मदा के प्रवाह में चार मादा दो नर मगर छोड़े गए हैं। उन्हों ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा जिले में हुए इस शुभ कार्य के लिए और प्रदेश की स्थापना दिवस के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी। इस अवसर पर वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह भी उपस्थित थे। इससे

प्रदेश में घड़ियाल और मगरमच्छ, चम्बल, सोन बरगी और अन्य नदियों में हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल का ईको -सिस्टम पर्यावरण की भी रक्षा करता है। जिस प्रकार मां नर्मदा का आशीर्वाद सबको मिलता है, मां नर्मदा अपने वाहन मगर को भी आशीर्वाद दे और प्राकृतिक रूप से स्वच्छता का यह कार्य होता रहे। पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खंडवा जिले के नर्मदानगर (पुनासा) में विधिवत रूप से पूजन कर वन विहार भोपाल से लाये गये 6 मगरमच्छों को मां नर्मदा नदी के सलिल जल में स्वच्छंद छोड़ा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जीवों के संरक्षण के लिए संकल्पबद्ध है।

अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता के लिए भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि उसको और अफगानिस्तान को पाकिस्तान की ओर से जारी सीमापार आतंकवाद स्वीकार्य नहीं है। दोनों देश अपनी संप्रभुता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संघर्ष पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि ऐसा लगता है कि पाकिस्तान यह मान रहा है कि उसे बिना किसी दंड के सीमापार आतंकवादी गतिविधियां संचालित करने का अधिकार है। उसके पड़ोसी इसे अस्वीकार्य मानते हैं। भारत अफ़ग़ानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। दोनों देशों के बीच मध्यस्ता के बावजूद सीमा और संघर्ष के मुद्दों पर वार्ता विफल रही है।

चीन सीमा पर ऑपरेशनल हुआ दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई अड्डा

चीन के झिन्जियांग सैन्य क्षेत्र और पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र में बढ़ेगी सेना की ताकत

एजेंसी

लद्दाख। भारत ने चीन सीमा से महज के पास 50 किलोमीटर दूर दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई अड्डा चालू करके इतिहास रच दिया है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब 13 हजार 700 फीट की ऊंचाई पर न्योमा एयरफील्ड को अपग्रेड करके तैयार किये गए इस हवाई अड्डे से मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई विमान उड़ान भर सकेंगे। यहां से भारत चीनी सेना के झिन्जियांग सैन्य क्षेत्र और पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र में सैन्य बेस कादरी से मिलने वाली चुनौती का सामना करने में आसानी होगी। हालांकि, भारत ने इससे पहले 16,600 फीट की ऊंचाई पर दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई अड्डा दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) में तैयार किया था, लेकिन वह मौसम और रणनीति के लिहाज से अधिक उपयोगी नहीं माना गया। वहां परिस्थितियां सामान्य होने पर विमान उतारा जा सकता है, लेकिन युद्ध या चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इसका प्रयोग नहीं किया जा सकता था। ऐसे में लेह और थोइस के अलावा लद्दाख में लड़ाकू विमानों के लिए एक वैकल्पिक ऑपरेटिंग बेस की जरूरत महसूस की गई थी। मौसम की स्थिति ने इन दोनों अड्डों की परिचालन

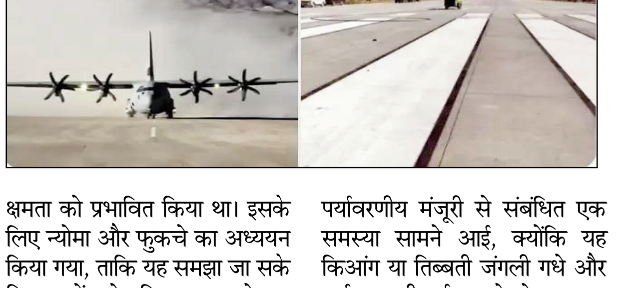

क्षमता को प्रभावित किया था। इसके लिए न्योमा और फुकचे का अध्ययन किया गया, ताकि यह समझा जा सके कि इनमें से किसका इस्तेमाल लड़ाकू अभियानों के लिए किया जा सकता है। फिलहाल, फुकचे में रनवे का विस्तार करने और अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण की क्षमता सीमित थी, इसलिए पलड़ा न्योमा के पक्ष में झुक गया। न्योमा का चुनाव मौसम की परिस्थितियों के अध्ययन के बाद किया गया, जो पूरे वर्ष विमानों के संचालन के अनुकूल रहता है। हालांकि, यहां चांगथांग वन्यजीव अभयारण्य के चलते पर्यावरणीय मंजूरी से संबंधित एक समस्या सामने आई, क्योंकि यह किआंग या तिब्बती जंगली गधे और दुर्लभ काली गर्दन वाले क्रेन का घर है। इसके बाद भारतीय वायु सेना ने पर्यावरण मंजूरी हासिल करने के लिए विस्तार योजनाओं पर फिर से काम किया, जो कुछ शर्तों के साथ पूरी होने पर न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के अपग्रेड होने का रास्ता साफ हो गया। रक्षा मंत्रालय ने चीनी बुनियादी ढांचे की विकास गतिविधियों के जवाब के रूप में पूर्वी लद्दाख सीमा के पास 18 सितंबर, 2009 को शिलान्यास किये गए न्योमा एयरफील्ड को अपग्रेड करने का फैसला लिया था। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने 13 हजार 700 फीट की ऊंचाई पर भारत के सबसे ऊंचे एयरबेस न्योमा को तैयार करने की जिम्मेदारी बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) को सौंपी। न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड का मौजूदा रनवे वास्तव में मिट्टी से बना होने से केवल सी-130जे जैसे विशेष परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों को उतारा जा सकता था। यहां से लड़ाकू विमानों को संचालित करने में सक्षम बनाने के लिए कई अहम बदलाव किये गए हैं। बीआरओ ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सिर्फ 50 किलोमीटर दूर न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) पर लड़ाकू अभियानों के लिए 2.7 किमी लंबा कंक्रीट का रनवे बनाया है।

बिहार के कटिहार स्थित गोगाबील झील रामसर स्थल की सूची में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के कटिहार ज़िले स्थित गोगाबील झील को देश के नवीनतम रामसर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह एक संरक्षण एवं सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र है, जिसका संरक्षण और प्रबंधन स्थानीय समुदाय द्वारा किया जा रहा है। अब बिहार में कुल 6 रामसर स्थल हो गए हैं, और वह देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर जनाकारी साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस के इस विशेष अवसर पर यह साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि भारत वेटलैंड संरक्षण के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियाँ दर्ज कर रहा है। बिहार के कटिहार ज़िले स्थित 86.63 हेक्टेयर में फैले

गोगाबील झील को देश के नवीनतम रामसर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि यह एक संरक्षण एवं सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र है, जिसका संरक्षण और प्रबंधन स्थानीय समुदाय द्वारा किया जा रहा है। अब बिहार में कुल 6 रामसर स्थल हो गए हैं, और वह देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह झील स्थानीय समुदाय द्वारा आजीविका के लिए समझदारीपूर्वक उपयोग में लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस नयी मान्यता के साथ देश में कुल रामसर स्थलों की संख्या 94 हो गई है। पिछले 11 वर्षों में 67 नए स्थलों को जोड़ा गया है, जो कुल 13,60,805 हेक्टेयर क्षेत्र को आच्छादित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी बना हुआ है। एशिया में भारत पहले स्थान पर और विश्व में तीसरे स्थान पर है, जो यह दर्शाता है कि हमारे देश में इन अंतरराष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड्स को जैव विविधता, जलवायु सहनशीलता, इको-टूरिज्म और स्थानीय समुदायों की सतत आजीविका के लिए कितनी प्राथमिकता दी जा रही है।

महिला वर्ल्ड कप 2025 का फाइनल आज, भारत-साउथ अफ्रीका आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को इतिहास रचने जा रहा है, जब भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमें आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले के साथ दुनिया को एक नई विश्व चैंपियन टीम मिलेगी, क्योंकि दोनों में से कोई भी टीम अब तक यह खिताब नहीं जीत सकी है। भारतीय टीम 2005 और 2017 के बाद तीसरी बार वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेल रही है, जबकि साउथ अफ्रीका पहली बार इस मुकाम तक पहुंचा है। घरेलू परिस्थितियों और हालिया फॉर्म को देखते हुए टीम इंडिया को खिताब जीतने का मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

महिला वनडे विश्व कप में यह पांचवां मौका है जब कोई मेजबान टीम फाइनल में पहुंची है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया (1988), इंग्लैंड (1993 और 2017) और न्यूजीलैंड (2000) ऐसा कर चुके हैं। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट के लीग चरण में सात में से तीन मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर धमाकेदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश किया। यह वही ऑस्ट्रेलियाई टीम थी, जिसने पूरे टूर्नामेंट में अब तक कोई मैच नहीं गंवाया था। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात में से पांच मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रन से हराया। फाइनल में भारतीय टीम को अपनी स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज और कप्तान हरमनप्रीत कौर से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा और श्री चरणी की भूमिका अहम रहने वाली है। वहीं, साउथ अफ्रीका की टीम बल्लेबाजी में कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट और ताजमिन ब्रिट्स पर निर्भर रहेगी, जबकि गेंदबाजी की कमान मारिजैन कप्प और नॉनकुलुलेको म्लाबा के हाथों में होगी।

अब तक के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमों के बीच 1997 से लेकर अब तक कुल 34 वनडे मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने 20 बार जीत दर्ज की है, जबकि साउथ अफ्रीका को 13 मैचों में सफलता मिली है। एक मैच बेनतीजा रहा था। डीवाई पाटिल स्टेडियम में पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है, इसलिए टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को आसमान में बादल रहेंगे और बारिश की संभावना भी है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। अगर बारिश की वजह से मैच पूरा नहीं हो पाता, तो 3 नवंबर को रिजर्व डे रखा गया है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत की टीम ःहरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्ज, ऋचा घोष, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, उमा छेत्री, शेफाली वर्मा।

साउथ अफ्रीका की टीम ःलौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), अयाबांगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, मारिजैन कप्प, ताजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसेन, ऐनी बॉश, मसबत क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगसे।

महिला वनडे विश्व कप 2025 का फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस 2ः30 बजे होगा। यह ऐतिहासिक मैच स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किया जाएगा और इसकी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी। भारत के पास घरेलू मैदान पर अपना पहला विश्व कप खिताब जीतने का सुनहरा मौका है।

न्यूजीलैंड का इंग्लैंड पर क्लीन स्वीप, दो विकेट से जीता तीसरा वनडे

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को तीसरे वनडे में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ 3-0 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 222 रन पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने 32 गेंदें शेष रहते 8 विकेट पर 226 रन बना लिए। जाक फोकेस (14*) और ब्लेयर टिकनेर (18*) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहला वनडे चार विकेट से और दूसरा पांच विकेट से जीता था।

इंग्लैंड के बल्लेबाज एक बार फिर फ्लॉप रहे। टीम ने शुरुआती 10 ओवरों में ही चार विकेट 44 रन पर गंवा दिए। कप्तान हैरी ब्रूक की टीम के लिए जो रूट (2), बेन डकेट (8), जैमी स्मिथ (5) और जैकब बेथेल (11) रन ही बना सके। जोस बटलर ने 38 रन की उपयोगी पारी खेली जबकि ओवरटन और कार्स ने आठवें विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की।

इंग्लैंड की हार के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज़ से पहले टीम की बल्लेबाजी को लेकर चिंता बढ़ गई है।

हार का दर्द झेला है, अब जीत की खुशी का इंतजार : भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनकी टीम ने विश्व मंच पर हार का दर्द कई बार झेला है, लेकिन अब वे पहली बार विश्व कप जीतने की खुशी महसूस करने को तैयार हैं। रविवार को नवी मुंबई में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा, और दोनों टीमें पहली बार वनडे विश्व कप खिताब की दौड़ में हैं।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम हार का गम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन अब जीत की खुशी का स्वाद चखने का वक्त है। पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की है और हम मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देंगे।' भारत तीसरी बार फाइनल में पहुंचा है – 2005 और 2017 में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। कप्तान ने कहा कि 'घरेलू सरजमीं पर फाइनल खेलना गर्व की बात है और टीम का मनोबल चरम पर है।' सेमीफाइनल में भारत ने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचा था। हरमनप्रीत ने कहा, 'फाइनल खेलना ही सबसे बड़ी प्रेरणा है। यह टीम एकजुट है और इस पल का लुत्फ उठाने के लिए तैयार है।'

अर्शदीप की वापसी पर सबकी नजरें, हेजलवुड की गैरमौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजों को राहत की उम्मीद

–तीसरा अंतरराष्ट्रीय टी20 आज

होबार्ट (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के तीसरे टी20 से बाहर होने के बाद भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को होबार्ट में खेले जाने वाले निर्णायक मुकाबले में कुछ राहत मिल सकती है। हेजलवुड की सटीक लाइन और अतिरिक्त उछाल ने मेलबर्न में भारतीय बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। हालांकि अब उनके आराम पर जाने से टीम इंडिया को सांस लेने का मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज को ध्यान में रखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है। इस बीच भारतीय टीम की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आखिरकार मौका मिलेगा या नहीं, क्योंकि उन्हें लगातार बाहर रखने को लेकर आलोचनाएं तेज हो गई हैं।

दूसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने भारतीय शीर्ष क्रम को झकझोर दिया था। हालांकि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि हेजलवुड का सामना करना बेहद कठिन था और उनकी अनुपस्थिति भारतीय बल्लेबाजों के लिए राहत की बात होगी। अब भारतीय बल्लेबाजों को जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और सीन एबॉट जैसे गेंदबाजों से निपटना होगा, जिनकी गति और उछाल हेजलवुड जितनी खतरनाक नहीं मानी जाती। कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल के सामने बड़ी चुनौती अपनी फॉर्म लौटाने की है। दोनों को अतिरिक्त उछाल और सीम मूवमेंट का सामना करने में परेशानी हो रही है। होबार्ट के बेलेरिव ओवल की सीमाएं अपेक्षाकृत छोटी हैं, जिससे आक्रामक बल्लेबाजों को फायदा मिल सकता है। यही मैदान वह ऐतिहासिक स्थल भी है जहां विराट कोहली ने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ 133 रन की नाबाद पारी खेली थी।

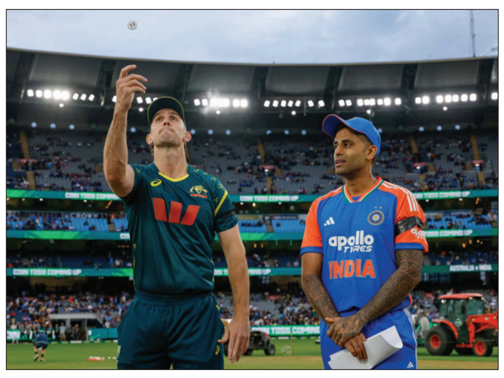

भारतीय टीम प्रबंधन की 'बल्लेबाजी की गहराई' वाली रणनीति अब सवालों के घेरे में है। मेलबर्न में टीम के तीन स्पिनरों के साथ उतरने और अर्शदीप को बाहर रखने के फैसले ने कई पूर्व खिलाड़ियों को हैरान कर दिया। रविचंद्रन अश्विन ने कहा, 'अगर जसप्रीत बुमराह खेल रहे हैं, तो अर्शदीप दूसरे नंबर पर होने चाहिए, और अगर बुमराह नहीं खेल रहे हैं तो पहले।'

हर्षित राणा को प्राथमिकता देने पर भी बहस जारी है। पिछले मैच में उन्होंने 33 गेंदों पर 35 रन बनाए, लेकिन स्ट्राइक रोटेशन और गेंदबाजी में निरंतरता की कमी साफ दिखी। अब सवाल यही है कि क्या टीम प्रबंधन तीसरे मैच में अर्शदीप को मौका देगा। होबार्ट की परिस्थितियों को देखते हुए जहां स्विंग मिलने की संभावना रहती है, वहां अर्शदीप की मौजूदगी भारतीय टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलियाः मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है लक्ष्य : दीपिका

नई दिल्ली ।देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है ।दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं ।चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा ।ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी ।इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी। दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है ।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है ।दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है ।इस तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह प्रीमियर लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है ।दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है ।उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, जिससे दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया जा सके ।

13 से 15 दिसंबर तक हो सकती है आईपीएल नीलामी : रिपोर्ट

मुम्बई ।आईपीएल 2026 सत्र के लिए नीलामी 13 से 15 दिसंबर के बीच होने की संभावना हैं ।वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस 19 वें सत्र के लिए खिलाड़ियों के रिटेंशन के लिए 15 नवंबर तक की समय सीमा रखी गयी है। इसमें अधिकतर टीमें अपने मुख्य खिलाड़ियों को बनाए रखते हुए कुछ बदलावों के साथ सामने आ सकती हैं ।ये भी माना जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में स्थिति और साफ होगी । आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की ओर से अभी तारीखों की आधिकारिक रुप से पुष्टि नहीं की गई है पर अधिकांश टीमें अपनी तैयारियों में लग गयी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि पिछले दो सालों में आईपीएल की नीलामी विदेशों में हुई थी पर इस बार ये देश में ही होने की संभावना है हालांकि इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं आया है ।इस बार बड़े स्तर पर टीमों में बदलाव की उम्मीद नहीं की जा रही है पर चेन्नई सुपर किंग्स सहित कुछ फ्रेंचाइजियां अपनी टीम में बड़े फेरबदल कर सकती हैं। पिछले सीज़न में सबसे नीचे रही सीएसके इस बार नई रणनीति से उतर सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके दीपक हुड्डा, विजय शंकर साहित कुछ और खिलाड़ियों को रिलीज़ कर सकती है क्योंकि पिछले सत्र में इनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। आर अश्विन के संन्यास लेने से टीम उनकी जगह किसी और स्पिनर को जगह दे सकती है। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर भी सबकी नज़रें टिकी हैं। चोट के कारण वे पिछले ऑक्शन में शामिल नहीं हो पाए थे, लेकिन अब उनकी वापसी के साथ एक बार फिर भारी बोली लगने की उम्मीद है। अधिकांश फ्रेंचाइज़ियां अब अपने स्क्वॉड में खाली स्लॉट और पर्स का संतुलन बनाने में जुटी हुई हैं। सभी टीमें अपने कोर खिलाड़ियों को बनाए रखने के अलावा नये खिलाड़ियों को भी अवसर दे सकती हैं।

धमाकेदार हैट्रिक लेने के बाद भी अनजान थे रोमारियो शेफर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला शुक्रवार, 31 अक्टूबर की रात चट्टोग्राम के बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेफर्ड ने इतिहास रचते हुए हैट्रिक झटकी और बांग्लादेश को मात देकर अपनी टीम को 3-0 की सीरीज जीत दिलाई।

शेफर्ड की यह हैट्रिक बेहद खास रही क्योंकि उन्होंने इसे दो अलग-अलग ओवरों में पूरा किया। दिलचस्प बात यह रही कि उन्हें खुद इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्होंने हैट्रिक हासिल कर ली है, जब तक उनके साथी खिलाड़ियों ने उन्हें इस उपलब्धि के बारे में नहीं बताया। उन्होंने 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर नूरुल हसन को आउट किया और फिर पारी के आखिरी ओवर की पहली दो गेंदों पर तंजीद हसन और शोरीफुल इस्लाम को पवेलियन भेजते हुए यह कारनामा पूरा किया। रोमारियो शेफर्ड वेस्टइंडीज के लिए टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि जेसन होल्डर ने हासिल की थी। शेफर्ड ने मैच के बाद कहा, ÷मुझे तब तक नहीं पता था कि मैंने हैट्रिक ली है, जब तक साथियों ने बताया नहीं। मैं बस आखिरी ओवर में अपनी टीम को बढ़त दिलाने पर ध्यान दे रहा था। जिस तरह से कप्तान रोस्टन और युवा ऑगस्टे ने बल्लेबाजी की, वह शानदार था। टीम का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है।÷

मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन उनकी शुरुआत कमजोर रही। पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में 151 रन पर सिमट गई। हालांकि ओपनर तंजीद हसन ने 89 रनों की शानदार पारी खेली, मगर उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 25 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बांग्लादेश के नौ बल्लेबाज तो सिंगल डिजिट में ही आउट हो गए। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 16.5 ओवरों में सिर्फ पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कैरेबियाई टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर बांग्लादेश का सूपड़ा साफ किया। शेफर्ड की हैट्रिक और वेस्टइंडीज के ऑलराउंड प्रदर्शन ने इस मुकाबले को यादगार बना दिया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े रन मशीन बने बाबर, रोहित शर्मा को पछाड़ो

नई दिल्ली । पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है ।उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं ।बाबर की यह उपलब्धि उनके लगातार प्रदर्शन और बल्लेबाजी की स्थिरता का प्रमाण है, जिसने उन्हें टी20 के महान खिलाड़ियों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है ।पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने साल 2016 से 2025 के बीच 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 39.57 की औसत से 4,234 रन बनाए हैं ।इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और 36 अर्धशतक निकले ।बाबर ने अब तक 448 चौके और 73 छक्के जड़े हैं, जो उनकी तकनीकी कुशलता और स्थिरता का प्रतीक हैं ।दूसरे स्थान पर हैं भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, जिन्होंने 2007 से 2024 के बीच 159 टी20 मैच खेले और 32.05 की औसत से 4,231 रन बनाए ।रोहित टी20 में पांच शतक और 32 अर्धशतक जड़ चुके हैं ।वे ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के साथ संयुक्त रूप से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं ।अपनी कप्तानी में भारत को विश्व कप दिलाने वाले रोहित ने सीमित ओवरों के फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक पारियां खेली हैं। तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जिन्हें रन मशीन कहा जाता है ।उन्होंने 2010 से 2024 के बीच 125 टी20 मैचों में 48.69 की शानदार औसत से 4,188 रन बनाए । कोहली के नाम एक शतक और 38 अर्धशतक दर्ज हैं ।उनके बल्ले से 369 चौके और 124 छक्के निकले हैं, जो उनकी क्लास और निरंतरता को दर्शाते हैं ।इंग्लैंड के जोस बटलर इस सूची में चौथे स्थान पर हैं ।उन्होंने 2011 से 2025 के बीच 144 टी20 मैचों में 3,869 रन बनाए हैं ।बटलर ने 35.49 की औसत से खेलते हुए एक शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं ।वहीं, पांचवें स्थान पर आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग हैं, जिन्होंने 2009 से अब तक 153 मैचों में 3,710 रन बनाए हैं ।उनके नाम एक शतक और 28 अर्धशतक दर्ज हैं ।इस तरह बाबर आजम ने अपने निरंतर प्रदर्शन से टी20 क्रिकेट में एक और मील का पत्थर हासिल किया है, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास में उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है ।

महिला विश्वकप : भारत ट्रॉफी जीतने का पूरा हकदार: अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर भारत ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बनाई। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस सेमीफाइनल में जेमिमा रोड्रिग्स ने 134 गेंदों में नाबाद 127 रन की शानदार पारी खेलते हुए टीम को वनडे इतिहास की सबसे बड़ी रन-चेज तक पहुंचाया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 89 रनों का अहम योगदान दिया, जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को मात दी और फाइनल में जगह पक्की की।

भारतीय पुरुष टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए दूसरे टी20 के बाद महिला टीम की इस जीत पर गर्व जताया। उन्होंने कहा कि पूरी पुरुष टीम ने यह मुकाबला देखा और हर किसी को महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रेरणा मिली। अभिषेक ने कहा, 'हम सभी मैच देख रहे थे। जिस तरह से भारत ने रन-चेज किया, वैसा शायद महिलाओं के क्रिकेट में पहले कभी नहीं देखा गया। जेमिमा, हरमन और स्मृति ने शानदार बल्लेबाजी की, और बीच के बल्लेबाजों ने भी बेहतरीन कैमियो खेले। पूरी टीम ने परिपक्वता और टीमवर्क दिखाया यही उनकी सबसे बड़ी ताकत रही।'

भारतीय टीम की यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक थी। ऑस्ट्रेलिया, जिसने पिछले 15 महिला वनडे विश्व कप मैचों में लगातार जीत दर्ज की थी, उसे भारत ने इस सेमीफाइनल में पहली बार पराजित किया। निर्णायक क्षणों में भारत की रणनीति और आत्मविश्वास ने मैच का पासा पलट दिया। मैच के अंतिम ओवरों में लिए गए कोचिंग फैसले ने टीम को विजय दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे ऑस्ट्रेलिया का घमंड टूट गया।

अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम 2 नवंबर को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल खेलेगी। घरेलू दर्शकों के समर्थन और हालिया प्रदर्शन के दम पर टीम पहली बार विश्व कप ट्रॉफी जीतने की दहलीज पर है। अभिषेक शर्मा ने कहा, 'महिलाओं की टीम ने जो किया है, वह प्रेरणादायक है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ जिस तरह खेला, उसे देखकर गर्व होता है। मुझे लगता है कि वे ट्रॉफी जीतने की पूरी तरह हकदार हैं और इस बार भारत कप अपने घर लाने वाला है।'

श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल से मिली छुट्टी... फॉलोअप के लिए सिडनी में ही रहने वाले

नई दिल्ली ।भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल से छुट्टी हो गई है । अय्यर 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान कैच पकड़ने के दौरान चोटिल हो गए थे ।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, अब उनकी (अय्यर) हालत स्थिर है ।वह अच्छी तरह से रिकवरी कर रहे हैं ।बीसीसीआई की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ, उनके स्वास्थ्य लाभ से खुश है ।उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है ।मैदान पर गिरने से अय्यर की स्प्लीन में गंभीर चोट आई थी, इसके बाद आंतरिक रक्तस्राव हुआ ।इस चोट की तुरंत पहचान कर ली गई थी ।अय्यर को आईसीयू में भर्ती कराया गया ।एक मामूली सर्जरी के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद कर दिया गया ।इसके साथ ही बीसीसीआई ने अय्यर का इलाज कर रहे डॉक्टर्स, खासकर सिडनी में डॉ. कौरौश हाघीगी और उनकी टीम के साथ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला का धन्यवाद किया ।इस बीच, अय्यर फॉलोअप के लिए सिडनी में ही रहने वाले है ।पूरी तरह से फिट होने के बाद ही वह भारत लौट पाएंगे ।श्रेयस ने गंभीर चोट से उबरने के दौरान अपने शुभचिंतकों के समर्थन के लिए आभार जताया था। उन्होंने लिखा, मैं अभी स्वास्थ्य लाभ की प्रक्रिया में हूं ।हर गुजरते दिन के साथ बेहतर होता जा रहा हूं ।शुभकामनाओं और समर्थन के लिए मैं बहुत आभारी हूं ।यह सच में मेरे लिए बहुत मायने रखता है ।

रोहन बोपन्ना ने कहा अलविदा: दो दशक लंबे सुनहरे करियर का हुआ अंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से संन्यास की घोषणा कर दी है। उनके इस ऐलान के साथ ही दो दशक से भी ज्यादा लंबे शानदार करियर का अध्याय समाप्त हो गया। 45 वर्षीय बोपन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक संदेश साझा करते हुए लिखा, 'अलविदा... पर अंत नहीं। आप किसी ऐसी चीज को कैसे अलविदा कहेंगे, जिसने आपके जीवन को एक अर्थ दिया? हालांकि, टूर पर 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद अब समय आ गया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपना संन्यास ले रहा हूं।' उन्होंने आगे लिखा, 'जब मैं यह लिख रहा हूं, मेरा दिल एक साथ भारी भी है और आभारी भी।'

कर्नाटक के कूर्ग से ताल्लुक रखने वाले बोपन्ना ने अपने संघर्ष और मेहनत की यात्रा को याद करते हुए बताया कि उन्होंने लकड़ी के लट्ठे काटकर अपनी सर्विस को मजबूत किया और कॉफी के बागानों में दौड़कर अपनी फिटनेस बनाई। उनके शब्दों में झलकता है कि यह सफर आसान नहीं था, लेकिन सपनों को पूरा करने का जुनून उन्हें आगे बढ़ाता रहा। बोपन्ना ने लिखा, 'टेनिस मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं रहा। इसने मुझे दिशा दी जब मैं भटका हुआ था, हिम्मत दी जब मैं टूटा था, और विश्वास दिलाया जब दुनिया ने मुझ पर शक किया। इस खेल ने मुझे धैर्य, दृढ़ता और आत्मविश्वास सिखाया।'

बोपन्ना का करियर कई उपलब्धियों से भरा रहा। उन्होंने 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता, जबकि चार बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे। इसके अलावा, उन्होंने 2012 और 2015 में महेश भूपति और फ्लोरिन मर्जिया के साथ एटीपी फाइनल्स में फाइनल मुकाबले खेले। 43 वर्ष की उम्र में बोपन्ना ने विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई बार भारत का प्रतिनिधित्व डेविस कप और ओलंपिक खेलों में भी किया। अपना आखिरी टूर्नामेंट उन्होंने पेरिस मास्टर्स 1000 में खेला, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ जोड़ी बनाई थी। बोपन्ना के संन्यास के साथ भारतीय टेनिस में एक स्वर्णिम युग का समापन हुआ है। उन्होंने अपने जुनून, समर्पण और अनुशासन से नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का रास्ता बनाया है। उनका यह सफर बताता है कि छोटे शहर से निकलकर भी अगर हिम्मत और मेहनत हो, तो दुनिया का कोई भी मंच जीतना असंभव नहीं।

मैं हमेशा अपने किरदार और उसकी सच्चाई पर फोकस करती हूं

अदा शर्मा स्टारर फिल्म द केरला स्टोरी ने हाल ही में नेशनल अवॉर्ड हासिल किया। आगे वह एक इंटरनेशनल फिल्म में भी दिखेंगी। उनसे आगामी प्रोजेक्ट्स समेत कई पहलुओं पर हुई बातचीत...

द केरला स्टोरी को नेशनल अवॉर्ड मिलने का पल आपके लिए कैसा रहा?

यह बहुत ही खास होता है। मुझे लगता है कि सबसे पहले तो हमें दर्शकों की तरफ से ही अवॉर्ड मिल चुका था, क्योंकि इस फिल्म ने इतने सारे रिकॉर्ड तोड़े, वह सब तो दर्शकों ने ही करवाया था लेकिन असल में भी नेशनल अवॉर्ड मिला तो वह पहचान मिलना बहुत अच्छा लगता है। एक एक्टर के तौर पर और द केरला स्टोरी जैसी फिल्म के लिए बहुत ही स्पेशल महसूस होता है।

सुदीप्तो सेन बोले कि बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड आपको भी मिलना चाहिए था?

वह फिल्म के डायरेक्टर हैं, तो उनका प्यार और सपोर्ट बहुत नैचुरल है। यह एक कलेक्टिव एफर्ट था। द केरला स्टोरी सिर्फ मेरी नहीं, पूरे देश की फिल्म रही है। बिना बड़े प्रमोशन या मार्केटिंग के दर्शकों ने इसे हिट बनाया। इसलिए जो भी अवॉर्ड या कॉम्प्लिमेंट इसे मिल रहा है, उसे दर्शकों के साथ शेयर करती हूं।

जब ऐसे बोल्ड या संवेदनशील मुद्दे वाली फिल्में ऑफर होती हैं तो आपका क्या माइंडसेट रहता है?

मेरे लिए पहली फिल्म 1920 भी बोल्ड थी, क्योंकि पहली बार दर्शक मुझे देख रहे थे। मैं हीरोइन थी लेकिन मेरे अंदर भूत था। यह दिखाता है कि बोल्ड सिर्फ रोमांस या ग्लैमरस दिखने में नहीं है, बल्कि किरदार की सच्चाई में है। चाहे फिल्म रियल लाइफ पर बेस्ड हो या फिक्शनल, मैं हमेशा एक ही एप्रोच अपनाती हूं कि किरदार को रियल बनाना है। मेरी कोशिश यह रहती है कि दर्शक महसूस करें कि वह मेरे साथ वह पल जी रहे हैं। बोल्ड या संवेदनशील होने की चिंता मेरे लिए सेकेंडरी है। मैं हमेशा किरदार और उसकी सच्चाई पर फोकस करती हूं।

रीता सान्याल का सीजन 2 भी आने वाला है, इसके बारे में क्या कहेंगी?

हां, रीता सान्याल का सीजन 2 अनाउंस कर दिया गया है, तो मैं कह सकती हूं कि यह डेफिनेटली आएगा। इसके सीजन 1 को इतना प्यार मिला था, तो मुझे उम्मीद है कि सीजन 2 भी लोगों को उतना ही पसंद आएगा। द केरला स्टोरी के बाद लोगों ने शायद सोचा था कि मैं सिर्फ सीरियस चीजें ही करूंगी, इसलिए रीता सान्याल और सनफ्लावर सीजन 2 जैसे प्रोजेक्ट्स का मिलना अच्छा था। यह इसलिए भी अच्छा था क्योंकि लोगों ने मुझे उस अंदाज में भी देखा।

इन दिनों आप किन प्रोजेक्ट्स की शूटिंग कर रही हैं?

मैं अभी तीन फिल्में शूट कर रही हूं, पर मैं चाहती हूं कि प्रोड्यूसर्स ही उनके बारे में अनाउंस करें। जैसे द केरला स्टोरी, रीता सान्याल, उसके बाद सनफ्लावर भी रिलीज हुई थी। तब मैंने किसी को नहीं बताया था और फिर ट्रेलर के साथ हम लोग आए, तो सब लोग उत्साहित थे। हालांकि अभी मैं एक-दो हॉरर फिल्में कर रही हूं, जो एक-दूसरे से बहुत अलग हैं। मैं एक इंटरनेशनल एक्शन फिल्म भी कर रही हूं, एक रोमांटिक फिल्म भी कर रही हूं और एक ट्राइ-लैंग्वेज फिल्म भी कर रही हूं।

रोमांटिक फिल्म बनाना चाहते हैं अमर कौशिक

फिल्म स्त्री, भेड़िया, स्त्री 2 और बाला जैसी फिल्मों के निर्देशक अमर कौशिक ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी आगामी फिल्मों को लेकर कई खुलासे किए। इसके साथ ही अमर ने महावतार और मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स को लेकर भी कई बाते बताईं।

अमर कौशिक का बयान

एक इंटरव्यू में निर्देशक अमर कौशिक ने अपनी फिल्मों को लेकर कहा, मैं महावतार पर काम कर रहा हूं। मैंने बाला का निर्देशन किया है। मैं बाकी फिल्मों का निर्माण भी कर रहा हूं। लेकिन मैं (हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स) की दुनिया को नहीं छोड़ सकता क्योंकि लोगों ने इसे बहुत प्यार दिया है। मैं उस जिम्मेदारी को नजर अंदाज नहीं कर सकता। एक निर्देशक के तौर पर, मैं बहुत कुछ करना चाहता हूं, लेकिन मैं इस दुनिया को नहीं छोड़ सकता। मुझे इसे सुरक्षित रखना है। मैं रोमांटिक ड्रामा फिल्में भी बनाना चाहता हूं। इस फिल्म इंडस्ट्री में आठ साल हो गए हैं, मैं 80 साल की उम्र तक काम करते रहना चाहता हूं।

अमर कौशिक के बारे में

अमर कौशिक एक भारतीय फिल्म निर्माता-निर्देशक हैं। उन्हें मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्मों स्त्री, भेड़िया और स्त्री 2 के साथ-साथ फिल्म बाला का निर्देशन किया है। अमर ने 2008 में आमिर पर राज कुमार गुप्ता के सहायक निर्देशक के रूप में काम करते हुए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। बहरहाल, अमर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म महावतार पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

राजेश-डिंपल की पोती नाओमिका बॉलीवुड में करने जा रही हैं डेब्यू

बॉलीवुड की लेजेंडरी जोड़ी राजेश और डिंपल कपाड़िया की पोती नाओमिका सरन जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। यह उनकी पहली फिल्म मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले दिनेश विजान द्वारा प्रोड्यूस की जा रही रोमांटिक कॉमेडी होगी। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की संभावना है। फिल्म में नाओमिका के अपोजिट होंगे वेदांग रैना, जिन्हें आखिरी बार जिगरा में देखा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक... नाओमिक पिछले एक साल से इस फिल्म के लिए अभिनय और डांस वर्कशॉप में तैयारी कर रही हैं, ताकि वह बड़े परदे पर पूरी तरह तैयार होकर कदम रखें।

नाओमिका की मां हैं रिंकी खन्ना, जिन्होंने 1998 में प्यार में कभी कभी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। नाओमिका, ट्विंकल खन्ना और अक्षय कुमार की भतीजी भी हैं।

हालांकि नाओमिका ने अब तक मीडिया की निगाहों से दूरी बनाए रखी थी लेकिन हाल ही में उनकी मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस विजिट्स ने उनके डेब्यू की अफवाहें बढ़ा दी हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में पहले अगस्त्य नंदा अमिताभ बच्चन के पोते के रूप में कास्ट थे लेकिन शेड्यूलिंग और चर्चा के बाद इस भूमिका को वेदांग रैना से बदल दिया गया। सूत्रों के अनुसार... दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री टीम को बेहद पसंद आई। फिल्म के निर्माता दिने श विजन चाहते हैं कि नाओमिका का डेब्यू धीरे और प्रोफेशनल तरीके से हो, ताकि वह पूरी तरह तैयार होकर दर्शकों के सामने आएं।

संजय की फिल्म खलनायक 2 का निर्देशन नहीं करेंगे सुभाष

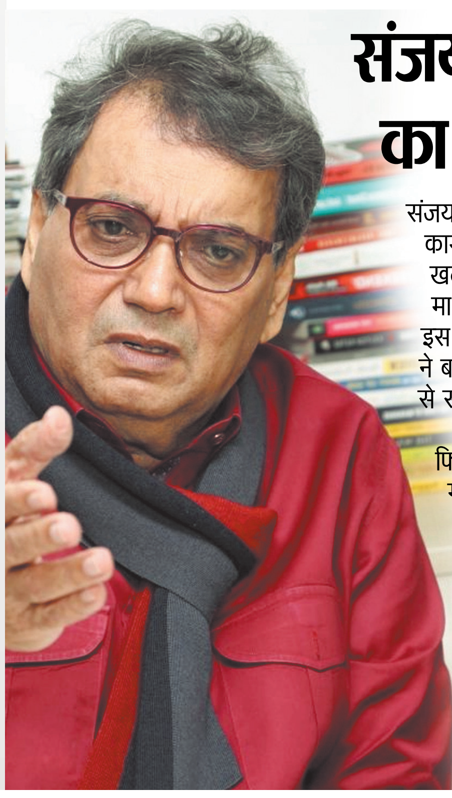

संजय दत्त ने कई सफल फिल्मों में काम किया है, उन्हीं में से एक है खलनायक, जिसमें उनकी जोड़ी माधुरी दीक्षित के साथ बनी थी। इस एक्शन फिल्म को सुभाष घई ने बनाया था। इसी फिल्म के बाद से संजय को हर कोई खलनायक कहने लगा था, उधर घई की फिल्मावली में भी चार चांद लग गए थे। अब फिल्म के सीक्वल पर निर्देशक ने खुलकर बात की और ये भी बताया कि वो इसका निर्देशन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा... खलनायक को एक सिनेमैटिक यूनिवर्स में ढालने की तैयारी चल रही है और सीक्वल को काफी बड़े स्तर पर बन रहा है। मैं इसे निर्देशित नहीं कर रहा हूं, क्योंकि मैं 80 साल का हूं। मैं बस रचनात्मक रूप से मार्गदर्शन कर सकता हूं। संजय दत्त सीक्वल में अभिनय करेंगे। हमसे कई बड़े स्टूडियो रीमेक और सीक्वल के लिए हमसे संपर्क कर रहे हैं। हमने एक स्टूडियो को इसके राइट्स देने का फैसला किया है। सुभाष बोले... अधिकारों में सीक्वल के लिए स्क्रिप्ट, किरदार, कथानक, कहानी, नाम, डायलॉग और संगीत शामिल हैं, इसलिए खलनायक के गीतों का इस्तेमाल दूसरे भाग में किया जा सकता है। 32 साल बाद एक बार फिर संजू बाबा को उसी अंदाज में देखना बेहद दिलचस्प होने वाला है।

फिल्म संक्रांतिकी वास्तुनम की आएंगे अक्षय हिंदी रीमेक में नजर

अक्षय कुमार एक बार फिर साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्म के हिंदी रीमेक में नजर आने वाले हैं। हाल ही में वे जॉली एलएलबी 3 में दिखे थे और अब उनकी अगली फिल्म को लेकर चर्चा है कि उन्होंने तेलुगु सुपरस्टार वेंकटेश दग्गुबाती की इसी साल रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म संक्रांतिकी वास्तुनम के हिंदी रीमेक के लिए हामी भर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म एक एक्शन-कॉमेडी ड्रामा होगी। सूत्रों का कहना है... अक्षय को फिल्म की कहानी और ट्रीटमेंट काफी पसंद आया। उन्होंने फिल्म देखने के बाद खुद इसका हिंदी रीमेक बनाने का वास्तुनम का निर्देशन अनिल रविपुड़ी ने किया था। फैसला किया। बता दें, मूल फिल्म संक्रांतिकी यह 14 जनवरी को रिलीज हुई थी और दुनियाभर में 250 से 300 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। फिल्म की कास्टिंग प्रोसेस पर इस वक्त काम चल रहा है। फिलहाल लीड एक्ट्रेस को फाइनल नहीं किया गया है। शूटिंग पहले शुरू हो जानी थी लेकिन अक्षय के बिजी शेड्यूल के चलते इसे फिलहाल डिले किया गया है। अगले साल अक्षय भूत बंगला में भी नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास हैवान, फिर हेरा-फेरी और वेलकम टू द जंगल जैसी फिल्में भी कतार में हैं।

सरकार 4 में फिर साथ आएंगे अमिताभ और अभिषेक, राम गोपाल वर्मा ही करेंगे निर्देशन

अमिताभ बच्चन के 83वें जन्मदिन पर बॉलीवुड से एक बड़ी खबर आई है। राम गोपाल वर्मा अपनी चर्चित सरकार फ्रेंचाइज के चौथे भाग के साथ लौट रहे हैं। इस बार कहानी में सबसे बड़ा सरप्राइज यह है कि अमिताभ के साथ अभिषेक भी अपने लोकप्रिय किरदार शंकर नागरे के रूप में वापसी कर सकते हैं। दरअसल, सरकार राज (2008) में शंकर नागरे की मौत दिखाई गई थी, जिसके बाद फ्रेंचाइज की तीसरी फिल्म सरकार 3 एक अलग दिशा में चली गई थी।

स्क्रिप्ट हुई लॉक, 2026 के फर्स्ट हाफ में होगी शुरू

सूत्रों का कहना है कि अमिताभ और अभिषेक दोनों को नई कहानी की रूपरेखा सुनाई जा चुकी है और दोनों ने इस विचार को पसंद करते हुए प्रोजेक्ट के लिए मौखिक सहमति दे दी है। वहीं, राम जो शुरुआत में इस फिल्म को लेकर असमंजस में थे, उन्होंने भी नई स्क्रिप्ट को मंजूरी दे दी है। योजना के अनुसार, सरकार 4 की शूटिंग 2026 के फर्स्ट हाफ में शुरू हो सकती है। पहले सरकार 4 की जिम्मेदारी प्रकाश झा को सौंपने की बात चल रही थी लेकिन आखिरकार निर्माताओं ने इस प्रोजेक्ट को वापस राम को ही सौंपने का फैसला किया।

इस बार कहानी प्रीक्वल के तौर पर जा सकती है...

फिल्म की कहानी प्रीक्वल के तौर पर भी जा सकती है, जिसमें शंकर नागरे की पृष्ठभूमि और उसके सत्ता में आने की कहानी दिखाई जा सकती है। निर्माताओं ने कुछ समय पहले आदित्य रॉय कपूर को एक समानांतर भूमिका के लिए अप्रोच किया था लेकिन बाद में उस विचार को छोड़ दिया गया। अब फोकस पूरी तरह बच्चन परिवार की वापसी पर है, जिससे फ्रेंचाइज की मूल आत्मा बरकरार रहेगी। यह फ्रेंचाइज के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होगी। अगला साल अमिताभ-अभिषेक के लिए बेहद व्यस्त साल साबित होने वाला है। बिग बी की झोली में पहले से कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। जिनमें रामायण: पार्ट 1, जिसमें वह दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अगले साल दीपावली तक रिलीज की उम्मीद है। ब्रह्मास्त्र 2 में भी वह गुरुजी के किरदार में दोबारा दिखेंगे। आंखें 2 में भी उनका किरदार निगेटिव शेड्स लिए होगा। कल्कि 2898ष्ठ 2 में भी बिग बी का किरदार आगे बढ़ेगा, जिसकी शूटिंग अगले साल शुरू होगी। वहीं, अभिषेक के लिए भी अगला साल काफी अहम रहेगा। वह किंग में विलन की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जबकि धूम 4 में एसीपी जय दीक्षित बनकर फिर एक्शन करते दिखेंगे। इसके अलावा वह राजा शिवाजी जैसी फिल्म में भी हैं।

वर्मा भी डी कंपनी वेब सीरीज पर कर रहे काम

सरकार 4 के साथ राम गोपाल की मेनस्ट्रीम सिनेमा में बड़ी वापसी मानी जा रही है। इसे उनके पॉलिटिकल क्राइम यूनिवर्स के रूप में भी देखा जा रहा है। दूसरी ओर वर्मा सरकार 4 के अलावा अपने डिजिटल प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं। उनकी वेब सीरीज डी कंपनी मुंबई अंडरवर्ल्ड पर आधारित है। हालांकि, अब सबकी निगाहें सरकार 4 पर हैं जो संभवत: 2027 में रिलीज हो सकती है।

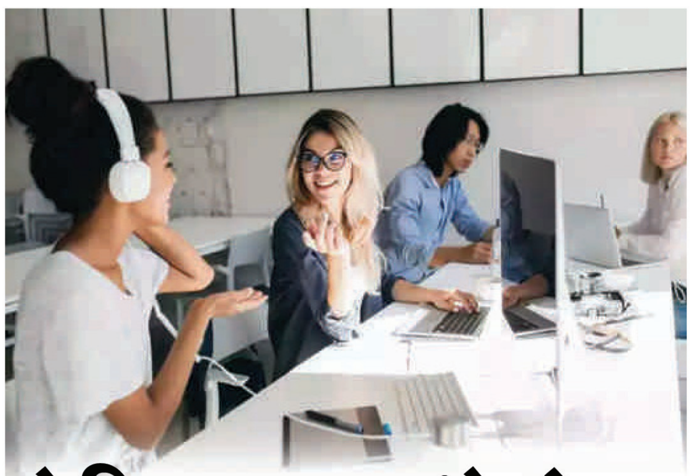

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पानी के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।
- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजेनस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्टॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स साइंस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

क्या है आर्कियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्द उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्कियोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे

हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्कियोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्कियोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्कियोलॉजी कहलाता है। आर्कियोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों

लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्कियोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्कियोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप

आर्कियोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंर्जवेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्कियोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्कियोलॉजी, जिओ आर्कियोलॉजी, आर्कियोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्कियोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्कियोलॉजी, आर्कियोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्कियोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्कियोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्कियोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह ऐक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योंरेस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योंरेस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंटए डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा